जिला वार्षिक योजना

वर्ष *1990-91*

नियोजन प्रक्रिया का विकेन्द्रीकरण

जनपद–गाजियाबाद

54224
309.26
GAJ-J

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
	प्रस्तावना	I से II
	प्रमाण-पत्र	III
	योजना का सारांश	IV
अध्याय-1	भूमिका	1-5
अध्याय-2	जनपद परिचय	6-11
अध्याय-3	जनपदीय एवं अन्तर्विकास खण्डीय विषमतायें	12-16
अध्याय-4	जिला योजना के उद्देश्य, रणनीति एवं प्राथमिकतायें	17-23
अध्याय-5	जिला योजना का वित्त पोषण	24-30
अध्याय-6	जिला योजना का समालोचनात्मक मूल्यांकन	31-41
अध्याय-7	राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	42-47
अध्याय-8	स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान	48-50
अध्याय-9	समस्यायें एवं सुझाव	51-56
परिशिष्ट-1	जी.एन.-1 विभागवार वित्तीय व्यय एवं परिव्यय	57-61
परिशिष्ट-2	जी.एन.-2 विभागवार व कार्यक्रमवार चालू एवं नई योजनाओं का वित्तीय व्यय तथा परिव्यय 1990-91	62-101
परिशिष्ट-3	जी.एन.-3 विभागवार एवं कार्यक्रमवार भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धियां	102-138
परिशिष्ट-4	विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम	139-141
परिशिष्ट-5	सड़क एवं पुल कार्यक्रम एवं विवरण	142-143
	आधारभूत आंकड़े जनपद स्तर	144-162
	आधारभूत आंकड़े विकास खण्डवार	163-179
परिशिष्ट-6	विकासखण्डवार संकेतक एवं मानचित्र	180-195
परिशिष्ट-7	केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं का विवरण	196-197

NIEPA DC
D05490

-54224
309.26
GAT - J

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurbindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. D 5490
Date 11/12/90

प्रस्तावना

योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन एवं अधिकतम लाभ हेतु नियोजन और विकास प्रणाली के लिये विकेन्द्रीकरण की आवश्यकता प्रशासन, नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों एवं शोध कर्त्ताओं द्वारा काफी समय से विचाराधीन थी । नियोजन प्रक्रिया का विकेन्द्रीयकरण ही एक ऐसी प्रणाली है जिससे प्रत्येक जनपद अपनी स्थानीय परिस्थितियो और विकास की सम्भावनाओ के अनुकूल स्थानीय संसाधनों एवं उनकी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग स्वंय अपने विवेकानुसार कर सकने में सक्षम है । इसी उद्देश्य के परिपेक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 1982-83 से विकेन्द्रीयकरण नीति का शुभारम्भ जनपद स्तर से किया है । वर्ष 1990-91 को (आठवी पंचवर्षीय योजना का प्रथम वर्ष) प्रस्तावित जिला वार्षिक योजना इसी क्रम का नवम संस्करण है । जनपद गाजियाबाद की जो प्रस्तावित योजना बनाई गयी है वह विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी की गयी सामान्य मार्ग निर्देशिकाओं व निर्देशो के अनुरूप ही तैयार की गयी है ।

शासन द्वारा इस जनपद को संशोधित 1028.76 लाख रुपये का परिव्यय स्वीकृत किया गया है जो कि गत वर्ष से 97.28 लाख अधिक है अर्थात 1989-90 के परिव्यय से वर्ष 1990-91 में 10.4 प्रतिशत अधिक है । कुल परिव्यय में से 993.08 लाख रुपये (96.53प्रतिशत) चालू योजनाओं पर तथा 35.68 लाख रुपया (3.47 प्रतिशत) नयी योजनाओं पर व्यय किये जाने का प्रस्ताव किया गया है । शासन की निर्धारित नीति के अनुसार जनपद के अन्तर्गत 1500 से अधिक आबादी वाले गांवों को सम्पर्क मार्गों से जोड दिया गया है, एवं 1000 से 1500 तक की आबादी वालों गांवो को इस प्रस्तावित योजना के अन्तर्गत जोडने का प्रयास किया जायेगा । जिसके लिए 2 करोड रुपया प्रस्तावित किया गया है । इसके अतिरिक्त गांवो में भवन रहित चल रहे जूनियर बेसिक स्कूल व सीनियर बेसिक स्कूलों के भवन निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र व उपकेन्द्रो के भवन निर्माण तथा विगत वर्षों में चल रहे निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर धनराशि आवंटित

करने का प्रस्ताव योजना में किया गया है । गांवों में पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश, ग्रामीण आवास, जवाहर रोजगार योजना, आई. आर. डी. पी. आदि मुख्य मदों पर भी निर्देशों के अनुसार धनराशि प्रस्तावित की गयी है ।

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91 की संरचना जिला विकास अधिकारी के मार्ग निर्देशन में की गयी है । योजना के संकलन एवं इसको व्यवहारिक रूप देने में श्री डी. पी. गुप्ता जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी श्री पी. के. जैन, श्री गजेन्द्र दत्त शर्मा सहायक अर्थ एवं संख्या अधिकारी, श्री ओमप्रकाश वरिष्ठ सहायक तथा अन्य सम्बंधित सहायकों ने लगन एवं परिश्रम के साथ कार्य करके पुस्तिका तैयार की है, जो कि प्रशंसा के पात्र हैं । समस्त जिला स्तरीय अधिकारी जिन्होंने अपनी योजनाओं को उपलब्ध कराकर जिला योजना की संरचना में सहयोग दिया है उसके लिए मैं आभारी हूं ।

दिनांक मार्च 15, 1990

॥ राजेन्द्र कुमार ॥
जिला अधिकारी
गाजियाबाद

प्रमाण - पत्र

§1§ जिला/मण्डल स्तरीय समितियों का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है ।

§2§ जनपद में चल रही केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं/बाहरी संस्थाओं द्वारा पोषित कार्यक्रमों के लिये राज्यांश के रूप में प्राविधान कर दिया गया है ।

§3§ न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम की मदों हेतु राष्ट्रीय लक्ष्यों के परिपेक्ष्य में आंकलन कर यथेष्ट प्राविधान सुनिश्चित कर लिया गया है ।

§4§ सातवीं पांचवर्षीय योजना के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए यथेष्ठ प्राविधान कर दिया गया है । ताकि आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भिक वर्षों में पूर्व में विनियोजित धनराशि का लाभ प्राप्त किया जा सके ।

§5§ शासन को प्रस्तुत की जा रही जिला योजना में स्थल चयन का उल्लेख, नई योजनाओं का विस्तृत विवरण, सडक एवं पुलो का विवरण पूर्व में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश किया गया है ।

§ गया प्रसाद गुप्त §
जिला विकास अधिकारी,
गाजियाबाद।

जिला योजना 1990-91 की योजनाओं का ब्यौरा

जनपद-गाजियाबाद (हजार रू. में)

क्र. सं.	मद	वर्ष 1989-90 स्वीकृत परिव्यय	प्रस्तावित परिव्यय वर्ष 90-91	कुल परिव्यय से प्रतिशत
1	2	3	4	5
	कुल परिव्यय (आंकलित)	93148.00	102876.0	100.00
1.	उत्पादक योजनाओं पर प्रस्तावित परिव्यय	46959.89	47021.35	45.71
2.	अवस्थापना एवं सेवाओं पर प्रस्तावित परिव्यय	46188.11	55854.65	54.29
3.	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रमों हेतु प्रस्तावित परिव्यय	37048.11	43717.00	42.49
4.	केन्द्र पोषित योजनाओं पर प्रस्तावित परिव्यय	32810.40	32352.00	31.45
5.	केन्द्र द्वारा केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं पर प्रस्तावित परिव्यय			
6.	आई.आर.डी. योजना पर प्रस्तावित परिव्यय	8987.00	9475.00	9.21
7.	लघु/सीमान्त कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु सहायता पर प्रस्तावित परिव्यय (यदि हो)	6900.00	2100.00	2.04
8.	जवाहर रोजगार योजना पर प्रस्तावित परिव्यय (यदि हो)	10473.40	12351.00	12.01

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

योजना का आलेख

अध्याय-1

विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली की सार्थकता

स्वतन्त्रता से पूर्व भारत राजनैतिक दृष्टिकोण से परतन्त्र था तथा आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा हुआ देश था । राजनैतिक स्वतन्त्रता प्राप्त होते ही यह परिकल्पना प्रबल हो चली कि इस देश की गरीबी को दूर करने के लिए देश को आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नत किया जाना आवश्यक है । देश की व्यवस्था चलाने के लिए रामराज्य एवं समाजवाद की परिकल्पना करते हुए प्रजातान्त्रिक शासन पद्धति अपनाई गई । उक्त विचार धारा को दृष्टिकोण में रखते हुए प्रथम पंचवर्षीय योजना वर्ष 1951 में ग्रामीण अंचलों तक पहुंचाने के लिए सामुदायिक विकास योजना का वर्ष 1952 से शुभारम्भ हुआ । सामुदायिक विकास योजना की परिभाषा इस प्रकार की गई कि सामुदायिक विकास योजना ग्रामीण समुदाय की विकास की योजना हैं एवं उनके द्वारा अपने विकास के लिए एवं उन्हीं के माध्यम से संचालित की जानी है अतः आज जिस विकेन्द्रिकरण योजना प्रणाली की बात कर रहे हैं । यह इस योजना का शुरू से ही मूलभूत सिद्धान्त रहा है और इसी सिद्धांत को कार्यरूप में परिणित करने के लिए विकास खंडों की स्थापना हुई और प्रारम्भ से अन्त तक विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से इस लाभ को जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा है । साथ-साथ ही इस देश का दुर्भाग्य रहा है कि सदियों पुरानी परतन्त्रता के कार्यकाल की शासन पद्धति के अनुकरण के परिणाम स्वरूप विकास की योजनायें विकेन्द्रिकरण की अपेक्षा केन्द्रित रही है । जिस कारण आज जनता का सहयोग पूर्ण रूपेण प्राप्त नहीं हो सका है ।

1.1 वर्ष 1982-83 से पूर्व भी जिले के लिए योजनायें तैयार की जाती थी परन्तु शासन स्तर से विभागवार परिव्यय सूचित किये जाते थे । और उनकी योजना जिलेवार बनाकर भेजी जाती थी । ये योजनायें जिस वित्तीय वर्ष की होती थी । प्रायः उस वित्तीय वर्ष के अन्त में प्राप्त होती थी इसमें जनपद की आवश्यकता के अनुरूप बहुत से कार्य छूट जाते थे । जिले के विकास के लिए सर्व प्रथम 1951-52 में पहली पंचवर्षीय योजना तैयार की गई इस प्रकार पंचवर्षीय योजना तैयार की जाती रही वर्ष 74-75 से वार्षिकयोजना बननी शुरू हुई और अब वर्ष 1990-91 आठवीं पंचवर्षीय योजना का प्रथम वर्ष है । जिसके

लिए योजना तैयार की जा रही है इस प्रकार स्थानीय आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं एवं जिले के विभिन्न विकास खंडों के सन्तुलित विकास को ध्यान में रखकर विकेन्द्रित योजना तैयार की जा रही है ।

1.2 क्षेत्रीय मूलभूत आवश्यकताओं को जनपद को सुलभ कराने क्षेत्रीय विषमताओं, बेरोजगारी व गरीबी की समस्याओं का निदान सीमित साधनों द्वारा जनता की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने तथा योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन एवं उनका अधिकतम लाभ पहुंचाने हेतु नियोजन एवं विकास प्रणाली के विकेन्द्रिकरण को आवश्यकता काफी वर्षों से अनुभव की जा रही थी ।

1.3 योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन एवं अधिकतम लाभ हेतु नियोजन और विकास प्रणाली के विकेन्द्रीकरण की आवश्यकता है । जिले में जो उपलब्ध संसाधन है तथा जो नयी अवस्थापनाएं सृजित की गयी है । इससे जिले की उत्पादकता में अवश्य वृद्धि हुई है, परन्तु उनका मूल्यांकन या उनकी सम्पूर्ण क्षमता का उपयोग केन्द्रीय स्तर से समुचित रूप से नही किया जा सकता । विकेन्द्रीकरण वह प्रणाली है जिससे प्रत्येक जिला अपनी परिस्थितियों और विकास की सम्भावनाओं के अनुकूल स्थानीय संसाधनों एवं क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग स्वंय अपने विवेकानुसार कर सकने में सक्षम है । इसी प्रकार शासन ने विकेन्द्रीकरण नीति स्वीकृत की है ।

1.4 यह भी सम्भव है कि जितनी भी चल रही परियोजनायें है वह सारी की सारी प्रत्येक जिले में उसी रूप में लागू नही की जा सकती या उनको लागू करने पर भी उससे संभावित लाभ नही हो रहे हैं ।

1.5 सार्थक योजनाओं का ज्ञान योजनाओं का निर्माण कार्यान्वयन सूचना एवं अनुश्रवण बिना स्थानीय अधिकारियों तथा लाभार्थियों के सक्रिय सहयोग के सुचारू रूप से निर्धारित नही किया जा सकता । जिले की मूलभूत आवश्यकताओं का गहन रूप से अध्ययन किया जाय । वहां के लोगों का सहयोग प्राप्त कर ही नीति विषयक निर्णय लिये जा सकते हैं । स्थानीय आवश्यकताओं का अनुशीलन और उनके स्थान पर योजनाएं प्रस्तावित किये बिना वांछित जन सहयोग भी नही प्राप्त किया जा सकता और इस प्रकार योजनाओं का सफल त्वरित कार्यान्वयन भी नही हो सकता ।

1.6 अलग-अलग कार्यक्रमों के लिए विभिन्न स्तर पर नियोजन की कार्य वाही करना आवश्यक है । क्षेत्रीय विकास योजनाओं को तैयार करने का कार्य जिनके लिए विभिन्न क्षेत्र के कार्यकलापों का एकीकरण तथा समन्वय अपेक्षित है । इसे केवल जिला स्तर पर ही हाथ में लिया जा सकता है ।

1.7 जिला वह निम्नतम प्रदेश की इकाई है जहां अधिकांश विभागों के उत्तरदायी पदाधिकारी उपलब्ध है । जिन्हें थोड़े प्रशिक्षण की सहायता से जिला स्तरीय योजना बनाने का काम में लगाया जा सकता है । और जिले की एकीकृत एवं समन्वित योजना तैयार की जा सकती है । इस प्रकार की योजनाओं में एक विभाग और दूसरे विभाग में सामन्जस्य बना रहेगा विभिन्न क्रियाकलापों में प्राथमिकता पर चुनाव किया जा सकेगा और सार्थक कार्यक्रम निष्पादित किये जा सकते हैं ।

1.8 विभिन्न योजनाओं के अध्ययन से यह अनुभव किया गया कि जन सहयोग पर आधारित योजनायें ज्यादा स्थायी और प्रभावी होती है । जनता की अपनी आर्थिक सामाजिक स्थिति में सुधार लाने का उत्तरदायित्व जनता का ही होना चाहिये । शासन द्वारा आवश्यक मार्ग दर्शन एवं सहायता सुलभ करायी जानी चाहिये । जनता की आवश्यकताओं अनुभव करके योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाय और उनके कार्यान्वयन में जनता का पूरा सहयोग मिले तभी योजनायें प्रभावी एवं लाभप्रद होगी । योजनाओं की रचना लक्ष्य, निर्धारण, प्राथमिकता एवं कार्यान्वयन की रणनीति तय करने में जब स्थानीय अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि सहयोगी होते हैं तो उनमें स्वतः ही योजनाओं के प्रति लगाव उत्साह तथा उन्हें सफलतापूर्वक पूरा करने की भावना बलवती हो जाती है ।

1.9 विभिन्न योजनाओं की प्रगति के मूल्यांकन द्वारा क्षेत्रीय विषमतायें बेरोजगारी व गरीबी की समस्यायें प्रमुख रूप से उभरकर सामने आयी है । बहुत से क्षेत्र और निर्धन वर्ग अपेक्षाकृत कम लाभान्वित हुये हैं । पिछड़े क्षेत्रों और कमजोर वर्गों के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये जैसे सूखा-उन्मुख क्षेत्रीय विकास, लघु एवं सीमान्त कृषक और अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के विशेष कार्यक्रम, समन्वित ग्राम्य विकास योजना, ग्रामीण गारन्टी रोजगार योजना, बीस सूत्री कार्यक्रम इत्यादि जैसे-जैसे कार्यक्रमों और परियोजनाओं का विस्तार हुआ विकेन्द्रीकरण की आवश्यकता और अधिक महसूस की गई है ।

1.10 कृषि, पशुपालन, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग, सामाजिक वानिकी, जल एवं भूमि संरक्षण ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है । जिनका कार्यान्वयन जनसहयोग पर ही निर्भर है । जन सहयोग प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि जनता और जन प्रतिनिधियों को नियोजन और विकास की प्रक्रिया से पूरी तरह से सम्बद्ध किया जाये । जनता को ग्राम विकास कार्यक्रमों से सम्बद्ध करने का व्यापक प्रयास बलवंत राय मेहता कमेटी की सिफारिश के अनुसार पंचायती राज्य संस्थाओं की स्थापना द्वारा प्रारम्भ किया गया । लेकिन नियोजन की प्रक्रिया आमतौर पर केन्द्र एवं प्रदेश से मुख्यालय तक ही सीमित रही है ।

1.11 विकेन्द्रित नियोजन:- अन्ततोगत्वा यह निर्णय लिया गया है कि नियोजन प्रक्रिया का विकेन्द्रिकरण ही एक विकल्प है जिससे प्रत्येक जिला अपनी परिस्थितियो और विकास की सम्भाव्यताओं के अनुकूल स्थानीय संसाधनो एवं क्षमताओं का सर्वोत्तम उपयोग स्वंय अपने विवेकानुसार कर सकने में सक्षम है । सार्थक योजनाओं का चयन, रचना, कार्यान्वयन, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण स्थानीय अधिकारियो तथा लाभार्थियों के सक्रिय सहयोग से ही सम्भव है ।

1.12 नियोजन प्रक्रिया का विकेन्द्रिकरण किस स्तर तक किया जाय यह निश्चित करने में प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता की उपलब्धता तथा कार्यक्रम के स्वरूप को ध्यान में रखना पडता है । इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए आमतौर पर केन्द्र प्रदेश मुख्यालय जिला विकास खंड और ग्राम सभा के प्रशासनिक स्तर है । जिनका उपयोग बहुस्तरीय नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत किया जा सकता है । दांतवाला कमेटी ने विकास खंड को भी नियोजन की एक आवश्यक और उपयोगी इकाई मानते हुए तदनुसार संस्तुति की है । सिद्धांत रूप में इसको स्वीकार करने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिये परन्तु नियोजन की प्रक्रिया किस स्तर पर और किस रूप में प्रारम्भ की जा सकती है । यह उस स्तर की नियोजन क्षमता पर निर्भर करती है ।

1.13 इस समय राष्ट्रीय स्तर पर नियोजन की पर्याप्त क्षमता है । प्रदेश स्तर एवं मण्डल स्तर भी नियोजन विभाग और विभिन्न विभागों में नियोजन की क्षमता का विकास किया गया है । उत्तर प्रदेश में जिला स्तर पर भी निम्नलिखित पदो को सृजित करके आशा की गई है कि जिला स्तर पर

नियोजन की प्रक्रिया मजबूत बनायी जा सकेगी :-

पद का नाम	संख्या
1. अर्थ एवं संख्या अधिकारी	1
2. सहायक अर्थ एवं संख्या अधिकारी	2
3. कार्टोग्राफर	1
4. लिपिक/टंकक	2

परन्तु जिला स्तर से नीचे अर्थात विकास खंड एवं ग्राम स्तर पर अभी कोई अलग से नियोजन हेतु व्यवस्था नहीं है । दांतवाला कमेटी की सिफारिस के अनुसार पहले जिला स्तरीय नियोजन को मजबूत करना चाहिये और फिर जिला के नीचे के स्तरों में नियोजन का कार्य करना चाहिये । विकास खंडो और अन्य स्तरों पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण के द्वारा नियोजन की प्रक्रियाओं की जानकारी करायी जाये ताकि वे योजना बनाने में अधिकाधिक प्रभावी योगदान कर सके ।

-0-0-0-

अध्याय - 2

भूमिका :- गाजियाबाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख औद्योगिक जनपद है जो मुख्य गंगा यमुना नदियों के दो आब में 77. 26 से 78. 10 अंश पूर्वी देशान्तर तथा 28. 30 व 28. 50 अंश उत्तरी अक्षांशों के मध्य स्थित है । गाजियाबाद जनपद का सृजन 14 नवम्बर 1976 को सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार किया गया है । वर्तमान में इस जनपद के अन्तर्गत 10 विकास खंड क्रमशः रजापुर, मुरादनगर, भोजपुर, हापुड, धौलाना, लोनी, सिम्भावली, गढ़मुक्तेश्वर, बिसरख व दादरी हैं । इनमें प्रथम 8 विकास खंड मेरठ जनपद एवं शेष दो विकास खंड बुलन्दशहर जनपदों से काट कर दिये हैं । इसके पूर्व तथा पश्चिमी किनारों पर क्रमशः गंगा एवं यमुना नदियां प्राकृतिक सीमायें बनाती है । गाजियाबाद जनपद में उत्तर में मेरठ व दक्षिण में बुलन्दशहर जनपदों की सीमाओं से मिलती है । इसी प्रकार इसके पूर्व में मुरादनगर जनपद स्थित है । पश्चिमी गाजियाबाद में गाजियाबाद की सीमा दिल्ली से मिलती है । यहआयताकार में उत्तर दक्षिण की अपेक्षा पूर्व पश्चिम में अधिक लम्बा है । जनपद की लम्बाई लगभग 72 कि. मी. तथा 37 कि. मी. है । इस जिले में 4 तहसीलें हैं । इसका कुल क्षेत्रफल 2590 वर्ग कि. मी. है ।

2. 1 जनपद की सीमा में बहने वाली तीन प्रमुख नदियों गंगा-यमुना तथा हिण्डन हैं । जो वर्ष पर्यन्त जल प्लावित रहती है । वर्षा ऋतु में अति वृष्टि होने पर ये नदियां विकराल रूप धारण कर लेती है । जिससे इस जनपद का काफी भू-भाग बाढ तथा जल प्लावन से प्रभावित हो जाता है। इन नदियों के किनारे की भूमि मीलो लम्बी खादी पट्टियों के रूप में फैली हुई है । इस वर्षा ऋतु की कमी के कारण सूखे की सी स्थिति रही है ।

2. 2 उपरोक्त प्रमुख नदियों के अलावा कुछ बरसाती छोटी नदियां भी बहती है । जिसमें काली नदी प्रमुख है । नदियों के अलावा जनपद में गंगनहर बहती है । जिसमें से विभिन्न शाखायें निकाल कर पानी की सुविधायें दी गई है ।

2.3 मिट्टी:- इस जनपद में सामान्यत: उपजाऊ दोमट ही मिट्टी पाई जाती है । परन्तु नदियों के किनारे-किनारे विभिन्न प्रकार की मिट्टी उत्तर से दक्षिण की ओर चली गई है । गंगा के किनारे 5 से 8 मील चौडी तथा यमुना के किनारे एक से चार मील की चौडी खादर की पट्टियां है । जिसमें सेतली चिकनी तथा रेताइन भूमि के खंड पाये जाते हैं ।

2.4 जलवायु:- जनपद की जलवायु बहुत स्वास्थ्य प्रद है यहां प्राय: शरद ऋतु माह अक्टुबर से माह फरवरी, ग्रीष्म-ऋतु माह मार्च से माह जून के मध्य तक वर्षा ऋतु मध्य जून से माह सितम्बर तक रहती है । दिल्ली प्रान्त के निकट होने के कारण यहां का तापमान व वर्षा दिल्ली जैसी ही है । इस जनपद में सर्दियों में कडाके की सर्दी तथा ठंड के दिनों में अत्यधिक सर्दी पडती है । साधारणत: वर्षा में वर्षा भारी यहां अधिक होती है इस जिले में जुन के अन्त या जुलाई के प्रथम सप्ताह में मानसून का प्रवेश हो जाता है । वर्ष 1986-87 की प्राप्त सूचनाओं के अनुसार इस जनपद का अधिकतम तापमान 42.6 सैन्टी ग्रेड तथा न्यूनतम तापमान 3.7 सेन्टीग्रेड रहा ।

2.5 वर्ष 1986-87 में गाजियाबाद में 556.8 कि.मी. हुई जो कि गत वर्ष से कम रही वर्ष 1987-88 में वर्षा बहुत कम हुई तथा जनपद में सूखे की सी स्थिति पूरे वर्ष बनी रही ।

2.6 भूमि उपयोगिता:- जनपद में पिछले 10 वर्षों के प्रतिरूप में काफी परिवर्तन आ गया जनपद समस्त भौगोलिक क्षेत्र से विभिन्न उपयोगों में आने क्षेत्रों का प्रतिरूप का प्रतिशत निम्न प्रकार है ।

	1985-86	1986-87
1. शुद्ध बोया गया क्षेत्र	72.31	72.51
2. कृषि के अयोग्य भूमि	3.50	3.46
3. स्थायी तथा अन्य चरागाह	0.19	0.18
4. उद्यान एवं बुहारे की फसलें	0.41	0.45
5. वन	1800	0.99
6. परती भूमि	6.02	5.79
7. कृषि योग्य बंजर भूमि	2.69	2.73
8. भूमि जो कृषि के लिए उपलब्ध नहीं है ।	13.88	13.89

2.7 <u>विभिन्न आकार की इकाईयों के अनुसार भूमि का वर्गीकरण</u> :- भूमि के आकार की इकाईयों का प्रभाव पैदावार तथा कृषक की आर्थिक स्थिति पर अधिक पड़ता है अतः इसका अध्ययन करना आवश्यक है ।

मद	संख्या	क्षेत्रफल हे0
एक हे. से कम आकार की	102509	39242
एक से दो हे. के बीच	30874	41749
दो से तीन हे. के बीच	12635	35485
तीन से पांच हे. के बीच	10138	41005
पांच हे. से अधिक	4845	27174
कुल योग	161001	184621

2.8 उपरोक्त से स्पष्ट है कि एक हेक्टेयर तक की इकाईयां कुल इकाईयों की लगभग आधी से अधिक है । जो कि प्रस्तुत चौथे गये इन्द्र से 21 प्रतिशत ... इस वर्ग में ऐसी भी काफी संख्या में इकाईयां होगी जो कि आधे हेक्टेयर तक की भूमि ही रखते हैं । आधे हेक्टेयर तक की इकाईयां न तो बैल रखकर ही खेती करते है और न ही कृषि के विकास की तरफ कोई विशेष ध्यान दे पाते हैं । इस वर्ग की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है । ये लोग कृषि के विकास में एक बाधक बन गये हैं परन्तु एक हेक्टेयर से अधिक बड़े आकार की जो इकाईयां है वे सिंचाई के अच्छे साधन, अच्छे बीज, अच्छी खाद तथा कृषि करने की उन्नत विधियां अपनाकर खेती करते है । इसी पर कृषि का विकास निर्भर करता है ।

2.9 <u>जनसंख्या का स्वरूप</u> :- जनपद गाजियाबाद की वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 1843 हजार है जो प्रदेश की जनसंख्या का लगभग 2 प्रतिशत है । अर्थात 10 वर्षों में 485 हजार की वृद्धि हो गयी है । जो कि 35.69 प्रतिशत है वर्ष 1961-71 में वृद्धि 29.43 प्रतिशत थी । जनपद में नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या वर्ष 1981 की जनगणनानुसार 629 हजार है । जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 25000 वर्ग किलोमीटर है । निम्नलिखित तालिका संख्या 1.8.1. में इस जनपद की ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या का वर्ष 1971 व वर्ष 1981 का तुलनात्मक विवरण दिया गया है । सारणी को देखने से यह स्पष्ट होता है कि वर्ष 1971 में ग्रामीण जनसंख्या को देखते

हुए वर्ष 1981 में ग्रामीण क्षेत्रों की जनसंख्या में कमी हुई। इसका मुख्य कारण जनपद में नये-नये औद्योगिक प्रतिष्ठानों का बहुत तेजी से स्थापित होना रहा है। उनमें काम करने वाले मजदूरों के कारण भी नगरीय जनसंख्या में वृद्धि का प्रमाण होना अधिक स्वाभाविक है।

<u>तालिका</u>

जनपद-गाजियाबाद के क्षेत्रवार जनसंख्या (हजार में)

क्र.सं.	क्षेत्र	1971 की जनसंख्या	प्रतिशत	1981 की जनसंख्या	प्रतिशत
1.	ग्रामीण	997	73.52	1214	65.67
2.	नगरीय	359	26.48	629	34.[illegible]3
3.	कुल	1356	100.00	1843	100.00

2.10 <u>जनसंख्या का घनत्व</u>:- वर्ष 1981 की जनगणनानुसार जनपद का क्षेत्रफल व जनसंख्या क्रमशः 2590.00 वर्ग कि.मी. व 1843 हजार है इस प्रकार जनपद में जनसंख्या का घनत्व 712 आता है जबकि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए केवल 300 ही आता है पूरे प्रदेश में 300 से बढ़कर 377 ही हुआ है इस जनपद में घनत्व बढ़ने का कारण शहरी क्षेत्रों में उद्योगों को ही कहा जा सकता है।

2.11 जनसंख्या में साक्षरता की स्थिति:- सन् 1981 की जनगणना के अनुसार जनपद में कुल जनसंख्या में से 668 हजार व्यक्ति शिक्षित थे। जिनमें से नगरीय क्षेत्र में साक्षरता 49 प्रतिशत ही है। सम्पूर्ण मेरठ मण्डल में शिक्षित जनसंख्या का प्रतिशत 31.8 है जिसे देखते हुए विदित होता है कि नव सृजित जनपद में प्रदेश के अन्य भागों की अपेक्षा नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्र दोनों में साक्षरता अधिक है। मेरठ मण्डल मेरठ में अन्य जनपदों की तुलना में भी इस जनपद में साक्षरता का प्रतिशत अधिक है। पूरे उत्तर प्रदेश में भी शिक्षित जनसंख्या 27.38 ही हुई है।

2.12 <u>वितरण</u>:- अर्थशास्त्रियों के अनुसार किसी भी स्थान की जनसंख्या का व्यवसायिक विभाजन वहाँ के आर्थिक विकास के स्तर का निर्देशक होता है। साधारणतया जैसे-जैसे [illegible] का आर्थिक विकास होता जाता है। वहाँ की जनसंख्या का व्यवसायिक परिवर्तन प्राथमिक (प्राइमरी) से परोक्ष

सैकेन्डरी तथा परोक्ष से तृतीय उद्योगों में होता जाता है इसलिए अर्द्ध विकसित राष्ट्रों की अधिकांश जनसंख्या का व्यवसायिक आधार कृषि होता है । बहुत बड़ी जनसंख्या निर्माण उद्योगों या सेवाओं में कार्यरत पाई जाती है । जहां तक विकसित राष्ट्रों की जनसंख्या के व्यवसायिक विभाजन का प्रश्न है । स्थिति अर्द्ध विकसित राष्ट्रों से बिल्कुल विपरित होती है ।

2.13 भारत वैसे तो एक विकासशील राष्ट्र है उसमें भी उत्तर प्रदेश एक अविकसित प्रान्त है । इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी । अगर इसकी जनसंख्या कृषि सम्बंधी कार्य करती है । जनपद गाजियाबाद की जनसंख्या का भी आर्थिक कार्य कलाप प्रदेश के अन्य गांवों जैसा ही है । विभाजित व्यवसायों में कृषि ही का बोलबाला है । वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार जिले में कर्मकरों की कुल संख्या 510 हजार है जिसमें से 12.45 % जनसंख्या कृषि उद्यम में लगी हुई है 12.58 प्रतिशत मजदूर है तथा 49.27% जनसंख्या अन्य कार्यकलापों में लगी हुई है । निम्न तालिका में विभिन्न प्रमुख आर्थिक कार्य कलापों के अनुसार कर्मकरों का प्रतिशत विवरण दिया जा रहा है ।

तालिका

आर्थिक वर्गानुसार कर्मकरों का प्रतिशत विवरण

क्षेत्र	1981 की जनगणना अनुसार		
	कृषक	कृषक श्रमिक	अन्य श्रमिक कर्मकर
1	2	3	4
जनपद-गाजियाबाद	32.50	12.45	50.22
जनपद- मेरठ	48.07	23.42	21.11

2.14 उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि जनपद गाजियाबाद में प्रदेश की अपेक्षा कृषि कार्यकलापों में जनसंख्या कम लगी है । इसी प्रकार जिले में प्रदेश की तुलना में लगभग 25 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या उद्योग धन्धों में अधिक लगी हुई है । मेरठ जनपद की तुलना में गाजियाबाद जो इस जनपद की सीमा से मिला हुआ है, में ज्यादा व्यक्ति कृषि कार्यों में लगे हुए है । परन्तु अगले वर्षों में जनसंख्या का कृषि कार्यों पर भार कम होता जा रहा है जैसा कि जनपद में औद्योगिकरण तीव्र गति से बढ रहा है।

2.15 समाज का कमजोर वर्ग:- पंचम पंचवर्षीय योजना एवं षष्टम पंचवर्षीय योजना के मुख्य उद्देश्यों में समाज के कमजोर वर्ग की आर्थिक उन्नति करना भी सम्मिलित था हमारी वर्तमान योजना में भी सातवी पंचवर्षीय योजना में भी इस पर बल दिया गया है । इसलिए इस वर्ग की जनसंख्या में अनुपातिल अध्ययन करना आवश्यक हो गया है । क्योंकि केन्द्रीय सरकार जो भी योजनाए चला रही है । उसमें कमजोर वर्ग की आर्थिक उन्नति के लिए अत्यधिक बल दे रही है और इस वर्ग के अनुपात में ही आर्थिक सहायता दे रही है । वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार इस जिले में अनुसूचित जाति/जनजातियों की कुल जनसंख्या 363 हजार थी जो कुल जनसंख्या का 19.70 प्रतिशत आता है ।

2.16 जनसंख्या में वृद्धि का विकास कार्यों तथा आर्थिक संसाधनों पर प्रभाव:- जनपद की बढती हुई आबादी विकास कार्यों तथा आर्थिक संसाधनों पर बहुत प्रभाव डाल रही है । विभिन्न योजानाओं में खाद्यान्न उत्पादन बढाने हेतु कृषि विकास में काफी नये-नये प्रयोग किये जा रहे हैं । मुख्यत: शुद्ध सिंचित क्षेत्र में उर्वरकों के वितरण में वृद्धि लाने के लिये योजनायें विभिन्न स्तरों पर बनाई जा रही है ।

अध्याय:- 3

अन्तर्जनपदीय एवं अन्तर्विकास खण्डीय विषमतायें:- विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली का एक प्रमुख उद्देश्य विभिन्न जनपदों में और जनपदों के अन्दर विभिन्न विकास खण्डों में विकास स्तर में व्याप्त विषमताओं को दूर करना है । और इसी उद्देश्य की प्राप्ती हेतु जिला सैक्टर हेतु आरक्षित परिव्यय का आवंटन जनसंख्या तथा कतिपय विकास संकेत को में पिछड़ेपन के वस्तुपरक मानक के आधार पर किया जाता है । ताकि समग्र रूप से पि, छड़े जनपदों को अपना विकास करने के लिए परिव्यय का न्यायोचित भाग उपलब्धि हो सकें ।

3. । जनपद गाजियाबाद की जनसंख्या के आधार पर मण्डल में पांचवा स्थान है अनुसूचित जाति की जनसंख्या के मानक के अनुसार इस जनपद को अधिक धान दिया जाना चाहिये क्योंकि इस जनपद में पिछड़े वर्ग व अनुसूचित जाति के लोग आधिक निवास करते है । जिसके कारण विकास की गति अन्य जनपदों की अपेक्षा धीमी रही है । जनपद का क्षेत्र के आधार पर पांचवा स्थान है । 1.4 वर्ग कि0मी0 1000 जनसंख्या निवास करती है । तथा 712 प्रति वर्ग कि0मी0 जनसंख्या का है । घनत्व के आधार पर जनपद का स्थान मण्डल में प्रथम है । साक्षरता की दृष्टि से जनपद का मण्डल में द्वितीय स्थान है । जो कि कुल जनसंख्या का 36.0 प्रतिशत है जिसमें पुरूष 49.00 प्रतिशत तथा स्त्री 21.00 प्रतिशत है । इस प्रकार स्त्री साक्षरता बहुत कम है । जनसंख्या वृद्धि इस जनपद की 1971 के अनुसार वर्ष 1981 में 35.88 प्रतिशत है । जनपद में कुल कृषा 16576। एवं कृषक मजदूर 63494 है ।

3.2 कृषि:- जनपद की फसल सघनता 16.0 है । शुद्ध बोये जाने वाले दो फसली क्षेत्र वर्ष 86-87 में 12571। हैक्टयर है तथा सकल बोया गया क्षेत्रफल 313122 हैक्टयर है , बोया जाने वाला क्षेत्रफल रबी में 139555 तथा खरीफ में 161688 हैक्टयर तथा जायद में 11840 हैक्टयर है । इस जनपद में खरीफ में अधिकक्षेत्र बोया जाता है इस जनपद में खाद्यान उत्पादन की फसलें अधिक बोयी जाती है । गेंहू 107569 हैक्टयर धान 8955 हैक्टयर मक्का 38916 हैक्टयर बाजरा 13075 हैक्टयर दालें

49247 हैक्टयर तिलहन 3483 हैक्टयर तथा आलू 5887 हैक्टयर में वर्ष 1986-87 में बोया गया था। प्रति व्यक्ति खाद्यान उत्पादन वर्ष 1986-87 में 331.9 कि0ग्रा0 रहा तथा रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग 116.7 कि0ग्रा0 प्रतिहैक्टयर है। शुद्ध सिंचित क्षेत्रों का शुद्ध बोये गये क्षेत्र कगये क्षेत्र का 96.1 प्रतिशत है तथा सकल सिंचित क्षेत्र का शुद्ध सिंचित क्षेत्र का 15.3 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल 0.102 हैक्टयर है। सकल बोया गया क्षेत्रफल 0.170 हैक्टयर शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल प्रतिवेदित क्षेत्रफल का 72.5 प्रतिशत है वनों का क्षेत्रफल इस जनपद में 0.99 प्रतिशत है सार्वजनिक निर्माण विभाग की सड़कों की लम्बाई 27.2 कि0मी0 प्रति 100 वर्ग कि0मी0 में है प्रति लाख जनसंख्या पर सार्वजनिक निर्माण विभाग संधृत सड़कों की लम्बाई 54.5 वर्ग कि0मी0 है। इस जनपद में वर्ष 87-88 96.3 प्रतिशत ग्रामों को विद्युतीकृत किया जा चुका है। प्रति लाख जनसंख्या पर 12.8 डाक घर तथा 0.9 तारघर इस जनपद में है प्रति लाख जनसंख्या पर 12.8 डाक घर तथा 0.9 तारघर इस जनपद में है प्रति लाख जनसंख्या पर 47.3 जूनियर बेसिक स्कूल सीनियर बेसिक स्कूल 9.8 तथा हायर सेकेन्डरी स्कूल 6.7 स्थित है इस जनपद में कुल पशुओं की संख्या 7077.9 तथा कुल पशु सेवा केन्द्र 59 है। बैंक शाखाओं की संख्या 190 है तथा प्रति व्यवसायिक बैंक 8013 की जनसंख्या पड़ती है।

3.4 विकास खण्डवार विषमताओं का पता लगाकर ही सफल नियोजन हो सकता है जनपद के विकास खण्डों में वर्तमान विकास स्तर और उपलब्ध सेवाओं/सुविधाओं की तुलनात्मक स्थिति का एक विवरण योजना के अन्त में परिशिष्ट आठ(8) पर संलग्न है कुछ आर्थिक कार्यकलापों के अनुसार विकास खण्ड वार प्रगति निम्न है।

3.5 <u>आर्थिक कार्यकलाप:-</u> कृषि के क्षेत्र में फसल सघनता बिसरख, गढ़मुक्तेश्वर सिम्भावली में अन्य विकास खण्डों की अपेक्षा कम है इस विषमता को दूर करना आवश्यक है। ताकि कृषि उत्पादन बढ़ाया जा सके। नगद फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल बहुत कम है विकास खण्ड लोनी, बिसरख, दादरी में अन्य विकास खण्डों की अपेक्षा नगद फसलें कम बोयी जाती है इन विकास खण्डों में इस क्षेत्र की वृद्धि आवश्यक है।

3.6 <u>उर्वरकों का उपयोग:-</u> रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग सभी विकास खण्डों में किया जा रहा है। लोनी, बिसरख तथा धौलाना में उर्वरक कम

प्रयोग किया जाता है । इन विकास खण्डों में उर्वरक प्रयोग बढ़ाना पड़ेगा ताकि उत्पादन बढ़ सकें । सबसे अधिक उर्वरक प्रयोग विकास खण्ड हापुड़ में किया जाता है ।

3.7 सिंचाई:- शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का 91.7 भाग में सिंचाई की जाती है सिंचित क्षेत्र का 31.6 प्रतिशत नहरों के अन्तर्गत है । तथा शेष नलकूपों द्वारा 66.5 तथा 1.9 छोटे-छोटे व्यक्तिगत साधनों से किया जाता है । सिंचाई सकल बोये गये क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत होती है । कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल प्रति परिवार लगभग 0.6 हैक्टेयर है इससे स्पष्ट है कि केवल कृषि उत्पादन से ग्रामीण क्षेत्र में जीविका उपार्जन नहीं हो सकता है अत: अन्य साधन भी जुटाने की आवश्यकता है इस जनपद में वन का क्षेत्रफल भी बहुत कम है जो कि कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल एक प्रतिशत विकास खण्ड दादरी, रजापुर, धौलाना तथा सिम्भावली में 50 हैक्टेयर से कम वन है । अर्थात नगन्य वन क्षेत्र है सबसे अधिक वन गढ़मुक्तेश्वर, तथा बिसरख ब्लाक में है । ऊसर और कृषि के योग्य भूमि 9057 हैक्टेयर है । यह सबसे अधिक क्षेत्र विकास खण्ड धौलाना, गढ़मुक्तेश्वर तथा दादरी में है । इस क्षेत्र में कृषि योग्य बनाये जाने के लिए नियोजन की आवश्यकता है ।

3.8 अवस्थापनाएं:- जनपद में पक्की सड़कें मण्डल में अन्य जनपदों की अपेक्षा अधिक है । प्रति लाख जन संख्या पर पक्की सड़कें रजापुर, हापुड़ सिम्भावली तथा बिसरख में अपेक्षाकृत अन्य जनपदों के से कम है । जब कि सबसे अधिक पक्की सड़कें भोजपुर में है । विकास खण्ड हापुड़ रजापुर, सिम्भावली तथा बिसरख में पक्की सड़कें बनाई जानी चाहिये जिससे अन्य जनपदों की तुलना में बराबर है । सकें । डाकघर तथा तारघर की स्थिति इस जनपद में अच्छी नहीं है । क्योंकि विकास खण्ड गढ़मुक्तेश्वर हापुड़, भोजपुर, धौलाना, मुरादनगर तथा दादरीमें ग्रामीण क्षेत्र में कोई तारघर नहीं है प्रति लाख जनसंख्या पर जनपद का औसत 0.9 है जो बहुत कम है । डाकघरों का औसत जनपद प्रति लाख जन संख्या पर 12.8 है इस प्रकार संचार व्यवस्था में काफी विकास की आवश्यकता है ।

3.9 सामाजिक सेवायें:- शिक्षा के क्षेत्र विकास खण्ड मुरादनगर में 81.3 भोजपुर में 86.7 लोनी में 79.6, बिसरख 70.9 प्रति. लाख जनसंख्या पर जूनियर बेसिक स्कूल है न्यूनतम विकास खण्ड दादरी में 48.5 विकास खण्ड सिम्भावली तथा रजापुर 55.6, धौलाना में 53.3 प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर बेसिक स्कूल है । सीनियर बेसिक स्कूल मुरादनगर में 16.7 गढमुक्तेश्वर में 14.3 एवं रजापुर में 12.4 प्रति लाख जन-संख्या पर है । दूसरी और विकास खण्ड सिम्भावली में 7.1 दादरी में 8.4 धौलाना में 8.7 एवं हापुड़ मे 9.1 प्रति लाख जनसंख्या पर सीनियर बेसिक स्कूल है । इसी प्रकार हायर सैकेन्डरी स्कूल लोनी तथा बिसरख में 10.4 तथा मुरादनगर 9.4 प्रति लाख जनसंख्या पर है । विकास खण्ड भोजपुर में 1.7, गढ़ मुक्तेश्वर में 4, सिम्भावली में 4.7 दादरी में दादरी में 5.1 तथा धौलाना में 5.2 प्रति लाख जनसंख्या पर हायर सैकन्डरी स्कूल है । अत: उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में भारी विषमता है ।

3.10 पशुधन विकास:- विकास खण्ड हापुड़ में 15, गढ़मुक्तेश्वर 8, सिम्भावली 6, पशुधान विकास केन्द्र तथा कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र एवं उप केन्द्र हैं जबकि दादरी में 3, रजापुर 4, बिसरख एवं मुरादनगर 5 तथा धौलाना में 6 कृत्रिम तथा गार्भधान एवं उप केन्द्र हैं । इस प्रकार इन विकास खण्डों में जहां कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र कम है वहां यह विषमता दूर होनी चाहिये ।

बैंक:- इस जनपद में ग्रामीण बैंक अभी तक स्थापित नहीं हैं यहां पर राष्ट्रीकृत बैंक हैं प्रति बैंक शाखा पर औसतन 14114 जनसंख्या आती हैं । यह औसत भोजपुर में 3264, हापुड़ 26613 तथा सिम्भावलद 21266 है जो कि अन्य विकास खण्डों की तुलना में अधिकहै । दूसरी ओर विकास खण्ड बिसरख में 6279, रजापुर में 8708, लोनी में 12376 की जनसंख्या है जो अन्य विकास खण्डों की अपेक्षा कम है । इस प्रकार विकास खण्ड भोजपुर, हापुड़ में अधिक बैंक शाखा खोलने की आवश्यकता है ।

3.11 जनसंख्या सम्बन्धी विवरण:- जनसंख्या का घनत्व विभिन्न विकास में पृथक है । 1981 की जनगणना के अनुसार सबसे अधिक घनी आबादी वाले विकासक्षेत्र सिम्भावली तथा भोजपुर 619 जनसंख्या प्रति वर्ग कि.मी. के हैं । न्यूनतम घनत्व 12 विकास खण्ड बिसरखा तथा गढ़मुक्तेश्वर 376 जनसंख्या प्रति वर्ग कि0मी0 के है । जनसंख्या वृद्धि 1971-81 में विकास खण्ड दादरी में सबसे अधिक 53.88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । इसके दूसरी ओर विकास खण्ड लोनी में 4.65 प्रतिशत वृद्धि सबसे कम हुई है । साक्षरता का प्रति% विकास खण्ड मुरादनगर 37, रजापुर में 33 लोनी में 32 तथा बिसरखा में 31 प्रति% हैं । अन्य विकास खण्डों में साक्षरता गढ़मुक्तेश्वर, धौलाना 26, सिम्भावली में 27, भोजपुर में 28 है । इस प्रकार विकास खण्ड मुरादनगर को छोड़कर साक्षरता प्रति% सबसे अधिक मुरादनगर 50 तथा सिम्भावली में स्त्रियों की साक्षरता 10 सबसे कम है । इस प्रकार 1981 देखने को मिलती है ।

3.12 अनुसूचित जाति तथा जनजाति:- अनुसूचित जाति जनजाति के प्रति% में विकास खण्डवार जनसंख्या में विषमता काफी है । सर्वाधिक अनुसूचित जाति/जनजाति विकास खण्ड हापुड़ में निवास करती है । जो 52893 दूसरी ओर अनुसूचित जाति/जनजाति की जनसंख्या विकास खण्ड मुरादनगर सबसे कम है । जो 1738 है इस प्रकार पिछड़े वर्ग के कार्यक्रम में हापुड़ को प्राथमिकता मिलनी चाहियें ।

इस जनपद में कुल श्रमकरों में मुख्यत: कृषक है 1981 की जनगणना के अनुसार विकास खण्ड धौलाना में कृषि में लगे हुये श्रमकर 80 प्रतिशत हैं न्यूनतम कृषिकों का प्रतिशत विकास खण्ड लोनी में मुख्य श्रमकरों का कृषि में लगें श्रमकरों से 49 प्रतिशत है ।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि कृषि कार्यक्रम विकास खण्ड लोनी में अधिकविकास करने पर भी जोर देने की आवश्यकता हैं ।

अध्याय-4

जिला योजना के उद्देश्य, रणनीति एवं प्राथमिकतायें:- जिले में उपलब्ध संसाधन के अनुसार नयी अवस्थापनाएं सृजित की गई जिससे जिले की उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई है परन्तु उनका मूल्यांकन या उनकी सम्पूर्ण क्षमता का उपयोग प्रादेशिक एवं केन्द्रीय स्तर पर बनाई जाने वाली योजनाओं द्वारा नहीं किया जा सकता । इस लिये विशिष्ट स्थानीय, क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं को साकार करने एवं स्थानीय पहल शक्ति सम्भव क्षमता, योग्यता तथा स्थानीय संसाधनों से अधिक लाभ उठाने के लिये नियोजन प्रणाली का विकेन्द्रीकरण किया गया । चूंकि विकेन्द्रिकरण ही ऐसी प्रणाली है जिससे यह जिला अपनी आवश्यकताओं एवं विकास की परिस्थितियों को दृष्टिगत करतें हुये विकास की सम्भावनाओं के अनुकूल स्थानीय संसाधनों एवं क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग स्वयं अपने विवेकानुसार कर सकने में सक्षम हैं । इससे निम्न उद्देश्यों की पूर्ति की जा सकती है ।

4.1 जनपद में बनने वाली योजनाओं का लाभ जिले में रहने वाले सभी निवासियों को समानता के आधार पर प्राप्त होगा जिससे अन्तर विकास खण्डवार विषमताओं का निराकरण किया जा सकेगा ।

4.2 स्थानीय भौतिक तथा मानवीय संसाधनों का अधिकतम तथा सर्वोत्तम उपयोग ही जनपद के आर्थिक विकास में सहायक होगा जिससे आय एवं रोजगार देने में वृद्धि होगी ।

4.3 विकास, सामाजिक न्याय केसाथ ही इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु यह भी देखना होगा कि विकास के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम ऐसे हो जिनमें रोजगार एवं विकास के नये नये अवसर प्राप्त हो तथा उनका लाभ विशेष रूप से समाज के पिछड़े वर्ग को प्राप्त होगा ।।

4.4 भूमि, पशुधन, लघु एवं कुटीर उद्योगों की उत्पादकता की वृद्धि जैसे कार्यक्रमों से मिलने वालें लाभ का अधिकांश भाग समाज के दलित वर्ग, छोटे किसान, भूमिहीन कृषक तथा ग्रामीण उद्यमियों को मिलेगा

जैसे प्राथमिक तथा प्रौढ़ शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, पेयजल, ग्रामीण सड़के ग्रामीण विद्युतीकरण, निर्बल वर्ग हेतु आवास एवं पुष्टाहार आदि

4.5 ऐसे सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थापनाओं का निर्माण किया जायेगा जिससे उपरोक्त तथ्यों की पूर्ति हो सकें ।

4.6 अवस्थित अवस्थापनाओं/संस्थाओं को इस ~~प्रक~~ प्रकार पुनर्गठित किया जायेगा जिससे कि गरीबों के हितों की रक्षा की जा सकें ।

4.7 रोजगार के अधिक अवसरों को उपलब्ध कराने हेतु उक्त दलित वर्ग भूमिहीनों, ग्रामीण, उद्यमियों को विभिन्न प्रशिक्षण द्वारा विकासित किया जायेगा ।

4.8 रोजगार के ऐसे अवसरों का सृजन किया जायेगा जिनमें उक्त दलित वर्ग के भूमिहीनों, ग्रामीण उद्यमियों छोटे कृषकों का रोजगार के आर्थिक अवसर प्राप्त हो जाये ।

<u>रणनीति एवं प्राथमिकताएं:-</u> गत वर्षों के में बनाई जाने वाली योजना की तुलना में इस वर्ष की योजना कुछ ~~भिभ~~ भिन्न अवश्य होगी परन्तु अपने में बहुत महत्वपूर्ण भी होगी क्योंकि अभी तक जिला योजना जिला सेक्टर में वर्गीकृत योजनाओं एवं जिला सेक्टर परिव्यय तक ही सीमित थी परन्तु इस वर्ष की योजना में न केवल जिला सेक्टर योजनाओं का समावेश होगा । ताकि जिले में चल रहे अन्य कार्यक्रमों चाहे वे राज्य सेक्टर में पोषित हों । अथवा केन्द्र सेक्टर या अन्य सेक्टर से का भी समावेश किया । इस लिये जनपद की परिस्थितियों एवं विकास के संसाधनों को व्यक्तिगत रखतें हुये शासन द्वारा स्वीकृत मानकों को आधार मानकर ऐसी रणनीति अपनायी गई हैं । जिससे कि जिले में चल रही सभी योजनाओं की पूर्वता बनी रहे तथा प्राथमिकता के आधार पर सभी क्षेत्रों में क्षेत्रीय विषमताओं का निराकरण किया जा सकें । ये निम्न प्रकार है ।

1- चालू कार्यक्रमों/परियोजनाओं के लिये आगामी वर्ष का अनुमानित व्यय ।

2- चालू कार्यक्रमों/योजनाओं में अपरिहार्य विस्तार तथा उस पर होने वाला व्यय ।

3- केन्द्र द्वारा पुरोनिधारित योजनाऐं अथवा ऐसी अन्य योजनाओं के हेतु निर्धारित अंश जो प्रशासकीय विभाग स्वीकृत करें ।

4- अधूरे कार्यों को पूर्ण कराने हेतु किया जाने वाल व्यय ।

वर्ष 90-91 की जिला योजना को तैयार करते समय निम्न तीन उद्देश्यों को ध्यान में रखा गया है ।

1- उत्पादन में वृद्धि

2- बेरोजगारी को दूर करना

3- गरीबी को दूर करना

4- अवस्थापना में सुविधायें- उपलब्ध कराना ।

4.10 उत्पादन में वृद्धि:- जिला योजना वर्ष 90-91 का प्रथम मुख्य उद्देश्य कृषि, उद्योग, मत्स्य पालन, पशुधन विकास आदि में उत्पादन को बढ़ावा देना है । दूसरी ओर जनसंख्या की वृद्धि हेतु रोकने का प्रयास किया जाना है तभी उत्पादन का लाभ मिल सकता है ।

4.11 खाद्यान्न उत्पादन:- वर्ष 1985-86 से खाद्यान्न उत्पादन 428956 मी0टन हुआ है । इस उत्पादन को वर्ष 1989-90 तक 500000 मी0टन करना है । तिलहन उत्पादन वर्ष 1985-86 में 3204 मी0टन तथा नगद फसलों के अन्तर्गत उत्पादन 2173274 मी0टन है इस उत्पादन को बढ़ाकर तिलहन 5000 मी0टन तथा नगद फसलों को बढ़ाकर 2500000 मी0टन करना है । इस क्षेत्र को बढ़ाने हेतु कृषि पद्धति में परिवर्तन करना होगा । अच्छे किस्म के बीज एवं यन्त्र द्वारा जुताई का प्रयोग करना पड़ेगा । रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग प्रति हेक्टयर बढ़ाना होगा । बहु फसली क्षेत्र हेतु कृषकों को प्रोत्साहित करना है जनपद की फसल सघनता 169 प्रति% है परन्तु इसको और बढ़ाया जा सकता है कृषि उत्पादन हेतु बैंक शाखाओं की और आवश्यकता है क्योंकि ऋण के साधनों का विकास भी आवश्यक हैं बायो गैस संयन्त्रों की भी वृद्धि की जानी चाहिये ताकि कम्पोस्ट खाद की उपलब्धता हो सके । कम्पोस्ट खाद कृषि उत्पादन में बहुत सहयोग प्रदान करता है । इस खाद का प्रयोग करने हेतु कृषकों को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ग्रामीण अंचल में गोबर को खाद हेतु खुले रूप में ढेर बनाकर डाल दिया जाता है इस प्रथा को समाप्त करना चाहियें । इससे दो लाभ मिलेगें एक तो गांव की गन्दगी कम होगी तथा गड्ढे में कूड़ा करकट गोबर भी डाल कर खाद के रूप में प्रयोग करने पर खुले हुये ढेर से खाद में अधिक तत्व प्राप्त होगें । ऐसा करने से निश्चय ही कृषि उत्पादन कार्य को आगे बढ़ा सकेगें ।

4.12 <u>पशुपालन:-</u> इस जनपद में पशुपालन का कार्य मुख्यतः कृषि कार्य के साथ किया जाता है इस जनपद में 1982 की पशुगणना के अनुसार दूध देने वाली गायों की संख्या 42430 तथा दूध देने वाली भैंसों की संख्या लगभग 2.13 लाख है । बकरी तथा भेड़ों की संख्या 38593 है इस जनपद में दुग्ध सहकारी समितियां 170 है जनपद में लगभग 14.20 लाख लीटर दूध उत्पादन प्रति वर्ष किया जाता है । यह जनपद देश की राजधानी देहली के निकट होने के कारण दूध को देहली भी भेजते हैं कुछ लोग अपने भविष्य का उपार्जन करते हैं इस दूध उत्पादन में प्रोत्साहन और बढ़ावा देना चाहिये । दूध विकास हेतु जनपद में अनुकूल सुविधा उपलब्ध है ।

4.13 <u>मत्स्य उत्पादन:-</u> यहां पर कोई भी राजकीय जलाशय ऐसा नहीं है जहां मछली का उत्पादन किया जाता है । इस जनपद में निजी क्षेत्र में तालाब है जहां मछली का उत्पादन होता है । वर्ष 1986-87 में 26 कुन्टल मछलियों का उत्पादन हुआ है । मत्स्य उत्पादन का विकास करना आवश्यक है । इससे उत्पादन से खाद्य समस्या का भी काफी हल निकलता है ।

5. सूकर उत्पादन एवं कुक्कट उत्पादन हेतु भी प्रभावी योजना की आवश्यकता <u>है:-</u> इसके विकास से जनपद की आर्थिक स्थिति में सहयोग होगा जनपद में कुल सूकर संख्या 28243 है तथा कुक्कट की संख्या 6449। है ।

4.14 <u>उद्योग:-</u> जनपद गाजियाबाद औद्योगिक दृष्टि से प्रदेश में अपना एक स्थान रखता है अविभाजित जनपद मेरठ का जो भाग जनपद गाजियाबाद के गठन के लिए लिया गया उसमें पहले ही से औद्योगिक विकास गत दो दशकों में बड़ी तेजी से हुआ था । गाजियाबाद, हापुड़, मोदीनगर मुरादनगर, पिलखुवा तथा साहिबाबाद ऐसे औद्योगिक क्षेत्र हैं जहां औद्योगिक इकाईयां काफी अधिक संख्या में पायी जाती है । जनपद राजधानी देहली के निकट है तथा प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र में उचित सुविधायें अधिष्ठियों को उपलब्ध करायी है इस कारण औद्योगिक विस्तार की गति अपेक्षा से अधिक रही है । वर्ष 1985-86 की स्थिति के अनुसार 872 औद्योगिक इकाईयां कारखाना अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत थीं । इनमें से 85 वृहत औद्योगिक इकाईयां तथा 787 मध्यम एवं लघु इकाईयां थी । इनमें लगे

पूंजीगत धन का अनुमान लगभग 300 करोड़ रुपया था इनके द्वारा उत्पादन मूल्य 111.0 करोड़ रुपया था ।

4.15 इस जनपद में दो बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान राजकीय क्षेत्र में है । यह दोनों प्रतिष्ठान सेन्ट्रल इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड तथा भारत इलेक्ट्रोनिक्स लि० साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है इनके द्वारा छः हजार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है । जनपद में दो चीनी मिल मोदी नगर तथा सिम्भावली में स्थित है एक चीनी मिल धौलाना में निर्माणाधीन है । जनपद में इनके अतिरिक्त सिम्भावली चीनी मिल के साथ शराब का कारखाना भी है जनपद में प्रमुख औद्योगिक वर्गीकरण के अनुसार कार्य कर रहीं इकाईयों की संख्या निम्न प्रकार है :-

1- इन्जिनियरिंग तथा तत्सम्बंधित इकाईयां	160
2- रसायन एवं औषधालयों सम्बंधित	137
3- इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रोनिक्स	63
4- टेक्सटाईल एवं कपड़ा उत्पादन	330
5- विविध प्रकार	182

4.16 उपरोक्त औद्योगिक इकाईयों से इस जनपद में काफी जन संख्या को रोजगार मिल रहा है ।

7- बेरोजगारी दूर करना:- प्रदेश में रोजगार सुलभ कराने के लिए सामान्य शिक्षा, कृषि शिक्षा विभिन्न प्रकार की अभियन्त्रण शिक्षा पशु एवं जन चिकित्सा शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा एवं व्यापारिक समाधान में अपना योगदान दे रहीं है । अनुभव किया जा रहा है कि सामान्य शिक्षा के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी बेरोजगारी की समस्या सामने आ रही है । पशु चिकित्सकों को यदि बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है तो इनका मुख्य कारण यह है कि वे अभी निजी चिकित्सालय खोलने का साहस कर नहीं पा रहे है । जन चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में जाना नहीं चाहता है । अन्यथा चिकित्सकों के लिए अभी रोजगार की कमी नहीं है । प्राविधिक शिक्षकों को भी बेरोजगारी का सामना कुछ समय के लिए करना पड जाता है । जिसका मुख्य कारण यह है कि जितने

व्यक्ति प्रशिक्षित होते है उतने रोजगार के अवसर उसी समय निर्मित नहीं हो पाते हैं, प्रावैधिक शिक्षा भी इस प्रकार की है कि शिक्षा संस्था छोड़ने के बाद वे अपना निजी कार्य प्रारम्भ करने योग्य नहीं होते है । साथ ही उनके पास साहस और धन का भी अभाव होता है ।

4.17 ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारियों दूर करने के उद्देश्य से सरकार ने जिला उद्योग केन्द्रों का प्रत्येक जनपद में स्थापना की है । जिसके माध्यम से लघु व कुटीर उद्योगों का विकास किया जा रहा है इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा लघु व कुटीर उद्योगों के समग्र विकास के लिए कुछ क्षेत्रों को ग्रोथ सेंटर के रूप में चुना है । गाजियाबाद जनपद में तीन ग्रोथ सेंटर चुने गये है । जिनमें मुरादनगर, गढ़मुक्तेश्वर, व दादरी है इन क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्योग धन्धों स्थापित करने वाले को विशेष सुविधायें दी जाती है ग्रामीण कुटीर उद्योगों के विकास के लिए भी जनपद में कम्पोजिट लोन स्कीम भी चला जा रही है जिसमें 50000रूपये तक ऋण मशीन व कार्यशील पूंजी के लिए उत्तर प्रदेश वित्त विकास निगम के माध्यम से सस्ते ब्याज दर पर दिया जा रहा है ।

4.18 केन्द्रीय सरकार ने प्रान्तों में छोटे-छोटे कृषकों व दस्तकारों की उन्नति के लिए एकीकृत ग्राम्य विकास योजना गत 5 वर्षों से शुरू है । यह योजना अब पूरे प्रदेश के हर ब्लॉक में लागू कर दी गई है । इस योजना के अन्तर्गत लक्ष्य वर्ग की 2-3 वर्षों में एक पैकेट आफ प्रोग्राम देकर इन्हे पूर्ण रोजगार के साधन उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना है । जिससे वे गरीबी की रेखा से ऊपर उठ सकें । इसके अतिरिक्त ग्रामीण नवयुवकों को स्वत: रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ट्रेनिंग परियोजना (ट्राइसेम) भी एकीकृत ग्राम्य विकास योजना के अन्तर्गत ही चलाई जा रही है । इस योजना के अन्तर्गत प्रति विकास खण्ड प्रति वर्ष 40 नवयुवकों 40 प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है वर्ष 1987-88 के अन्ततक इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक नवयुवकों को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित बैंकों से ऋण उपलब्ध कराकर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई । वर्ष 1988-89 में 8 लाख प्रति विकास खण्ड परिव्यय निर्धारित किया गया है । जिसमें से 50 प्रतिशत केन्द्रीय सरकार वहन करेगी 50 प्रतिशत जिला सेक्टर के अन्तर्गत आवंटित- - - - -- ---- - - ---

-- --

धान राशि में से दिया जायेगा स्वतः रोजगार कार्यक्रम में जनपद में 400 नवयुवकों को प्रति वर्ष प्रशिक्षित कर रोजगार दिये जाने का प्रस्ताव रहा है ।

4.19 उपरोक्त विवरण स्पष्ट है कि शासन द्वारा बेरोजगारी दूर करने के भरसक प्रयास किये जा रहे हैं, अनुसूचित जाति के परिवारों को विशेष समिति योजना द्वारा ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में पूंजी रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं । जनपद गाजियाबाद एक प्रमुख औद्योगिक नगर है यह पर युवकों के प्रशिक्षण के लिए 2 आई0टी0आई0 दुहाई में एवं नोएड़ा में तथा एक महिला आई0टी0आई0 गाजियाबाद में कार्यरत है। पौलीटेक्नीक भी स्थापित है। आशा है कि इन कार्यक्रमों से काफी हद तक बेरोजगारी दूर हो सकेगी।

4.20. <u>गरीबी दूर करना:-</u> प्रदेश से गरीबी को दूर करने के लिये सरकार का दृढ़ संकल्प है। पिछड़े समुदाय के आर्थिक उत्थान के लिये जनपद में विभिन्न योजनाएं कार्यरत है जैसे कि शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्ति देने की योजना, निर्बल वर्ग के लोगो के लिये आवास योजना, हरिजन बस्तियों में विद्युतिकरण की योजना, पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की योजना, हरिजन वित्त निगम तथा जिला ग्राम्य विकास एजेन्सी के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों के लिये ऋण उपलब्ध कराना तथा उस पर अनुदान दिये जाने की योजना आदि है। इन सब योजनाओं के होते हुए भी पिछड़े समुदाय का उत्थान उस दर से नही हो पाया है जिस दर से शासन इनके उत्थान के लिये प्रयत्नशील है।

4.21 उपरोक्त कार्यक्रम में जो व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है तथा जिनका आर्थिक स्तर काफी नीचा है उसको दूर करने में काफी मदद मदद मिलेगी जनपद गाजियाबाद की वर्ष 1990-91 की योजना इन सब उद्देश्यों को ध्यान में रखकर तैयार की है।

---0---

अध्याय-5

जिला योजना का वित्त पोषण

5.0 विकास के कार्यक्रमों को चलाने में चाहे वह देश अथवा प्रदेश, जनपद विकास खंडीय स्तर क्यों न हो सबसे अधिक कठिनाई वित्तीय साधनों को जुटाने की होती है । यह समस्या वहां पर और भी जटिल व गम्भीर हो जाती है जहां विकास के लिए संसाधन घरेलू बचत करके जुटाये जाते हैं जिसकी गरीब तथा अविकसित देशों में पहले से ही कमी होती है। इस प्रकार विकास केवल सरकारी क्षेत्र के परिव्यय पर ही निर्भर नहीं करता अपितु अन्य क्षेत्रों से उपलब्ध होने वाले संसाधनों का भी विभिन्न विकास कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान होता है । वर्ष 1982-83 से राज्य में योजना की विकेन्द्रीकरण (जनस्तर स्तर पर) प्रक्रिया शुरू की गई है जिसमें व्यय राज्य सेक्टर तथा जिला सेक्टर योजनाओं के लिये क्रमशः लगभग 70 व 30 प्रतिशत के अनुपात में किया जाता रहा है ।

5.1 अभी तक पूर्व वर्षों में संचरित जिला योजनाओं में विभिन्न श्रोतों से प्राप्त होने वाले संसाधनों को उचित प्रकार से विस्तृत रूप से परिलक्षित नहीं किया जाता रहा है । अतः इस सम्बंध में आठवीं योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 की जिला योजना में जिला सेक्टर के परिव्यय के अतिरिक्त विभिन्न श्रोतों से प्राप्त संसाधनों का भी विवरण दिया जा रहा है जिनमें मद निम्न प्रकार हैं ।

1. मौजूदा उपलब्ध संसाधनों का आंकलन
   - (क) सहकारी समितियां
   - (ख) संस्थागत वित्त
   - (ग) ग्राम पंचायत/ग्राम सभा/अन्य स्वशासी संस्थायें
   - (घ) लोगों की निजी पूँजी
   - (ड) अन्य
2. राज्य सेक्टर योजनाओं से जनपद को प्राप्त अंश
3. केन्द्र द्वारा पुरो निधारित/केन्द्र पोषित योजनाओं का अंश
4. विश्व बैंक/बाहरी संसाधनों द्वारा वित्त पोषित योजनाओं का अंश
5. अन्य

5.2 वर्ष 1990-91 की जिला योजना में प्राप्त आंकड़ो के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है कि जनपद में 13.87 करोड रुपया विकास कार्यों पर व्यय होगा जिसमें लगभग 17.56 प्रतिशत व्यय राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान का होगा । राज्य सरकार से प्राप्त/स्तर से जो धनराशि व्यय की जाती है उसका उपभोग विकास की बडी-बडी योजनाओं के कार्यान्वयन में किया जाता है जिसका लाभ सभी व्यक्तियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में मिलता है । जनपद में वर्ष 1990-91 में जो धनराशि विकास कार्यों के लिये प्राप्त होगी उसका आंकलन निम्न मदों में विभाजित किया गया है ।

तालिका-5.2.1

विभिन्न स्त्रोतो से प्राप्त संसाधन

(लाख रुपये में)

क्र. सं.	संसाधन का नाम	प्राप्त होने वाला परिव्यय	कुल से प्रतिशत
1.	जिला योजना के माध्यम से शुद्ध परिव्यय	1028.76	9.03
2.	राज्य सेक्टर से प्राप्त होने वाला परिव्यय	2000.00	17.56
3.	आई.आर.डी.पी. से प्राप्त अंश	94.75	0.83
4.	जवाहर रोजगार योजना से प्राप्त अंश	370.53	3.25
5.	प्रौढ शिक्षा से प्राप्त अंश	22.16	0.19
6.	ए.आर.पी. स्कीम त्वरित ग्रामीण पेयजल स्कीम में केन्द्रीय अंश	60.00	0.53
7.	संस्थागत वित्त (बैको द्वारा ऋण वितरण)	6500.00	57.10
8.	सहकारिता विभाग द्वारा ऋण वितरण (अंश क व ख के रूप में)	1125.00	9.88
9.	कृषि विभाग द्वारा ऋण वितरण (बीज व खाद के रूप में)	11.00	0.10
10.	अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की योजनाओं में अंशदान	38.00	0.33
11.	केन्द्र पुरो निधानित/बाहरी संस्थाओं द्वारा पोषित ।	105.26	0.93
12.	ग्राम सभाओं का अंशदान	1.64	0.01
13.	अन्य (ग्रामीण आवास परिषद)	30.00	0.26
	योग	11387.10	100.00

5.3 उक्त तालिका 5.2.1 से विदित होता है कि जनपद में विकास कार्यों के लिये सबसे अधिक धन संस्थागत वित्त (व्यवसायिक बैंको द्वारा) वर्ष 1990-91 में धारोषित किया जायेगा जो 65 करोड रूपया होगा। यह धनराशि कुल धनराशि का 57.10 प्रतिशत है। वर्ष 1989-90 में जिला क्रेडिट प्लान के अनुसार बैंको द्वारा 58-26 करोड रूपया का वित्त पोषण किया जायेगा जिससे 75362 लाभार्थियों को लाभ होगा। इसमें कृषि व कृषि से सम्बन्धित पद, लघु व कुटीर उद्योगो की स्थापना, यातायात की सुविधा, व्यापार का विस्तार, शिक्षा, आवासों की सुविधा, कमजोर व गरीबी की रेखा के नीचे रहने वालो को आर्थिक सहायता देकर उनके रोजगार एवं आय में वृद्धि करने का प्रयास होगा। आगामी वर्ष में गत वर्ष की अपेक्षा सुविधाए और अधिक बढाई जायेगी जिसके लिये 7 करोड रू0 का ऋण वितरण करने हेतु अतिरिक्त प्राविधान किया जायेगा।

5.4 संस्थागत वित्त के बाद दूसरा स्थान राज्य सरकार का होगा जिसके स्तर से विकास कार्यों में लगे जिला स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से लगभग 20 करोड रूपया व्यय करने का अनुदान लगाया गया है। यह धनराशि कुल धनराशि का 17-56% है। इस धनराशि से जनपद में बडी 2 योजनाओं जैसे नहर, विद्युत की लाईने बिछाना, राजमार्ग, पुलो का निर्माण आदि कार्यों का कार्यान्वयन होगा। तीसरा स्थान सहकारिता विभाग का आता है जो वर्ष 1990-91 में 11-25 करोड रू0 का ऋण वितरण अंश "क" व "ख" के रूप में अपने सदस्यों को करेगा। अंश "ख" मे सहकारिता विभाग द्वारा बीज, खाद एवं सयन्त्र उपलब्ध कराये जाते है। वर्ष 89-90 में यही विभाग 6-32 करोड का ऋण वितरण कर रहा है।

5-5 चौथा स्थान जिला सेक्टर का आता है जिसमें 10-29 करोड रूपया विकास कार्य हेतु जिला सेक्टर में वर्गीकृत योजनाओं पर व्यय किया जायेगा। विस्तृत विवरण विभाग वार जी0एन0-1 पर तथा योजनाबार/ मदबार विवरण जी0एन0-2 में दर्शाया गया है। जी0एन0-3 में जो कार्य किये जायेगे उनका विवरण दिया गया है।

5.6 समेकित ग्राम्य विकास योजना के अन्तर्गत वर्ष 88-89 में इस कार्यक्रम में वर्गीकृत योजनाओ पर व्यय करने हेतु शासन व्दारा 89-87 लाख रु० की धनराशि स्वीकृत की गई है और इतनी ही धनराशि भारत सरकार व्दारा केन्द्रांश के रूप में प्राप्त होगी। कार्य की महत्ता एवं शासन के मार्ग निर्देशों के अनुसार वर्ष 90-9 1 में यह धनराशि बढाकर 94-75 लाख रु० कर दी गई है जो कुल का 0.83% है। इस धनराशि से 7114 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। 94-75 लाख रु० अर्थात 50% भारत सरकार से भी प्राप्त होगा। क्षेत्रीय कार्यक्रम में जवाहर रोजगार योजना जो पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के नाम से चल रही थी अभी भी चलती रहेगी जिसमें लिये वर्ष 1990-9 1 में 617-55 लाख रु० व्यय होगा जिसमें से 494-04 लाख रु० भारत सरकार से 80% प्राप्त होगा जो कुल का लगभग 4% होगा। इस धनराशि से विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 17-15 लाख मानव दिवसो का सृजन किया जायेगा।

5.7 प्रौढ शिक्षा के अन्तर्गत केन्द्र सरकार ने यह राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया था कि वर्ष 1990 तक 15-35 वर्ष के आयु वर्ग के शत प्रतिशत निरक्षरो को शिक्षित बना दिया जाये। इस कार्यक्रम को इस प्रकार की महत्ता देते हुए न्यूनतम आवश्यकता की मदो में भी सम्मिलित किया गया है अभी तक कुछ जनपदो में यह योजना केन्द्र सरकार से प्राप्त शत प्रतिशत अनुदान पर चलाई जा रही है जिसमें जनपद गाजियाबाद भी सम्मिलित है । परन्तु राज्य राज्य सरकार प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम के विस्तार हेतु महत्ता दे रही है एवं ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजना का विस्तार नायक योजना को जिला सेक्टर में वर्गीकृत कराया है परन्तु साधनो की कमी के कारण जनपद स्तर पर इस योजना के कार्यान्वन में जिला सेक्टर मद में कोई धनराशि प्रावधान नही किया गया है।

वर्तमान में यह कार्यक्रम जनपद के तीन विकास खंडो में चलाया जा रहा है जो क्रमशः लोनी, दादरी व रजापुर विकास खंड है। जिसमें 300 केन्द्र चल रहे है और 9035 प्रति भागी है। परन्तु 90-9 1 में यह योजना केवल 2 ही विकास खंडो में ही चलाई जोगी जो दादरी एवं लोनी होगे। इन दोनो

विकास खण्डो में 300 केन्द्र रहेगें। और 90.00 प्रति भागी का लक्ष्य है जिसमे से 3000 प्रतिभागी अनुसूचित जाति के रहेगे। वर्ष 90-91 में भारत सरकार के सहायता से इस योजना को 22.16 लाख रूपये प्राप्त होगा।

5.8 ग्रामीण प्रेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामों में शुध्द पानी पीने की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हैण्डपम्प लगाये जाते है तथा समूह ग्रामो में नल व्दारा पानी उपलब्ध कराया जाता है। इस कार्य हेतु कुछ अंश ए0आर0पी0 स्कीम त्वरित ग्रामीण प्रेयजल स्कीम के नाम से भारत सरकार जल निगम विभाग को धनराशि केन्द्रीयां केस्प में उपलब्ध कराता है वर्ष 90-91 में इस संदर्भित परियोजना के अन्तर्गत भारत सरकार से 60.00 लाख रू0 की धनराशि मिलने का अनुमान लगाया गया है जो कुल धनराशि का 0.53% है।

5.9 अनुसूचित जाति के परिवारो को लाभान्वित करने हेतु राज्य सरकार व्दारा एक विशेष योजना चलाई जा रही है। जिसे स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान नाम से जाना जाता है। इस योजना के तहत स्वतः रोजगार (ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र) लघु एवं सीमान्त कृषको की भूमि पर निःशुल्क बोरिंग कराना तथा अनुसूचित-जाति के परिवारो को दुकाने निर्मित कराकर उपलब्ध कराना आदि कार्यक्रम सम्मिलित हैं। वर्ष 89-90 में उक्त समस्त योजनाओं हेतु 38.00 लाख रू0 की धनराशि का आवंटन किया गया है जिसमें 1200 परिवारो को स्वंतः रोजगार योजना हेतु अनुदान, 140 बोरिंग एवं 53 दुकाने निर्मित कराने का लक्ष्य प्रस्तावित है। वर्ष 1990-91 में भी यही अनुमान लगाया गया है कि अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम को 38.00 लाख रू0 की धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी। जो कुल धनराशि का 0.33% है।

5-10 कृषि विभाग के व्दारा भी कृषि कार्यक्रम को बढाने हेतु बीज, उर्वरक एवं सयन्त्र उपलब्ध कराये जाते है। वर्ष 1989-90 मे इस विभाग व्दारा 10.00 लाख रू0 की धनराशि व्यय की जायेगी एवं वर्ष 1990-91 में यह धनराशि बढाकर 11.00 लाख रू0 हो जायेगी

इसके अतिरिक्त ग्रामीण आवास [illegible] से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले [illegible] आवास [illegible] हेतु 3,000/- प्रति आवास की दर से ऋण की सुविधा उपलब्ध [illegible] है। वर्ष 1989-90 में जिला सैक्टर योजना से 1000/- प्रति [illegible] से [illegible] के रूप में 34-20 लाख का आवंटित किया गया है [illegible] 34 20 आवास बनाने का लक्ष्य है। वर्ष 1990-91 में [illegible] 1000 आवास [illegible] की ध्यान में रखते हुए ग्रामीण आवास [illegible] के रूप में 20-00 लाखों रु व्यय को उपलब्ध कराया जायेगा।

5-11 जिला सैक्टर योजना में कुछ योजनायें ऐसी हैं जिनमें कुछ प्रतिशत [illegible] में 15, 8, 20 आदि % धनराशि केन्द्र सरकार [illegible] सरकारी संस्थाओं जैसे [illegible], [illegible] द्वारा दी जाती है। केन्द्रीय एवं अन्य संस्थाओं द्वारा [illegible] जनपद को वर्ष 1990-91 में 105-26 लाख रु प्राप्त होने का अनुमान है। जो कुल धनराशि का [illegible] - 93% है।

5-12 [illegible] विकास कार्यों में स्थानीय संस्थाओं जैसे ग्राम पंचायतें भी [illegible] भूमिका निभाती हैं। ग्रामों में पर्यावरण सुधार [illegible] हेतु खडंजो का तथा नालियों का निर्माण कराया जाता है जिसके निमार्ण में ग्राम सभाओं का भी अंश लिया जाता हैं। वर्ष 1988-89 के पूर्व यह अंश ग्राम सभाओं से 50% लिया जाता था परन्तु इसे घटाकर 10% कर दिया गया है। इसका मुख्य कारण है कि ग्राम सभाओं के पास आय बढाने के सिंचित साधन है वर्ष 90-91 में ग्राम सभाओं के माध्यम से जनपद को 1-64 लाख रु प्राप्त होगा।

5/13- जनपद में लघु व बृहद उद्योगो की स्थापना की गई है जिनसे रोजगार के साधन सुलभ हुए है। अविकसित क्षेत्रों का विकास हुआ है। शहरीकरण बढा है। जनपद में कई औद्योगिक क्षेत्र बने है जिसमें मुख्य रूप से नौयडा, साहिबाबाद सैक्टर-4 बुलन्दशहर रोड, मेरठ रोड, जिन्दल नगर सूरजपुर व दादरी क्षेत्र है। इन क्षेत्रों में बडे 2 कारखाने लगे है, जैसे टेलीविजन इलक्ट्रोनिक, भारी वाहनो का निमार्ण दवाईयाँ व अन्य प्रकार के सामानो का निमार्ण किया जाता है।

इसके अतिरिक्त जनपद में दो चीनी मिले है व एक डी0सी0 एवं कपडा मिल भी डासना में चल रही है। मोदीनगर में भी कई प्रकार के उद्योग स्थापित है। इन सभी बडी 2 विभिन्न औद्योगिक ईकाईयों में काफी पूजी का निवेश हुआ है और होता जा रहा है। परन्तु इनके आंकडो के अभाव में वास्तविक आकलन नही हो पा रहा है।

उक्त सभी वार्णित मदो में अतिरिक्त अन्य स्त्रोतो से भी जनपद में वित पोषण हो रहा है परन्तु उनके आंकडे प्राप्त न होने के कारण विवरण नही दिया जा सका है। वैसे वर्ष 1990-91 में 113.87 करोड रु0 से अधिक वित्त योजना होने का अनुमान है इससे जनपद के विकास की गति और तीव्र होगी।

==========

अध्याय -6

जनपद में चल रहे विकास कार्यों का समालोचनात्मक मूल्यांकन एवं प्रस्तावित भावी कार्यक्रम

6-1 विभिन्न विभागों की योजनाओं की संरचना के समय क्षेत्रीय आवश्यकता तथा उपलब्ध संसाधनों का विशेष रूप से ध्यान रखकर गहनता से प्रत्येक योजना का परिनिरीक्षण किया गया है। चूँकि वर्ष 1990-91 आठवीं पंचवर्षीय योजना का प्रथम वर्ष है। शासन के निर्देशानुसार उन योजनाओं/विकास कार्यों पर पूर्व में विनियोजन किया जा चुका है, किन्तु फिर भी कार्य पूर्ण नहीं हुए है एवं उन कार्यों से कोई लाभ अपेक्षित मात्रा में नहीं मिल पा रहा है अथवा अधिष्ठापित क्षमता का पूर्ण उपभोग नहीं हो पा रहा है ऐसे पूर्व विनियोजित धनराशि से अधिकतम लाभ प्राप्त करने एवं कार्यों को पूर्ण करने के लिये सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर जिला योजना में परिव्यय प्रस्तावित किया गया है। ऐसी योजनायें जो सातवीं पंचवर्षीय योजना में पूर्ण करली गई है और वे योजनाये आयोजनागत मद से आयोजनेतर मद में चली गई है उन योजनाओं के लिये इस वर्ष भी योजना में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। परन्तु विभिन्न विभागों की कुछ ऐसी योजनाये है जो पूर्व वर्षों से चली आ रही है। और आठवीं पंचवर्षीय योजना में चालू रहेगी, को आवश्यक समझते हुए परिव्यय का प्रावधान किया गया है।

6-2 अन्य विभागों की कुछ ऐसी योजनाली गई है जिनकी ओर पहले ध्यान नहीं दिया गया था इन्हे - क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर तथा जनआकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये भावी योजनाये सम्मिलित की गई है जो आठवीं पंचवर्षीय योजनाओं में पूर्ण की जा सकेगी।

6-3 चालू योजनाये जिन्हे वर्ष 90-91 में छोड दिया गया है

वर्ष 1990-91 में विभिन्न विभागो की योजनाओं की समीक्षा के आधार पर कुछ चालू योजनाओं में धनराशि प्रस्तावित नहीं की गई है जिसका विवरण निम्नप्रकार है।

1- कृषि विपणन विभाग इस विभाग की योजना "केन्द्र व्दारा पुरो निर्धारित योजनान्तर्गत कृषि उपज के भंडारण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु मण्डी परिषद को अनुदान" को धन वर्ष 1988-89 से आवंटित नहीं किया गया है इसी के आधार पर वर्ष 1990-91 में भी धनराशि प्रस्तावित नहीं की गई है। क्योंकि इस योजना के अन्तर्गत पर्याप्त संख्या में ग्रामीण गोदाम निर्मित किये जा चुके है। आर्थिक दृष्टि से कमजोर मण्डीयों के लिये भूमि व्यवस्था तथा मण्डी के सहायक अनुदान देने की योजना पर भी को धनराशि प्रस्तावित नहीं की गई है। क्योंकि जनपद में साहिबाबाद, हापुड, मुरादनगर, में मण्डीयों का निर्माण पूर्ण हो चुका है अब पिछले वर्षों के भी इस मद में कोई धनराशि नहीं दी गई है।

2- कृषि विभाग :- इस विभाग को "गेहूँ की फसल पर गेहूआ एवं जंगली जई, पारपतवार के नियन्त्रण को केन्द्र पोषित योजना; दलहन विकास की योजना; कपास को योजना आदि जिला योजना में पूर्व वर्षों में चल रही था परन्त सातवी पंचवर्षीय योजना के अन्तिम वर्षो में इन सभी योजनओं को सेक्टर में स्थानान्तरित कर दिया गया है। जिसके कारण जिला योजना में वर्ष 90-91 में कोई परिव्यय प्रस्तावित करने का प्रश्न ही नही उठता है।

3- उद्यान विभाग :- उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 90-91 मे दो या तीन योजनाओं को एक ही योजना मे विलीन कर दिया गया है। इस कारण पूर्व में चल रही योजनाओं के नाम से कोई प्राविधान नही किया गया है। सातवीं पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत सामुदायिक फल संरक्षण के विस्तार एवं पुष्टीकरण को योजना चल रही थी उसका नाम ही आठवी योजना के प्रारम्भ में पुरीरकरण प्रशिक्षण एवं विधायन की योजना का नाम परिवर्तन करते हुए परिव्यय का प्राविधान किया गया है।

3- निजी लघु सिचाई :- इस विभाग को योजना अनुदान पर वर्ष 1988-89 तक ही धानराशि का प्राविधान किया गया था उसके पश्चात सातवी योजना के अन्तिम वर्ष 1989-90 में प्रदेश के सभी जनपदो मे इस मद मे कोई प्राविधान नही किया गया है क्योकि नि:शुल्क बोरिग" योजना के अन्तर्गत स्वीकृत ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत ही अनुदान देने का प्राविधान कर दिया गया था। वर्ष 1990-91 में भी इसी के आधार पर कोई धानराशि प्रस्तावित नही की गई है।

4- भूमि एवं जल संरक्षण विभाग :- इस विभाग की " प्रदेश के मैदानी भागों में भूमि एवं जल संरक्षण की योजना" तथा अन्य योजनाओं पर कोई परिव्यय, वर्ष 1989-90 में प्रस्तावित नही किया गया है क्योकि इसी वर्ष से इसी योजना को जिला योजना से स्थानान्तरित करके राज्य सेक्टर में परिवर्तित कर दिया गया है इसी आधार पर ही वर्ष 1990-91 में भी कोई परिव्यय प्रस्तावित नही किया गया है।

5- उद्योग विभाग (हथकरघा) प्रत्येक वर्ष हथकरघा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत धनराशि का प्राविधान किया जाता है जो राज्य योजना आयोग द्वारा स्वीकृत की जाती है परन्तु पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर यह देखा गया है कि इस विभाग की योजनाओं के अन्तर्गत शासन स्तर से धनराशि अवमुक्त नही की जाती है इसलिये वर्ष 1990-91 में इस विभाग(हथकरघा) द्वारा चालू योजना मे धनराशि की मांग ही नही की गई है। इसके कारण धनराशि को प्रस्तावित करने का प्रश्न ही नही उठता ।

6- सहकारिता विभाग :- इस विभाग द्वारा वर्ष 90-91 मे तीन योजनाओ हेतु धन की कोई मांग नही की गई है इनका विवरण निम्न प्रकार है।

(अ) कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन "

(ब) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सीमान्त धन ।

(स) जिला सहकारी संघ को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन ।

(द) केन्द्रीय उपभोक्ता कोष व्यवसाय हेतु सीमान्त धन ।

पंचायत :- इस विभाग की योजना के " पंचायत उद्योगो को तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सहायता नामक योजना" मे वर्ष 1989-90 मे 10-00 हजार रूपये स्वीकृत किया गया है परन्तु 1990-91 की योजना मे इस मद मे कोई मांग नही की गई है। इसी प्रकार पंचायत उद्योगो की कार्यशाला भवन निर्माण हेतु - वर्ष 1988-89 तक ही धनराशि स्वीकृत की गई है उसके पश्चात वर्ष 1989-90 मे इस मद मे कोई मांग न होने के कारण धनराशि का प्राविधान नही किया गया था। इस उद्देश्य को ध्यान मे रखते हुए जिला स्तरीय अधिकारी द्वारा इस मद मे कोई मांग नही की गई है।

शिक्षा विभाग शिक्षा विभाग की निम्नलिखित योजनाओं मे वर्ष 1988-89 तक धनराशि का प्राविधान / व्यय किया गया है परन्तु वर्ष 1989-90 के पश्चात न तो विभाग द्वारा धनराशि को

माँग की गई है और न ही शासन व्दारा धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी आधार पर वर्ष 1990-91 में भी कोई प्राविधान योजनाओं के अन्तर्गत नही किया गया है।

1- निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सी0वे0 स्कूलों में पाठ्य पुस्तक वैंक स्थापित करने हेतु अनुदान ।

3- ग्रामीण क्षेत्रों में सी0वे0 स्कूलों के लिये साजसज्जा हेतु अनुदान ।

4- जूनियर वेसिक स्कूलों के शिक्षण सामग्री हेतु अनुदान ।

5- जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय का सुदृढ़ीकरण ।

6- सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान।

खेलकूद :-

इस विभाग की योजना" क्रीडा प्रतिष्ठानों का निर्माण "को पूर्व में कुछ वर्षों में धनराशि दी गई थी परन्तु इसके निर्माण में अधिक धनराशि व्यय होने के कारण इस योजना को अन्य सेक्टर में परिवर्तित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 90-91 में ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद केन्द्रों की स्थापना हेतु भी कोई धनराशि की माँग नही की गई है। केवल विभाग व्दारा दो योजनाओं में धनराशि की माँग की गई थी जिनका प्राविधान कर दिया गया है।

आयुर्वेदिक एवं यूनानी :-

आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग में निम्नलिखित योजनाओं के लिये धनराशि की माँग की गई थी परन्तु परिव्यय को देखते एवं योजना की महत्ता को देखते हुए वर्ष 90-91 में धनराशि का प्राविधान नही किया जा सका है।

1- वर्तमान आयु0/ यूनानी औषधालयों का पुनर्नयन
2- आयु0/ यूनानी अधिकारियों के कार्यालयों की स्थापना तथा विस्तार

आवास (राजस्व विभाग)

सातवी पंचवर्षीय योजना के अन्तिम वर्ष 1989-90 के अन्तर्गत 4 लाख रु0 परिव्यय स्वीकृत है परन्तु जिला योजना निर्माण तक इस मद में धनराशि शासन व्दारा आवंटित नही कराई गई है। दूसरी विभाग की योजनायें ऐसी चल रही है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति जनजाति एवं गरीब परिवारों के व्यक्तियों के आवास बनवाये जा रहे है उसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व विभाग की आवास योजना हेतु धनराशि का प्राविधान वर्ष 1990-91 में नही किया गया है।

Sub. Nati...
N...
Pl...
17-B ... Marg, New Delhi-11001
DOC. No. D-5490
Date 11/12/90

6-4 नई योजनायें

वर्ष 1990-91 की जिला योजनाओं में नई योजनाओं पर 67.74 लाख रू. का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है जो सम्पूर्ण परिव्यय का 6.58 प्रतिशत है । जिन विभागों की नई योजनायें सम्मिलित की गई है उनका विभागवार/योजनावार परिव्यय का विवरण निम्नवत है ।

1. उद्यान विभाग:- उद्यान विभाग द्वारा पौध एवं बल्ब उत्पादन एवं सुधार की योजना नामक एक नई योजना प्रस्तुत की गई है जिसके लिये 5-0 हजार रू० का परिव्यय स्वीकृत किया गया है । इस योजना के अन्तर्गत नवीन उद्यान रोपण एवं अनुत्पादक उद्यानों का जीर्णोद्धार करने हेतु क्रमश: दो-दो प्रदर्शन करने का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है ।

2. पशुपालन विभाग:-पशुपालन विभाग द्वारा अपने चालू योजनाओं के अतिरिक्त एक नई योजना "अति हिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का प्रसार एवं सुदृढीकरण" नामक योजना प्रस्तुत की गई है जिसे जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति ने 2.00 लाख रू0 आवंटित करने का सुझाव दिया है । इस योजना के अन्तर्गत उन्नतिशील नस्ल पैदा करने हेतु पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान कराने हेतु उपकरण एवं तरल वीर्य की पूर्ति जनपद में स्थापित पशु चिकित्सा=-लयों को की जायेगी ।

3. उद्योग विभाग:- उद्योग विभाग के अन्तर्गत अभी तक रेशम उद्योग के लिये कोई योजना प्रस्तावित नही की गई थी वर्ष 90-91 में रेशम उद्योग द्वारा एक योजना प्रस्तुत की गई जिसका नाम" माडल चाकी कीट पालन" योजना है । योजना की उत्पादकता देखते हुए इसे 8.95 लाख की धनराशि प्रस्तावित की गई है । विभाग द्वारा एक विकास खंड में 10.0 एकड भूमि में शहतूत का वृक्षारोपण कराया जायेगा जिन पर रेशम उत्पादनहेतु रेशम की कीडे पाले जायेगें । विभाग द्वारा रेशम के कीडों से 750 कि. ग्राम रेशम कोया का उत्पादन करने का लक्ष्य दिया गया है । इस योजना में गरीब एवं लघु सीमान्त कृषकों को अधिक फायदा होगा ।

4. शिक्षा विभाग:- माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत जनपद में चल रही योजनाओं के अतिरिक्त बालिकाओं के लिये वर्ष 1988-89 में एक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की गई है जो अभी किराये भवन में चल रहा है । इस विभाग के भवन निर्माण के लिये भूमि का आंवटन

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा कर दिया गया परन्तु वर्ष 89-90 में भवन निर्माण हेतु शासन द्वारा धनराशि का आवंटन नहीं किया गया है लेकिन वर्ष 1990-91 की योजना में नियोजन समिति के भवन निर्माण की महत्ता को देखते हुए प्रथम किश्त के रूप में 8.00 लाख रू0 की धनराशि का प्रावधान जिला योजना में करवाया गया है । इससे जनपद गाजियाबाद क्षेत्र की बालिकाओं हेतु शिक्षा की सुविधा सुलभ हो सकेगी ।

5. चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य:- चिकित्सा विभाग/मुख्य रूप से जिला अस्पताल की समस्याओं पर विचार करते हुए जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा हस्पतालों को जिला अस्पताल का नवीनीकरण, विस्तार, विद्युत एवं पानी की व्यवस्था हेतु 10.18 लाख रू0 की धनराशि स्वीकृत की गई है जिसमें एक पम्प आपरेटर की नियुक्ति, बाह्य चिकित्सा भवन का निर्माण, ड्राईवर एवं क्लीनर हेतु क्वार्टर का निर्माण, सम्बुलेंस के लिये गैराज का निर्माण आदि कार्य कराने का प्रस्ताव है ।

6. आवास एवं नगर विकास(पूल्ड आवास):- सातवीं योजना तक पूल्ड हाउसिंग योजना के अन्तर्गत कोई धनराशि आवासों के निर्माण हेतु आवंटित नहीं की गई है परन्तु सरकारी अधिकारियों के रहने की आवश्यक इस जनपद में बनी हुई है । नया जनपद सृजित होने के कारण सरकारी आवासों की इस जनपद में बहुत ही कमी है इस कमी को धीरे-2 आगामी वर्षों की योजनाओं में पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा । उसी के परिपेक्ष्य वर्ष 1990-91 की योजना के अन्तर्गत 6.50 लाख रू. की धनराशि भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित की गई है जिसमें 2 आवासीय भवनों (टाइप-4) का निर्माण किया जायेगा । भवन निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध है ।

7. शिल्पकार प्रशिक्षण :- श्रम एवं श्रम कल्याण विभाग के अन्तर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चलाये जा रहे है जिनमें कुछ चुने हुए व्यवसायों में प्रशिक्षण देने की सुविधा उपलब्ध है । गाजियाबाद जनपद एक औद्योगिक क्षेत्र बनने के कारण विभिन्न उद्योगों में विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में प्रशिक्षित व्यक्तियों को रोजगार देने हेतु मांग बराबर बढ़ती जा रही है । इस मांग को देखते हुए वर्तमान में चल रहे आई.टी.आई. में विद्युत व्यवसाय, इलैक्ट्रोनिक व्यवसाय, मोटर मैकेनिक व्यवसाय आदि के लिये एक-2 नये यूनिट खोलने हेतु

जिला योजना में प्रावधान किया गया है । नौएडा क्षेत्र में एक आई. टी. आई. महिला की स्थापना अलग से किये जाने हेतु भी प्रावधान किया गया है जिसमें कढाई, सिलाई, व्यवसाय, डाटा कम्प्यूटर कोर्स व इलैक्ट्रोनिक व्यवसाय का अलग से द्वितीय यूनिट खोली जायेगी । इन सभी यूनिटों के चलाने हेतु अनुदेशक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति का भी प्रावधान किया है । आई. टी. आई.-हापुड़ जो पिछले दस वर्षों से एक किराये के भवन में चल रहा है, के भवन निर्माण हेतु भी धनराशि का प्रावधान किया गया है जिसे नियोजना एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है ।

6.5 चालू योजनायें

शासन द्वारा जनपद गाजियाबाद को 4028.76 लाख रू0 का परिव्यय वर्ष 90-91 के लिए स्वीकृत किया गया है जिसमें से नई योजनाओं के परिव्यय को निकालकर 961.02 लाख रू. शेष शुद्ध परिव्यय बचता है जो कुल परिव्यय का 93.42 प्रतिशत है । शुद्ध परिव्यय में से सभी विभागों की चालू योजनाओं हेतु परिव्यय का प्रस्ताव शासन के निर्देशानुसार किया गया है । इस वर्ष की योजना में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण मार्ग, पेयजल, ग्रामीण आवास, अनुसूचित जातियों का कल्याण तथा उन सभी योजनायें, जो अपूर्ण है, को पूर्ण करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर धनराशि प्रस्तावित की गई है । विभागवार वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्यों का विवरण विस्तृत रूप से जी. एन.-2 तथा जी. एन.-3 में दिया गया है । कुछ मुख्य-2 विभागों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है ।

1. क्षेत्रीय विकास:- क्षेत्रीय विकास के अन्तर्गत मुख्य रूप से तीन योजनायें सम्मिलित की गई है जो निम्न प्रकार है ।

(अ) लघु एवं सीमान्त कृषकों की उत्पादकता बढाने की योजना

(ब) आई. आर. डी. पी.

(ए) जवाहर रोजगार योजना

(अ) इस योजना के अन्तर्गत 21 लाख रू0 का प्रावधान किया गया है एवं इतनी ही धनराशि केन्द्र सरकार से प्राप्त होगी अर्थात कुल परियोजना में 42.00 लाख रूपया व्यय किया जायेगा जो लघु एवं सीमान्त कृषकों की भूमि पर उत्पादकता बढाने हेतु निशुल्क बोरिंग कराने व इंजन/मोटर के क्रय

पर अनुदान, भूमि सुधार आदि पर व्यय होगा। वर्ष 90-91 में 1200 बोरिंग कराने का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है आई0आर0 डी0पी0से जवाहर रोजगार योजना हेतु शासन के द्वारा निर्धारित धनराशि क्रमशः 94.75 एवं 123.51 लाख रु0 प्रस्तावित की गई है। इस धनराशि के अतिरिक्त केन्द्रांश अलग से प्राप्त होगा। केन्द्रीय को --- मिलाकर आई0 आर0डी0पी0 योजना में 7114 लाभार्थीओं को लाभान्वित किया जायेगा जिसमें 50% अनुसूचित जाति के परिवार होगे। महिलाओं को भी निर्धारित कोटे के अनुसार लाभान्वित किया जायेगा। जवाहर रोजगार योजना में ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं को पूर्ण करने हेतु धनराशि आवंटित की जायेगी जिससे लगभग 17.15 लाख मानव दिवस रोजगार के रूप में सृजित कराये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

2- ग्राम विकास विभाग :- इस विभाग की योजना जिला विकास कार्यालय भवन के निर्माण हेतु वर्ष 89-90 में 45-25 लाख रु0 आवंटित किया गया है जो निर्माणधीन है। इस भवन को ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा द्वारा निर्मित कराया जा रहा है। कार्य को पूर्ण करने हेतु वर्ष 90-91 में 10.00 लाख रु0 की धनराशि प्रस्तावित की गई है।

(केन्द्र) इस कार्यक्रम के अतिरिक्त ग्राम विकास विभाग द्वारा ग्रामीण योजना के अन्तर्गत ग्रामों में हैण्ड पम्प लगाये जाते है एक हेण्डपम्प पर लगभग 10,000 रु0 व्यय होता है। वर्ष 89-90 में 10.00 लाख रु0 का प्राविधान किया गया है जिससे हरिजन बस्तियों में 100 हैण्डपम्प लगाये जायेंगे। ग्राम विकास विभाग के जिलायोजना वर्ष 90-91 हेतु 11.00 लाख -/रु0 का प्राविधान किया गया है जिसमें 100 हेण्डपम्प लगाने का प्रस्ताव होगा क्योकि जल निगम विभाग ने यहसूचित किया है कि एक हेण्डपम्प लगाने पर अब 12000 रु0 का व्यय होता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति व जनजाति व भूमिहीन कृषक मजदूरो के रहने हेतु ग्रामीण आवास नामक योजना ग्राम्य विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही है। वर्ष 89-90 में इस योजना हेतु 3420 आवास निर्माण करने का लक्ष्य प्रस्तावित है जिसके लिये जिला योजना के अन्तर्गत

34.20 लाख रू0 स्वीकृत है जो 1000रू0 प्रति आवास की दर से अनुदान देने पर व्यय होगा । इसकेअतिरिक्त 3000/- प्रति आवस अनुदान के रूप में जवाहर रोजगार योजना से व्यय किया जायेगा। शेष 3000/- की धनराशि ग्रामीण आवस परिषद से ऋण के रूप में लाभार्थी को उपलब्ध कराई जायेगी । ऋण की धनराशि का भुगतान कम ... ब्याज पर आसान किस्तो में होगा । इस प्रकार एक आवास के निर्माण में 7000/-रू0 व्यय होता है। वर्ष 1990-91 की योजना के अन्तर्गत 10 लाख रू0 की धनराशि का प्रविधान किया गया जिसमें 1000 आवासो का निर्माण प्रस्तावित है।

3- ग्रामीण विधुतीकरण के अन्तर्गत वर्ष 89-90 में 25.00 लाख रू0 का परिव्यय स्वीकृत है जिसमें 30 ग्रामों का विधुतीकरण, 30 हरिजन वस्तीयो का विधुतीकरण करने का लक्ष्य प्रस्तावित है।दोनोमदो में एल0टी0 सेक्स व्दारा विधुतिकरण कराया जायेगा। वर्ष 90-91 के अन्तर्गत 28 लाख रू0 का प्रविधान किया गया है जिसमें 20 ग्रामों एवं 20 हरिजन वस्तीओं का विधुतीकरण एल0टी0 केम्प व्दाराकराया जाना प्रास्तावित है धनराशि को देखते हुए गत वर्षो की तुलना में लक्ष्य कम प्रस्तावित किये गये है इसका मुख्यकारण यह है किजिन ग्रामों का विधुतीकरण किया जायेगा उनमें सामग्री अधिक प्रयुक्त होगी इससे धनराशी बढाई गई है एवं लक्ष्यों पर भीपरिवर्तन आया है।

4- राजकीय लघु सिचाई :- राजकीय नलकूप विभाग के लिये वर्ष 89-90 में लाख रू0 शासन व्दारा स्वीकृत किया गया जिसमें एक नवीन नलकूप एक नलकूप का पूर्न निर्माण, पक्की गूल कि0मी0 4-0/पी0वी0सी0 पाईप लाइन 22-4 कि0मी0 एवं कच्ची गूल 8-7 कि0मी0 का निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 90-91 हेतु जिला/ सा. नि. : व्दारा इस विभाग को 38.80 लाख रू0 का परिव्यय स्वीकृत किया है जिसमें एक नवीन नलकूप का निर्माण, 3 नलकूपोंका पुर्ननिर्माण, पक्की गूल का निर्माण 6-0 कि0मी0, पी0वी0सी0 पाइप लाइन का निमार्ण/ तथा कच्ची गूल/नाली का निर्माण 10-00 कि0मी0 का लक्ष्य प्रास्तावित है।

5- __सार्वजनिक निर्माण विभाग :-__ ग्रामीण मार्गों का निर्माण न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम का मद है। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण मार्गों की कमी है इसी उद्देश्य को रखते हुए हमारे जनप्रतिनिधियों ने इस मद में 2 करोड रु०का परिव्यय प्रस्तावित करने हेतु अपनी सहमति व्यक्त की है। जनपद के अन्तर्गत 1500 से ऊपर की आबादी वाले ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोडा जा चुका है। 1000से 1500 तक की आबादी वाले ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोडने हेतु वर्ष 90-91 में प्राथमिकता दी जायेगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग के आधीन जो चालू कार्य है, चल रहे है उन्हे भी पूर्ण किया जायेगा।

6- __हरिजन एवं समाज कल्याण विभाग:-__ हरिजन एवं समाज कल्याण विभाग की योजनायें तीन भागों में विभाजित है। प्रथम अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछडी जातियों के कल्याण की योजनाये है। द्वितीय समाज कल्याण की योजनाये एवं तृतीय पूरक पुष्ठाहार कार्यक्रम की योजना है । जिनका विवरण अलग से निम्न प्रकार है।

(अ) अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछडी जाति के कल्याण के लिये वर्ष 89-90 में 1867.90 हजार रु0 अनुमोदित है जिसके अन्तर्गत विभिन्न श्रेणी के 3383 छात्रों को छात्रवृतियां देने का लक्ष्य प्रस्तावित है। परन्तु वर्ष 1990-91 में शासन के निर्देशानुसार छात्रों की संख्यायें वृद्धि किये जाने के कारण धनराशि 3196.00 हजार स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से 3720 विभिन्न श्रेणीयो के छात्रों को छात्रवृद्धि उपलब्ध कराई जायेगी।

(ब) समाज कल्याण की योजनाओं हेतु इस जनपद के अन्तर्गत 5 योजनाये चल रही है जिनमें मुख्य रूपसे निराश्रित विधवाओं के कारण पोषण हेतु आर्थिक पद्टाथरा , नेत्रहीन, मूक बधिर एवं शारीरिक व मानसीक रूप से असम विकलांगो कोअनुदान देने की व्यवस्था है। विधवाओं को पैशंन देने हेतु वर्ष 1990-91 में 27.04 लाख रु0 कीधनराशि प्रस्तावित की गई है जबकि इस मद में वर्ष 1989-90 के अन्तर्गत केवल 13.43 लाख रु0 का परिव्यय स्वीकृत है। इसका मुख्य कारण यह है किवर्तमान सरकार ने विधवाओं को

पेंशन धनराशि 60 रू0 प्रतिमाह से बढाकर 100 प्रतिमाह कर दी है। इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के विकलांगों को अनुदान के रूप में 1.38 लाख रू0 वर्ष 90-91 में रखा गया है जो वर्ष 89-90 के समतुल्य है। इस धनराशि से 643 विकलांगो को अनुदान वर्ष 90-91 में दिया जायेगा ।

पुष्टाहार कार्यक्रम हेतु इस जनपद में वर्ष 89-90 में 4.00 लाख रू0 की धनराशि स्वीकृत है इतनी ही धनराशि वर्ष 90-91 में जिला नियोजन समिति द्वारा दी गई है । जिसमें 100 बच्चे एवं गर्भधारी माताओं को पूरक पुष्टाहार की वस्तुए रखाने हेतु वितरित करने का लक्ष्य है।

==========

अध्याय-7

राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिकता शिक्षा, प्रौढ शिक्षा (3) ग्रामीण स्वास्थ्य (4) ग्रामीण पेयजल (5) ग्रामीण सडके व अन्य सार्वजनिक निर्माण (7) ग्रामीण विद्युतीकरण (8) ग्रामीण निर्धनों के लिए आवास (9) पर्यावरण संधन (10) पोष्टिक आहार को मदे सम्मलित की गई है । जनपद के निर्धन व्यक्तियों में राष्ट्रीय विकास की भावनायें जागृत करने के उददेश्य उनकी कम से कम सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति इन कार्यक्रमों द्वारा की जा रही है ।

कुछ राष्ट्रीय मानकों के अनुसार देश के सभी भागों में सामाजिक उपभोग के न्यूनतम स्तर को प्राप्त करने के लिये कुछ आवश्यक सुविधाओं का जाल बिछाया जाना है । इस कार्यक्रम के निम्नलिखित भाग है :-

1- 6-14 वर्ष के आयु समूह में शत प्रतिशत बच्चों के लिये प्रारम्भिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना तथा अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से अतिरिक्त बालक बालिकाओं का प्रवेश ।

2- प्रत्येक -प्रत्येक ग्राम में ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता, साधारण बीमारियों को ठीक करने के साधन और प्रति प्रेषक सेवा प्रदान करने हेतु एक सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और प्रत्येक 50000की जनसंख्या हेतु एक प्राथमिकता स्वास्थ्य केन्द्र और प्रत्येक 5000की जनसंख्या के लिये एक उपकेन्द्र की स्थापना ।

3- ग्रामों में पीने योग्य पानी की पूर्ति को सुनिश्चित करना।

4- 1000या उससे अधिक जनसंख्या वाले अधिक से अधिक ग्रामों को ग्रामीण सडकों से जोडना ।

5- ग्रामीण विद्युतीकरण का विस्तार करना ।

6- भूमिहीन ग्रामीण परिवारों के आवास के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना ।

7- गन्दी एवं मलिन बस्तियों के पर्यावरण का सुधार करना इसमें बडे शहरों में जन सम्पूर्ति का विस्तार, नल व्यवस्था करना, गलियों को पक्का करना आदि ।

8- अल्प पोषित को पोष्टिक आहार ।

9- प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम में 15-35 वर्ष के आयु वर्ग के अशिक्षित पुरूष व महिलाओं को साक्षर बनाने का कार्य सम्मिलित किया गया है । यह योजना पूर्ण रूप से केन्द्र पोषित है । जनपद में यह योजना वर्ष 1983-84 से शुरू की गई है । इस समय यह परियोजना दो विकास खण्ड लौनी व रजापुर में चल रही है ।

प्रत्येक विकास खण्ड में प्रौढ शिक्षा के 30केन्द्र स्थापित है । दिन में महिलाओं के लिये व रात्रि में पुरूषों के लिये शिक्षण का कार्यक्रम चलाया जाता है ।

10- ग्रामीण खडण्जा व नाली निर्माण:-ग्रामीण क्षेत्र में गन्दी बस्तियों की जनसंख्या की जलपूर्ति, जलागम, बरसाती दैनिक पानी के निकास की योजना से अच्छादित करना है ।

न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद में सातवी पंच वर्षीय योजना के दौरान 1989•90 व 1990•91 के लिये जो प्राविधान किया गया है उसका विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका संख्या 11•1•

क्र0सं0	सेक्टर	वर्ष 1989•90 स्वीकृत परिव्यय	1990•91 कार्यरिव्यय	प्रस्तावित
1	2	3	4	5
1-	प्रारम्भिक शिक्षा	2723•0	6058•0	
2-	चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य	7181•0	7034•0	
3-	ग्रामीण पेयजल योजना	4750•0	4925•0	
4-	ग्रामीण सडके	14174•01	20000•0	
5-	ग्राम विकास विभाग ग्रामीण भूमिहीन मजदूरों को आवासीय सुविधा	3820•0	1000•0	
6-	पुष्टाहार कार्यक्रम	400•0	400•0	
7-	सार्वजनिक वितरण प्रणाली	--	---	
8-	ग्रामीण विद्युतीकरण	2500•00	2800•00	
9-	खडण्जा एवं नाली निर्माण	1500•0	1500•0	
	योग	37048•11	43717•00	

उक्त तालिका को देखने से विदित होता है कि न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 198•90की अपेक्षा इस वर्ष 20-91में शिक्षा, पेयजल, चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य, विद्युत खडन्जा तथा ग्रामीण सडकों को अधिक धनराशि प्रस्तावित की गयी है ।

न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के विभिन्न भाग

1- प्राथमिक शिक्षा-सामाजिक प्रगति विचारों की जानकारी हेतु जीवन स्तर में सुधार मानसिक विकास एवं जनसाधारण के तीव्र आर्थिक विकास करने के लिए शिक्षा एक आवश्यक सामाजिक निवेश है ।

कुछ निश्चित सुविधाओं को न्यूनतक स्तर तक प्रदान करने हेतु शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक एवं परिमाणात्मक सुधार लाने हेतु प्राथमिक स्तर शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में अन्तर जनपदीय

विषमताओं को कम किया जा सकता है। इस परिपेक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर मैदानी क्षेत्रों के लिये यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक डेढ़ कि0मी0 की परिधि में 300 की आबादी की बस्तियों एवं पर्वतीय क्षेत्रों में 1 कि0मी0 की परिधि में 200 की आबादी की बस्तियों में एक जूनियर बेसिक स्कूल अवश्य हो। मीडिल स्कूलों के लिये 800 की आबादी एवं 3 कि0मी0 की परिधि का मानक निर्धारित किया गया है। वर्ष 1990-91 में प्रारम्भिक शिक्षा पर 60.58 लाख रुपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है।

2- जनस्वास्थ्य:- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य को अधिक सुलभ कराने की दृष्टि से ग्रामीण क्षेत्रों के लिये सरकार के कुछ विशेष कार्यक्रम न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत बनाये है। जिसमें 50,000 जनसंख्या पर एक पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी एवं मशीनरी से सुसज्जित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्रत्येक 5000 जनसंख्या पर एक उपकेन्द्र खोलने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक ग्राम में एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता स्थानीय लोगो की साधारण बिमारियों को ठीक करने हेतु नियुक्त किया गया है। ग्रामों में एक प्रशिक्षित दाई की व्यवस्था भी कराई है। इस योजना काल में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 30 शैयायाओं वाले पूर्ण रुपेण सुसज्जित अस्पताल में परिवर्तन करने पर भी बल दिया गया है। अतः प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों के निमर्ण एवं प्रसार को इसकी योजना में शामिल किया गया है।

वर्ष 31 मार्च 1987 तक जनपद में 19 नगरीय चिकित्सालय/ औषधालय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 10 एलोपैथिक औषधालयों की सुविधाये उपलब्ध थी जिसमें 480 शैयायाओं की व्यवस्था थी ग्रामीण क्षेत्रों में 19 आयुर्वेदिक औषधालय, 6 आयुर्वेदिक औषधालय, 6 आयुर्वेदिक चिकित्सालय तथा 7 होम्योपैथिक औषधालय है। जिसमें 50 शैयायाओं की व्यवस्था है। जनपद में एक टी0बी0 अस्पताल, 10 मातृ शिशु कल्याण केन्द्र एवं 10 परिवार कल्याण केन्द्र है। मिली जुली स्थिति के अनुसार जनपद में लगभग 30 हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सालय तथा 6 हजार व्यक्तियों पर एक शैयाया की सुविधा उपलब्ध है।

न्यूनतम आवश्यकता का चिकित्सा पर 70-84 लाख रुपये का परिव्यय ऐलोपैथिक तथा आयुर्वेदिक चिकित्सालय हेतु रखा गया है। इसमें 4 उप केन्द्रो के भवनों का निमार्ण कराया जायेगा। 1, 2 प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र एवं सामु0 स्वा0 केन्द्रो के भवनों का निमर्ण कराया जायेगा तथा एक

5 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना का कार्य किया जायेगा।

3-पेयजल:- राष्ट्रीय स्तर पर मान लिया गया है कि पेयजल की सुविधा सभी ग्रामों में उपलब्ध हो जानी चाहिये जो कि जीवन के लिये परम आवश्यक है। जनपद गाजियाबाद में 1987 में सूखे के कारण एक सर्वेक्षण के आधार पर 275 ग्राम ऐसे पाये गये जिनमें पेयजल की समस्या है। अतः जल निगम अपनी विभागीय परियोजना के अन्तर्गत 126 ग्रामों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हेण्डपम्प इंडिया मार्का-2 वर्ष 1989-90 में लगवा रहा है। वर्ष 1989-90 में जिला सेक्टर योजना से जल निगम को 37.50 लाख रुपये का आवण्टन स्वीकृत किया गया था। ताकि वह 250 हेण्डपम्प लगवा सके। तथा खोडा जनसमूह में पेयजल योजना पूर्ण हो सके। शेष ग्रामों में जल निगम अपनी विभागीय परियोजना के अन्तर्गत जिन ग्रामों में आवश्यक होगा वह पाईप व्दारा जल सम्पूर्ति सुनिश्चित करेगा तथा जहाँ पर हेण्डपम्प लगाकर जल उपलब्ध हो जायेगा वहाँ पर हेण्ड पम्प लगायेगा। एक दूसरे सर्वेक्षण के अनुसार 64 अन्य ग्राम भी अभावग्रस्त पाये गये थे जिनमें वर्ष 1987-88 में विकास विभाग के अन्तर्गत वर्ष 88-90 में भी 10 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है। इस प्रकार वर्ष 1989-90 से सभी अभावग्रस्त ग्रामों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है वर्ष 1990-91 में ग्रामों में 150 हेण्डपम्पों को लगाने का लक्ष्य है साथ ही गत वर्ष से चल रही खोडा जल समूह एवं साफीपुर जल समूह योजना को भी पूर्ण करने का लक्ष्य इस वर्ष में रखा गया है।

4- ग्रामीण सडके:- अधिक कर ग्रामों में पक्की सडको का अभाव है तथा तैयार सुविधाओं की उपलब्धि के के स्तर पर अधिक क्षेत्रीय असंतुलन है जिसके लिये छठी पंचवर्षीय योजना काल में 1500 से अधिक आबादी वाले सम्पूर्ण ग्रामों को एवं 1000 से 1500 की आबादी वाले 50 प्रतिशत ग्रामों को मुख्य सडको से जोडने का प्रस्ताव था इसके लिये यह भी निर्णय लिया गया था कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहे अवशेष कार्यों तथा अधिक यातायात के कारण खराब होने वाली ग्रामीण सडको को भी न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम में रखा जाना चाहिये।

इस जनपद में वर्ष 1971 की जनगणना के अनुसार 1500 से अधिक की आबादी के 251 ग्राम है। इनमें से 231 ग्रामों को मुख्य सडक मार्ग से जोडा जा चुका है तथा शेष 20 ग्राम भी वर्ष 88-89 में जोड दिये जायेगे। 1000 से 1500 की आबादी के 141 ग्राम में से केवल 32 ग्राम ऐसे बचे है जिनकी मुख्य

सडक मार्ग से जोडना शेष है। इन ग्रामों को भी सडक से जोडने की प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 89-90 में 48 कि0मी0 लेपन का कार्य 14.0 कि0मी0 खाडन्जा स्तर कार्यक्रम कराने का कार्य चल रहा है । सडक एवं पुल पर वर्ष 1990-91 में 200-00 लाख रुपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है।

5- ग्रामीण आवास योजना :- इसका कार्यक्रम में दुर्बल आय वर्ग की ग्रामीण जनता की आवासीय आवश्यकता अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूमिहीन कृषक मजदूर एवं अन्य पिछडे वर्ग के लोगो को पूरी की जायेगी। पाँचवी योजना में लगभग 70 लाख भूमिहीन मजदूरों को धार बनाने के लिये आवास स्थल आवंटन किये गये थे किन्तु विकसित भूमि का उन पर बनाने के लिये कोई सहायता नही दद दी गई थी छटी पंचवर्षीय योजना में इस श्रेणी में आये वाले व्यक्तियों को लाभ पहूँचाने के लिये एक सूची बनाई गई है जिसके अन्तर्गत विकसित प्लाट में प्रत्येक 30 धारों के लिये पेयजल सोत व धार बनाने की सामग्री के लिये सहायता दी जा रही है इस स्कीम के अन्तर्गत सभी शारीरिक काम लाभार्थियों व्दारा किया जायेगा। वर्ष 1990-91 में ग्राम्य विकास विभाग व्दारा 1000 निर्बल वर्ग आवास 100 आवास प्रति विकास खण्ड की दर से बनाये जायेगे और इस हेतु वर्ष 1990-91 में 11-00 लाख रुपये जिला योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित किये गये है।

6- पोष्टिक आहार:- बच्चो में पोष्टिकता की कमी को मूल रुप से समाप्त करने हेतु ये आवश्यकता है कि निर्बल वर्गीय गर्भवती महिलाये, माताऐं एवं प्राथमिक स्कूल बच्चो का विशेष रुप से ध्यान रखा जाये। प्रदेश के सभी ग्रामों में उपरोक्त वर्ग के लोगो को पोष्टिक आहार प्रदान करने की समस्या अधिकजटिल है क्योकि उनका आर्थिक स्तर काफी नीचा है जिसकी वजह से ग्रामों में जनसंख्या का एकविशाल भागप्रतिदिन वांछित केलोरी से कम भाग प्राप्त कर पाता है । अतः गरीब परिवार के बच्चों को तथा गर्भवती महिलाओं को पोष्टिकआहार उपलब्ध कराने हेतु यह योजना चलाई जा रही है।

पोष्टिक आहार योजना का संचालन शिक्षा, ग्राम्य विकास विभाग तथा हरिजन एवं समाज कल्याण व्दारा किया जाता है। ये योजना इस जनपद में ग्राम्य विकास विकास व्दारा रजापुर विकास खण्ड में चलाई जा रही है। समाज कल्याण विभाग व्दारा यह योजना विकास खंड गढ मुक्तेश्वर तथा भोजपुर में चलाई जा रही है।इस योजना पर वर्ष 1988-89 में 38.88 लाख रुपये शासन व्दारा अनुमोदित किया गया था। वर्ष 1989-90 में इस कार्यक्रम में 4-00 लाख रुपये शासन व्दारा स्वीकृत किये गये इस कारण इस वर्ष 1990-91

हेतु इतनी ही धनराशि को जिला योजना में प्रस्तावित किया गया है ।

7- सार्वजनिक वितरण प्रणाली:- समाज के कमजोर वर्ग के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उचित दरों पर उपलब्ध कराने हेतु 10 प्राइमरी समितियों को 75 हजार रूपये प्रति 7.50 हजार सोसाइटी की दर से प्रस्तावित किया गया है विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के लिये दैनिक उपभोग की आवश्यक वस्तुए उचित दरों पर उपलब्ध कराये जाने का राष्ट्रीय लक्ष्य है ।

8- ग्रामीण विद्युतीकरण:- इस कार्य क्रम के अन्तर्गत इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि समाज के कमजोर वर्ग एवं हरिजन बस्तियों में बिजली की सुविधा सुलभ हो जाये । इससे ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक केन्द्र उपलब्ध होने में सुविधा होगी रोजगार के अवसर सुलभ हो सकेंगें । इस योजना के अन्तर्गत जनपद में वर्ष 90-91 में 28.0 लाख रूपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है।

9- ग्रामीण खडन्जा व नाली निर्माण:- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता हेतु खडन्जा तथा नाली निर्माण कराया जायेगा इस योजना के कार्यान्वयन पर वर्ष 1989-90 में 15.0 लाख रूपये की धनराशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई थी अतः इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष 1990-91 में भी इतनी ही धनराशि का प्रस्ताव रखा गया है। 15.5 कि.मी. खडन्जा लगाने एवं 2 पंचायतघर पर निर्माण कराने का लक्ष्य प्रस्तावित है ।

10-प्रौढ शिक्षा:- इस कार्यक्रम के अनुसार प्रौढशिक्षा कार्यक्रम संसथानो द्वारा विकास खण्ड लोनी व रजापुर में चलाया जा रहा है।

उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन हेतु वर्ष 1989-90 में 348.13 लाख रूपये का प्राविधान किया गया था। आशा की जाती है कि इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से निर्बल पिछडे एवं दलित वर्ग के समुदायों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा ।

---------- ¤ ----------

अध्याय – 8

स्पेशल कम्पोनेंट प्लान :- 1981 की जनगणना के अनुसार गाजियाबाद जनपद में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 363040 है जो कि कुल जनसंख्या का 49.7 प्रतिशत है। अनुसूचित जातियों की जनसंख्या जनपद में बिखरी हुई है। शहरी क्षेत्रों में 104206 अनुसूचित जाति के लोग निवास करते है तथा 250042 व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते है। जनपद में 1981 की जनगणना के अनुसार 63474 कृषक श्रमिक है।

अनुसूचित जाति के आर्थिक उत्थान के लिए जनपद में विभिन्न योजनायें जारी है। जैसे कि शिक्षा के क्षेत्र छात्रवृत्ति देने की योजना निर्बल वर्ग के लोगो के लिए आवास योजना हरिजन बस्तियों में विद्युतीकरण की योजना योजना पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की योजना हरिजन वित्त निगम तथा जिला ग्राम्य विकास एजेन्सी के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों के लिए ऋण उपलब्ध कराना तथा उस पर अनुदान दिये जाने की योजना आदि है। इन सब योजनाओ के होते हुए भी पिछडे समुदाय का उत्थान उस दर से नहीं हो पा रहा है । जिस दर से शासन इनके उत्थान के लिए प्रयत्नशील है।

अनुसूचित जातियों के सामाजिक पिछडे पन का मूल कारण उनका आर्थिक पिछडापन है। इस समुदाय के व्यक्तियों को ऊपर उठाने के लिए अन्य सुविधाए भी दी जाती है ।जिसमें निःशुल्क कानूनी सहायता भूमिहीन श्रमिको को भूमि क्रय एवं अवेटित भूमि के सुधार पर अनुदान एवं सहायता लघु उद्योगों पर अनुदान, कृषि एवं औद्योगिक पर अनुदान प्रथम श्रेणी में प्राप्त होने वाले को विशेष पुरस्कार आदि सम्मिलित है।

स्पेशल कम्पोनेट प्लान :- आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए राज्य सरकार ने स्पेशल प्लान लागू की है। स्पेशल कम्पोनेट प्लान के अन्तर्गत इस जनपद में वर्ष 1980-81 में विकास खंड भोजपुर वर्ष 1981-82 विकास खंड हापुड एवं वर्ष 82-83 में विकास खंड लोनी का चयन किया गया है इसी प्रकार वर्ष 1983-84 में दो और विकास खंड जोडे है। जो मुरादनगर, सिम्भावली है वर्ष 1986-87 से इस कार्यक्रम को सभी विकास खंडो में चलाया जा रहा है।इस योजना में शासन से प्रति वर्ष 5 लाख रूपये प्रति विकास खंड की दर से प्राप्त होता है। इस धनराशि से सामुहिक योजना के अन्तर्गत दुकानो निर्माण की योजनाएँ सामूहिक लघु

सिंचाई कृषि योग्य भूमि का क्रय एवं आवंटन पशुपालन, ग्रामीण उद्योग शिक्षित व्यक्तियों को रोजगार सहायक उद्योग/ व्यवसाय सम्मिलित है।

ग्रामीण क्षेत्र के अतिरिक्त अनुसूचित जाति परिवारो को भी लाभान्वित करने हेतु धनराशि भी आवंटन की जाती है। जो किअनुदान एवं मार्जिन इसी ऋण पर व्यय की जाती है।

1- दुकानो के निर्माण की योजनाएँ :- इसयोजना के अन्तर्गत 10 हजार रुपये तक की लागत की दुकान बनाकर लाभार्थी को दद जाती है। जिसमें से 5 हजार रुपये अनुदान के रूप में दिया जाता है, तथाशेष धनराशि व्याज रहित ऋण के रूप में होती है। जिसकी वसूली 10 वर्षों में कीजाती है।

2- सामूहिक लघु सिंचाई :- इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के बाहुल्य कृषको की सिंचाई के लिए शत प्रतिशत शासकीय धन से बोरिंग तथा नलकूपों का निर्माण कराया जा रहा है और कम्पसेट लगवाये जा रहे है। इस योजना के अन्तर्गत रियायती दर पर सिंचाई की सुविधा दीजाती है।

3- कृषि योग्य भूमि का क्रय एवं आवंटन :- इस योजना के अन्तर्गत 10000 रुपये तक की मूल्य की लगभग एक एकड कृषि योग्य भूमि क्रय करके उपलब्ध कराई जाती है। जिसमें 5000 रुपया अनुदान तथा शेष व्याज सहित ऋण के रूप में जो 10 वर्षों की मासिक किस्तों में देय होता है।

4- पशुपालन :- इस योजना के अन्तर्गतदुधारू पशुओं का पालन मूर्गी पालन सुअर पालन, खच्चर पालन, बकरी व भेडपालन नामक योजनाएँ आती है। और इस पर 25से 33 प्रतिशत अनुदान एवं 17 से 25 प्रतिशत मार्जिन मनी ऋण तथा 50 प्रतिशत बैक द्वारा ऋण के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान की धनराशि 5000 रुपये से अधिक नही होती है।

5- ग्रामीण उद्योग :- इस योजना केअन्तर्गत कालीन बनाना, चमडे के उद्योग कपडा धुलाई व्यवसाय, सिलाई उद्योग रेडियों मरम्मत स्वेटर बुनना फल संरक्षण तेलघानी उद्योग, गोबर गैस प्लान्ट बिस्कूट, डबल रोटी बनाना, बढई किरी, लुहारी गिरी एवं अन्य ग्रामीण दस्तकारो को लाभ न्वित किया जाता है।

6- शिक्षित व्यक्तियों को रोजगार:- डाक्टर इन्जीनियर तथा बकील पेशे को स्वावलम्बी बनाने की योजना से इस वर्ग के इंगित पेशो हेतुआसान शर्तों पर

धान उपलब्ध कराया जाता है। तथा इनतकनीकी पेशो में लगे लोगो को रोजगार के सुलभ अवसर प्रदान किये जाते है।

7- सहाय उद्योग/व्यवसाय :- चाय की दुकान परचून की दुकान, नाई की दुकान, एवं धोबी की दुकान जैसे व्यवसायों हेतु ऋण व अनुदान देकर लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्रों मेंजिन परिवारो कीवार्षिक आय 3500 रुपये तथा नगरीय क्षेत्रों में वार्षिक आय 4300 रुपये है वे व्यक्ति इसयोजना से लाभान्वित किये जाते है।

खंड विकास अधिकारी के माध्यम से अनुसूचित जाति के परिवार को प्रार्थना पत्र भर कर अपर जिलाधिकारी हरिजन कल्याण को भेजना होता है। विकेन्द्रीधाकृत नियोजन याजना प्रणाली के अनतर्गत जिला वार्षिक योजना वर्ष 90-91 में निर्बल एवं पिछडे वर्ग के समुदायों के उत्थान हेतु गत वर्ष की अपेक्षा और अधिकधनराशि का प्राविधान किया गया है। आशा है कि उपरोक्त योजनाओं केसंचालन से पिछडे समुदाय का जीवन स्तर सुधरेगा।

अध्याय - 9

: समस्यायें एवं सुझाव :

~~10.2~~ 9-1 प्रदेश में विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत जिला वार्षिक योजना की संरचना का कार्य वर्ष 1981-82 से जनपदों में कुछ किया गया है तथा वर्तमान में भी उसी के अनुसार जिला वार्षिक योजना की प्रति-वर्ष संरकना की जा रही है। योजना की संरचना से सम्बन्धित निर्देश नियोजन विभाग, राज्य योजना आयोग, उत्तर प्रदेश लखनऊ से प्रत्येक वर्ष प्रेषित किये जाते हैं। जनपदों में जिला योजना प्रत्येक वर्ष शासन द्वारा आवंटित परिव्यय के अन्तर्गत ही तैयार की जाती है जिसमें प्राथमिकता उत्पादकता वाली योजनाओं को दी जाती है । अवस्थापना वाली योजनाओं पर भी परिव्यय का प्राविधान किया जाता है।

राज्य योजना आयोग द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार योजना शासन स्तर पर प्रस्तुत करने के उपरान्त जनपदवार, विभागवार व प व परियोजनावार परिव्यय स्वीकृत किया जाता है। स्वीकृत परिव्यय के अनुरूप ही धनराशि विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों/ विभाग-ध्यक्षों द्वारा जनपदों के लिये अवमुक्त कराई जाती है। तदोपरान्त जिला स्तरीय अधिकारी धनराशि का योजना के कार्यान्वयन में उपभोग करते है तथा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करने का प्रयास करते है। इस प्रकार जिला योजना की संरचना व कार्यान्वयन जनपद स्तर पर किया जाता है । कार्यान्वान में जनपद स्तर पर किया जाता है । कार्यान्वयन में जनपद स्तर पर कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

~~10.2~~ 9-2 <u>योजना से सम्बन्धित कठिनाइयाँ एवं सुझाव</u>

(1) जनपद स्तर पर जिला योजना की संरचना हेतु वर्तमान-ह वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार लगभग -2 माह का समय ही दिया जाता है जो कम है । इस अल्प अवधि में विभिन्न प्रकार की सूचनायें विभिन्न विभागों से एकत्रित करना आवश्यक होता है जो नहीं हो पाती है जिसके अभाव में कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु जिला योजना में और सम्मिलित करने से छूट जाते है । योजना का अनुमोदन जिला स्तर पर, मण्डल स्तर पर गठित समितियों से ही करना आवश्यक है। इसमें भी समय जाता है । अतः जिला योजना की संरचना हेतु समय अधिक दिया जाना आवश्यक है ।

(2) राज्य योजना आयोग के स्तर से विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों/ विभागाध्यक्षों को अपने अपने विभाग से सम्बन्धित योजना के विषय में निर्देश जनपदों को प्रेषित करने हेतु लिखा जाता है ।

[illegible] जनपद स्तर पर निर्देश समय से प्राप्त नहीं होते है जिसके अभाव में योजना की संरचना करके शासन को योजना की प्रति भेज दी जाती है और विभिन्न विभाग द्वारा जनपद स्तर से प्रस्तावित परिव्यय में बाद में परिवर्तन किये जाते है। इससे जिला स्तर एवं मण्डल स्तर की समितियों की महत्ता गिर जाती है । अतः यह उचित होगा कि विभिन्न विभागों द्वारा निर्देश समय से निर्गत किये जाये ताकि उनका उपयोग योजना संरचना के समय किया जा सके।

(3) प्रायः यह अनुभव किया जा रहा है कि विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा योजना के विषय में जो निर्देश प्रेषित किये जाते है; उनकी प्रतियाँ जनपदों के जिला स्तरीय अधिकारियों को एवं मण्डलीय उप निदेशकों (स्तर एवं संख्या) को नहीं भेजी जाती है जो भेजना आवश्यक है । इस सम्बन्ध में शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही करना उचित होगा।

(4) यह भी अनुभव किया जा रहा है कि जब जनपदों में जिला योजना की संरचना की जाती है तब विभिन्न विभागों के मण्डल स्तरीय अधिकारियों को योजनाओं में कितनी धनराशि का प्राविधान कराया जाये आदि के विषय में मार्ग निर्देश नहीं करते है जिसके अभाव में जब योजनाये मण्डल स्तर पर मण्डलीय समिति में अनुमोदित करने हेतु प्रस्तुत की जाती है तो उस समय मण्डलीय अधिकारी योजनाओं में धनराशि घटाने व बढाने का प्रस्ताव रखते है जो उचित नहीं है । इससे योजना में कुछ संशोधन करने की सम्भावनाये भी बढ जाती है।

अतः उक्त कठिनाई के समाधान के लिये यह आवश्यक होगा के [illegible] मण्डलीय अधिकारियों को ये निर्देश जारी किये जाये कि जनपदों में जाकर योजना की संरचना के समय अपने विभाग के [illegible] अधिकारियों को मार्ग निर्देशन करे एवं योजना में आवश्यकतानुसार धनराशि का प्राविधान कराये।

(5) गत वर्षों में यह भी अनुभव किया गया है कि योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन एवं अधिकतम लाभ हेतु अनुमोदित / स्वीकृत धनराशि विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी/ विभागाध्यक्षों द्वारा जनपद स्तर पर उपयोग हेतु समय अवमुक्त नहीं कराई जाती है । कभी कभी कुछ योजनाओं में धनराशि दिसम्बर माह के बाद आवंटित की जाती है

जिससे योजनाओं के कार्यान्वयन में वांछित प्रगति नहीं हो पाती है । यह भी अनुभव किया गया है कि योजनाओं में प्रगति वित्तीय वर्ष के अन्तिम छः माहो में ही होती है तथा प्रथम छः माहो में प्रगति शून्य के बराबर ही रहती है । अतः जनपद स्तर पर धनराशि वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ होते ही उपलब्ध करा दी जाये ताकि वर्ष के अन्त तक लक्ष्यों की पूर्ति निर्धारित मानको के अनुसार पूर्ण की जा सके।

§6§ वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार जनपदो को आवंटित धनराशि §30 प्रतिशत § वित्तीय वर्ष के माध्यम से ही उपलब्ध कराई जाती है जिससे काफी विलम्ब भी होता है । इस कठिनाई को दूर करने के लिये यह सुझाव दिया जाता है कि जनपद स्तर पर ही जनपद को आवंटित धनराशि सकमुख्त में ही जिलाधिकारी क जो जिला योजना समन्वय एवं कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष भी है को उपलब्ध करा दी जाये ताकि वर्ष के प्रारम्भ से ही अध्यक्ष योजनाओं में प्रस्तावित धनराशि विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों के कार्य की प्रगति को देखते हुए उपलब्ध कराकर वांछित प्रगति बढाने में स्थानीय साधनों का उपभोग करने में एवं विषमताओं को दूर करने में सफल हो सकेंगे। यही प्रक्रिया अन्य राज्यो में विकेन्द्रिल नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत प्रचलित है जैसे :- महाराष्ट्र ।

§7§ पिछले वर्षों में ह भी अनुभव किया गया है कि जिला स्तरीय अधिकारियों को जिला योजनाओं से सम्बन्धित जानकारी बहुत ही कम होती है । जनपद स्तर से अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण विभाग , राज्य नियोजन संस्थान ,उत्तर प्रदेश लखनऊ में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में नामित किया जाता है । परन्तु जिला स्तरीय अधिकारी इन प्रशिक्षण शिविरों में भाग नहीं ले पाते है । अतः यह उचित होगा कि शासन स्तर से यह आवश्यक कर दिया जाये कि अधिकारियों को प्रशिक्षण में भाग लेना अनिवार्य है तथा शासन स्तर से यह भी व्यवस्था की जाये कि तीन अथवा पाँच वर्ष के अन्तराल पर अधिकारियों को पुनः रिफरेसर कोर्स आयोजित कर प्रशिक्षित किया जाये । इससे कार्य की गुणवत्ता बढेगी ।

§8§ जिन योजनाओं में अनुमोदित/स्वीकृत धनराशि का किन्हीं कारणों से उपभोग नहीं हो पाता है अथवा धनराशि की अधिक आवश्यकता होती है,उन से सम्बन्धित पुनर्विनियोगों के प्रस्ताव जनपद स्तर पर गठित समिति से अनुमोदित कराकर शासन को प्रेषित किये जाते है जिन पर नियोजन विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाती है । कार्यवाही करने के उपरान्त संशोधित परिव्यय की सूचना विभागाध्यक्षों को व जनपदो को प्रेषित की जाती है परन्तु पुनर्विनियोगों के माध्यम से संशोधित परिव्यय की धनराशि विभागाध्यक्षों द्वारा समय उपलब्ध नहीं कराई जाती है जिसके अभाव में धनराशि का उपभोग योजना विशेष में नहीं होता है । इसका मुख्य कारण यह है कि शासन स्तर पर विभागाध्यक्षों द्वारा परिव्यय से सम्बन्धित राज्य के आय-व्यय में प्रावधान नहीं कराया जाता है ।

उक्त कठिनाई को दूर करने के लिये यह उचित होगा कि

क्रमश-----

एक विभाग का एक योजना से दूसरी योजना में धनराशि का स्थानान्तरण करने का अधिकार जिलाधिकारी को दे दिया जाये तथा एक विभाग से दूसरे विभाग को धनराशि का स्थानान्तरण करने का अधिकार मण्डल के आयुक्त महोदय को दे दिया जाये । इस प्रक्रिया से जनपदों में आवंटित धनराशि का ४ शत प्रतिशत उपयोग हो सकेगा ।

9- अवस्थापना से सम्बन्धित कुछ कार्यों की स्वीकृतियां शासन से प्राप्त होती है जैसे सड़कों की स्वीकृति मुख्य अभियन्ता, सा0नि0वि0से ही प्राप्त होती है उसके पश्चात आंकलन आदि शासन को प्रेषित किये जाते है । इस प्रकार कार्यों की स्वीकृति प्राप्त होने में काफी विलम्ब हो जाता है और कार्य को समय पूर्ण करने में कठिनाई आती है । इस समस्या का समाधान करने हेतु सुझाव निम्न प्रकार है:-

मण्डल स्तर पर आयुक्त महोदय की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाये जिसमें क्षेत्रीय/अधीक्षण अभियन्ता को सचिव का कार्य देखने की जिम्मेदारी सौंपा जाये । इसके अतिरिक्त इसमें कुछ विषय विशेष विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किये जाये । इस कमेटी का मुख्य उत्तरदायित्व जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचारोपरान्त स्वीकृति देना होगा । इस कार्य प्रणाली से समय की बचत होगी और कार्य को पूर्ण करने के लिए समय अधिक मिलेगा ।

10- जिला योजना के कार्यान्वयन में यह भी अनुभव किया गया है कि कुछ विभाग ऐसे पाये गये है जिनको योजनाओं के लिए धनराशि राज्य योजना आयोग द्वारा स्वीकृत है परन्तु सम्बन्धित विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा जिला आयोग ~~द्वारा स्वीकृत है परन्तु सम्बन्धि~~ स्तरीय अधिकारियों को धनराशि स्वीकृत परिव्यय से अधिक कम अवमुक्त कराई जाती है । इसका विवरण वर्षवार निम्न प्रकार है:-

विभाग/योजना	अवधि	राज्य योजना आयोग द्वारा अनुमोदित परिव्यय(रू0)	विभागाध्यक्षों द्वारा स्वीकृत धनराशि (रू0)
1	2	3	4
1-ग्राम्य विकास विभाग (क्षेत्रीय विकास)	1989-90		
क-एकीकृत ग्राम्य विकास विभाग	" "	8987.00	8344.00 कम मिलेगा
2-राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम(जे0आर0वाई0)	" "	10473.40	11227.00
3-ग्राम्य विकास विभाग(ग्रामीण आवास)	" "	3420.00	1976.00
4-समाज कल्याण	" "	1511.40	2843.00

इस प्रकार उपरोक्त आकडे से वास्तविक परिव्यय के विषय में भ्रमात्मक स्थिति उत्पन्न हो जाती है और योजनाओं के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन में बाधा आती है ।

11- ये भी अनुभव किया गया है कि पुनर्विनियोग के प्रस्तावों के माध्यम से जिन विभागों की धनराशि समर्पण की गई है तथा यह धनराशि किसी अन्य विभाग को आवंटित की गई है परन्तु पुनर्विनियोग के प्रस्तावों का [illegible] धनराशि दूसरे विभाग को जिसे आवंटित की

गई है उसके विभागाध्यक्ष द्वारा धनराशि अवमुक्त नहीं कराई जाती है । इस प्रकार पुनर्विनियोग के प्रस्तावों का महत्व ही नहीं रह जाता है । जैसे वर्ष 87•88 में कृषि विपणन विभाग में 54•0हजार रूपये की धनराशि समर्पण की थी और यह धनराशि ग्राम्य विकास विभाग (हरिजन पेयजल योजना)को आवंटित की गई थी। मगर ये प्रस्ताव कार्यान्वयन नहीं हुआ । इसी प्रकार यह भी अनुभव किया गया है कि पुनर्विनियोग के प्रस्ताव के माध्यम से एक विभाग ने धनराशि समर्पण कर दी है । और समर्पण का प्रस्ताव शासन से स्वीकृत हो जाने के बावजूद भी सम्बन्धित विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा धनराशि सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी को अवमुक्त करा दी गई है । जिसमें वर्ष 87•88 के अन्तर्गत ग्रामीण आवास(राजस्व विभाग)मुख्य है । इस विभाग ने 560•0हजार रूपये की धनराशि समर्पण की थी परन्तु समर्पण करने के उपरान्त भी धनराशि इन्हें प्राप्त हुई है । इससे भी पुनर्विनियोग के प्रस्ताव का महत्व भी खत्म हो जाता है ।

12- वर्तमान प्रक्रिया में जिला वार्षिक योजना की संरचना, कार्यान्वयन अनुश्रवण आदि कार्यों को सम्पन्न करने के लिये निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0सं0 पद	पदों की संख्या	श्रेणी
1-जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी	01	द्वितीय
2-स0अर्थ एवं संख्याधिकारी	02	ग्रुप-प्रथम
3-अर्थ एवं सांख्यिकीय निरीक्षक	02	ग्रुप-द्वितीय
4-कार्टो (ग्राफिक) असिस्टेंट	01	ग्रुप-प्रथम
5-टंकक	01	ग्रुप-तृतीय

उक्त स्वीकृत पदों में भी कार्टोग्राफिक असिस्टेन्ट की नियुक्तियां अभी तक सभी जनपदों में नहीं की गई है और पद रिक्त चल रहे है । जिन अधिकारी/कर्मचारियों की नियुक्तियां की गई है, वह प्लान के कार्य को देखते हुए बहुत ही कम है ।

उक्त समस्या को दूर करने हेतु यह उचित होगा कि योजना के निर्माण के लिये विभाग का सुदृढ़ीकरण किया जाये एवं समुचित स्टाफ की नियुक्तियां की जाये । इस सम्बन्ध में भारत सरकार के केन्द्रीय योजना आयोग द्वारा राज्यों में जिला योजना के कार्यान्वयन को सही ढंग से चलाये जाने के उद्देश्य को लेते हुए एक वर्किंग ग्रुप का गठन किया था जिसने इस सम्बन्ध अध्ययन करके अपनी सिफारिसे पेश कर दी है । इस वर्किंग ग्रुप ने अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट में प्रत्येक स्तर पर(राज्य स्तर, जिला स्तर, विकास खण्ड स्तर समुचित स्टाफ की व्यवस्था करने की सिफारिश की है । अतः इस वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के अनुसार ही स्टाफ की व्यवस्था की जाये, ताकि जिला योजना से सम्बन्धित समस्त कार्य सही ढंग से सम्पन्न किये जाये ।

(13) वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी व उससे सम्बन्धित स्टाफ अर्थ एवं संख्या प्रभाग के अधीन जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय के साथ सम्बद्ध है । एक ही कार्यालय में श्रेणी-2

न दो अधिकारी होने के कारण अधिकतर जनपदों में दोनों के मधुर सम्बन्ध नहीं रहते है । जिसके कारण कार्यालय पर प्रभावी नियन्त्रण नहीं हो पाता है प्रभावी नियन्त्रण के अभाव में कार्य को समय सही ढंग से सम्पन्न करने में हमेशा बाधा बना रहता है ।

उक्त समस्या को दूर करने हेतु यह उचित होगा कि विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत जिला योजना के निर्माण के लिये एक अलग नियोजन सेल की स्थापना प्रत्येक जनपद में की जाये जिसमें समुचित स्टाफ की व्यवस्था कुछ विषय विशेषज्ञों की नियुक्तियाँ आदि को सम्मिलित करते हुए प्राविधान किया जाये जिससे योजना का निर्माण, कार्यान्वयन, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन आदि कार्य शासन के निर्देशों के अनुरूप किया जा सके ।

=-=-=-=-=-=-=-=-=-

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

जी0एन0- 1

जी० एन - 1

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(हजार रुपये में)

क्र.सं.	सेक्टर/विभाग	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित	1989-90का अनुमानित व्यय	वर्ष 1990-91 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	अन्य स्रोत से	योग (9+10)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	कृषि एवं सम्बंधित सेवाएं									
	उपज पालन									
1.	कृषि विभाग	2698·12	950·78	471·00	418·76	175·00	100·00	275·00	—	275·00
2.	उद्यान विभाग	922·50	399·99	770·00	770·00	235·00	200·00	435·00	—	435·00
3.	गन्ना विकास	1109·70	434·40	482·00	704·00	490·00	—	490·00	—	490·00
4.	लघु/सीमान्त कृषकों की सहायतार्थ योजना	8787·00	5674·00	6900·00	6900·00	2100·00	—	2100·00	2100·00	4200·00
5.	पशुपालन विभाग	2548·93	1318·20	1032·49	1032·49	1312·35	1202·00	2514·35	375·00	2889·35
6.	मत्स्य विभाग	148·86	135·00	140·00	140·00	—	196·00	196·00	116·00	312·00
7.	वन विभाग	9266·00	4950·00	5300·00	5300·00	6385·00	450·00	6835·00	6835·00	13670·00
8.	सहकारिता	1518·50	584·00	733·00	733·00	258·00	—	258·00	—	258·00
	योग कृषि एवं सम्बंधित	26999·61	14446·37	15828·49	15998·25	10955·35	2148·00	13103·35	9426·00	22529·35

57

जी०एन०-1

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(हजार रुपये में)

क्र० सं०	सेक्टर/विभाग	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय	1989-90 का अनुमानित व्यय	वर्ष 1990-91 प्रस्तावित परिव्यय: राजस्व	पूंजीगत	कुल	अन्य स्रोत से	योग (9+10)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	ग्राम्य विकास									
(अ)	ग्राम्य विकास के विशेष कार्यक्रम									
	(1) एकीकृत ग्राम्य विकास	18713.00	8928.00	8987.00	8987.00	9475.00	—	9475.00	9475.00	18950.00
	(2) जवाहर रोजगार योजना/राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना	15917.00	13225.00	11227.00	11227.00	—	12351.00	12351.00	49404.00	61755.00
	(3) भूमि सुधार	—	—	—	—	—	—	—	—	—
(ब)	अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम									
	(1) पंचायत विभाग	3150.97	1311.00	1551.00	1551.00	13.00	1644.00	1657.00	164.00	1821.00
	(2) ग्राम्य विकास (समु. विकास)	5072.00	3069.30	4525.00	4525.00	—	1000.00	1000.00	—	1000.00
	योग ग्राम्य विकास	42852.97	26533.30	26290.00	26290.00	9488.00	14995.00	24483.00	59043.00	83526.00

जी०एन०-1

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

जनपद-गाजियाबाद

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

हजार रुपये में

क्र.	सेक्टर/विभाग	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय	1989-90 का अनुमानित व्यय	वर्ष 1990-91 प्रस्तावित परिव्यय				
						राजस्व	पूंजीगत	कुल	अन्य स्रोत से	योग (9+10)
	2.	3.	4	5	6	7	8	9	10	11
	लघु सिंचाई									
(1)	मिनी लघु सिंचाई	1558·60	830·00	140·00	140·00	50·00	260·00	310·00	—	310·00
(2)	राजकीय लघु सिंचाई	1036·00	2265·00	4015·00	3213·00	870·00	3010·00	3880·00	—	3880·00
(3)	विद्युत विभाग	3518·00	1453·00	2500·00	2500·00	—	2800·00	2800·00	—	2800·00
(4)	ग्रामीण एवं लघु उद्योग	4887·25	2814·00	3465·00	3465·00	2550·00	—	2550·00	100·00	2650·00
(5)	खादी उद्योग	—	—	—	—	895·00	—	895·00	—	895·00
(6)	सड़क एवं पुल (लो० नि० वि०)	30243·00	11120·00	14174·11	12760·00	3200·00	16800·00	20000·00	—	20000·00
	सामान्य सेवाऐं									
	पर्यटन विभाग	—	—	—	—	—	—		—	—
	सर्वेक्षण एवं सांख्यकीय	—	150·00	30·00	30·00	—	86·00	86·00	—	86·00
	योग	50571·85	18622·00	24324·11	22108·00	7565·00	22956·00	30521·00	100·00	30621·00

जी० एन०-1

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

जनपद- गाजियाबाद

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

(हजार रुपये में)

क्र०	सेक्टर/विभाग	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय	1989-90 का अनुमानित व्यय	वर्ष 1990-91 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	अन्य स्रोत से	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	शिक्षा									
(1)	सामान्य शिक्षा	5350.55	1938.50	2723.50	2723.50	2333.00	3725.00	6058.00	1000.00	7058.00
(2)	माध्यमिक शिक्षा	479.50	335.30	235.00	235.00	345.60	847.50	1193.10	—	1193.10
(3)	प्राविधिक शिक्षा	—	700.00	3700.00	3700.00	300.00	2500.00	2800.00	—	2800.00
(4)	खेलकूद विभाग	138.48	63.20	63.20	63.20	70.00	—	70.00	—	70.00
(5)	प्रादेशिक विकास दल	3252.89	800.21	957.00	957.00	1112.34	—	1112.34	—	1112.34
	चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य									
(1)	चिकित्सा विभाग	17526.00	3597.00	6392.00	6392.00	399.00	6085.00	6484.00	—	6484.00
(2)	आयुर्वेदिक एवं यूनानी	394.12	484.00	789.00	789.00	550.00	—	550.00	—	550.00
	जल आपूर्ति एवं स्वच्छता									
(1)	जल निगम	2000.00	2500.00	3750.00	3750.00	—	3825.00	3825.00	6000.00	9825.00
(2)	ग्राम्य विकास विभाग	1241.00	1000.00	1000.00	1000.00	—	1100.00	1100.00	—	1100.00
	योग	30382.54	11418.21	19609.70	19609.70	5109.94	18082.50	23192.44	7000.00	30192.44

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

जनपद- गाजियाबाद

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

(हजार रुपये में)

क्र.सं.	सेक्टर/विभाग	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय	1989-90 का अनुमानित व्यय	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			अन्य स्रोतों से	योग (9+10)
						राजस्व	पूंजीगत	कुल		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	आवास									
	(1) पुलिस आवास	−	−	−	−	−	650.00	650.00	−	650.00
	(2) ग्रामीण आवास (राजस्व)	−	−	400.00	400.00	−	−	−	−	−
	(3) ग्रामीण आवास (ग्राम्य विकास विभाग)	1156.61	100.00	3420.00	3420.00	−	1000.00	1000.00	6000.00	7000.00
	सूचना एवं प्रसार									
	(1) सूचना विभाग	−	50.00	50.00	50.00	50.00	−	50.00	−	50.00
	अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ी जाति कल्याण	1738.30	1445.00	1867.90	1867.90	3196.00	−	3196.00	−	3196.00
	श्रम एवं सेवायोजन									
	(1) श्रम कल्याण	507.00	400.00	−	−	−	−	−	−	−
	(2) सेवायोजन	−	−	−	−	−	−	−	−	−
	(3) शिल्पकार प्रशिक्षण	672.11	650.00	200.00	200.00	1244.00	2162.00	3406.00	−	3406.00
	समाजिक सुरक्षा									
	(1) समाज कल्याण	4027.60	1548.00	1511.40	1511.40	2874.21	−	2874.21	−	2874.21
	(2) पुष्टाहार (समाज कल्याण)	5148.00	3888.00	400.00	400.00	400.00	−	400.00	−	400.00
	कुल जनपद योग परिव्यय/व्यय	164066-47	79100-88	93148-00	92339-65	40882-50	61,993-50	102876-00	81569.00	184445.00

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

जी0एन0-2

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

कृषि विभाग

गाजियाबाद

1-उप विकास मद कृषि एवं संवर्गीय सेवायें

2-मुख्य विकास मद कृषि विभाग

(हजार रूपये)

क्र0सं0	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90का अनुमोदितपरिव्यय कुल	1989-90का अनुमोदितपरिव्यय पूँजिगत	1989-90का अनुमानित व्यय कुल	1989-90का अनुमानित व्यय पूँजिगत	वर्ष 1990-91का प्रस्तावित व्यय राजस्व	वर्ष 1990-91का प्रस्तावित व्यय पूँजिगत	वर्ष 1990-91का प्रस्तावित व्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1	कृषि विभाग(चालू योजनाएं) 1-प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में गुणात्मक बीजों के सम्बर्द्धन एवं वितरण की योजना	2371.10	780.00	415.00	200.00	415.00	200.00	155.00	80.00	235.00	
	2-प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में कृषि सेवा के सुदृढ़ीकरण की योजना	327.02	170.78	56.00	--	3.76	---	20.0	20.00	40.00	
	चालू योजनाओं का योग	2698.12	950.78	471.00	200.00	418.78	200.00	175.00	100.00	275.00	

62

जा0एस0-1

जिला आर्थिक योजना

उद्यान विभाग

जनपद- गाजियाबाद
उप विकास मद- कृषि एवं संवर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद- उद्यान विभाग

(हजार रुपये)

योजनावार परिव्यय/व्यय

योजना		1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			विवरण
				कुल	पूँजीगत	कुल	पूँजीगत	राजस्व	पूँजीगत	कुल	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
उद्यान विभाग (चालू योजना)											
औद्यौगिक फसलों के गुणात्मक उत्पादन बीज सर्वद्धन एवं आधुनिकरण की योजना		4325.5	199-99	220-00	-	220-00	-	160-00	200-00	360-00	
2- प्रदेश के प्रमुख एवं पिछडे हुए द क्षेत्र क्षेत्रों में औद्यौगिक विकास की योजना		688-7	300-00	330-00	-	330.00	-	-	-	-	
3-प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विधायन की योजना		490-0	200-00	220-00	-	220-00	-	70-00	-	70-00	
चालू योजनाओ का योग		922-5	399-99	770-00	-	770-0	-	230-00	200-00	430-00	
2- नई योजना											
पौधा एवं बीज उत्पादन एवं सुधार की योजना		-	-	-	-	-	-	5-00	-	5-00	
चालू एवं नई योजनाओ का योग		922-5	399-99	770-00	-	770-0	-	235-00	200-00	435-00	

63

जी०एन०३

गन्ना विभाग

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

1-उप विकास मद:-कृषि एवं संकीर्ण सेवायें

2-मुख्य विकास मद- गन्ना विकास

(हजार रूपये)

क्र०सं०	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
3-गन्ना विभाग (चालू योजनाएं)											
	गन्ना उत्पादकों को सस्ते दर पर फसल रक्षा यन्त्र उपलब्ध कराना	26·86	14·90	15·00	--	15·00	--	18·00	---	18·00	---
2-	गन्ना बीज यातायात के अनुदान देने की योजना	13·39	6·00	7·00	--	7·00	--	12·00	--	12·00	
3-	आधारित गन्ना बीज उत्पादन की योजना	188·41	73·50	100·00	--	100·00	--	100·00	--	100·00	
4-	16कि०मी०परिधि क्षेत्र में सघन गन्ना विकास की योजना	673·45	280·00	300·00	--	522·00	--	300·00	--	300·00	
5-	उ०प्र०में गन्ना विकास की योजना	177·59	60·00	60·00	--	60·00	--	60·00	--	60·00	
6-	उर्वरक कार्यक्रम के सुदृढीकरण की योजना	30·00	--	---	--	--	--	--	---	---	
	चालू योजनाओं का योग	1109·70	434·40	482·00	--	704·00	--	490·00	--	490·00	

प्रारूप-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

लघु सीमान्त कृषकों को सहायता

गाजियाबाद

गाजियाबाद

उप विकास मद कृषि एवं सहवर्गीय सेवायें

मुख्य विकास मद लघु सीमान्त कृषकों की सहायता

। हजार रुपये ।

	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5			9	10	11	12
4-	लघु सीमान्त कृषकों की सहायता	8787-00	5674-00	6900-00	6900-00	-	2100-00	-	2100-00	-

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनाओं पर व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद-कृषि एवं संबंधित सेवायें

(2) मुख्य विकास मद-पशुपालन

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
3.	**पशुपालन**										
1.	पशु चिकित्सा एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार की योजना	67[illegible].88	750.00	5[illegible].49	-	515.49	-	566.00	1202.00	1768.00	
2.	खुरपका, मुहपका, रोग की रोकथाम (केन्द्रपोषित)	20.00	20.00	10.00	-	10.00	-	10.00	-	10.00	
3.	पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों पर प्रजनन हेतु सांडों के उत्पादन की योजना	328.00	12.00	12.00	-	12.00	-	17.00	-	17.00	
4.	प्रदेश में कृत्रिम गर्भाधान की योजना	390.00	275.00	150.00	-	15.00	-	100.00	-	100.00	
5.	लघु/सीमान्त कृषकों एवं भूमिहीन मजदूरों के लाभार्थ वर्गीकृत बछियों के भरणपोषण की योजना (केन्द्रपोषित)	752.85	250.00	300.00	-	300.00	-	365.00	-	365.00	
6.	राज्य में बकरी प्रजनन सुविधाओं के प्रसार की योजना	14.60	2.00	2.00	-	2.00	-	14.00	-	14.00	
7.	सूकर प्रजनन सुविधाओं का प्रसार एवं सुदृढ़ीकरण	15.00	5.00	5.00	-	5.00	-	5.00	-	5.00	

जी०एन०-2

पशुपालन विभाग

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

नपद-गाजियाबाद

1. उप विकास मद-कृषि एवं संवर्गीय सेवायें

2. मुख्य विकास मद-पशुपालन

(हजार रुपये)

.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	पशुधन सम्बंधी विकास कार्यक्रमों के प्रसार की योजना	[illegible]2.60	420	6.00	-	6.00	-	6.00	-	6.00	
	चारा/चारा बीज तथा चरागाहों के विकास की योजना	338.00	-	32.00	-	32.00	-	29.35	-	29.35	
	लू योजनाओं का योग	2548.93	1318.20	1032.49	-	1032.49	-	1112.35	1202.00	2314.35	
	योजना										
	न हिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान प्रसार एवं सुदृढीकरण	-	-	-	-	-	-	200.00	=	200.00	
	। चालू व नई योजनाऐं	2548.93	13[illegible]20	1032.49	-	1032.49	-	1312.35	1202.00	2514.35	

-67-

जी०एन०-2

जिला वार्षिक योजना 1990-91

द-गाजियाबाद

विकास मद- कृषि एवं संवर्गीय सेवाये

विकास मद- मत्स्य

मत्स्य विभाग

योजनावार व्यय/परिव्यय

(हजार रुपये)

योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूँजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूँजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूँजीगत	कुल	विवरण
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
(अ) चालू योजनाएं										
मत्स्य पालक विकास अभिकरण (केन्द्र पोषित)	148.86	135.00	140.00	140.00	140.00	140.00	-	196.00	196.00	
	148.86	135.00	140.00	140.00	140.00	140.00	-	196.00	196.00	

(80)

जा०एन०-2

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

सामाजिक वानिकी

जनपद- गाजियाबाद

योजनावार व्यय/परिव्यय

§1§ उप विकास मद . कृषि एवं संवर्गीय सेवाएं

§2§ मुख्य विकास मद ...... सामाजिक वानिकी

§हजार रुपये§

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूँजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूँजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूँजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	सामाजिक वानिकी										
	सामाजिक वानिकी	8866.00	4710.00	5000.00	1120.00	5000.0	1120.0	5985.00	450.00	6435.00	
	वन पार्कों का विकास	300.00	120.00	200.00	-	200.0	-	200.00	-	200.00	
	शहरी क्षेत्र में सामाजिक वानिकी	100.00	120.00	100.00	-	100.0	-	200.00	-	200.00	
	योग	9266.00	4950.00	5300.00	1120.00	5300.0	1120.0	6385.00	450.00	6835.00	

-67-

जी0 एन0 -2 सहकारिता

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद गाजियाबाद

1-उप विकास मद कृषि एवं सवर्गीय सेवाये

2-मुख्य विकास मद सहकारिता

क्रम	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	सहकारिता योजनाए										
1-	जिला सहकारी बैंको की शाखाओ हेतु प्रबन्धकीय अनुदान	56-00	24-00	24-00	-	24-00	-	24-00	-	24-00	
2-	कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त	930-00	375-00	150-00	-	150-00	-	-	-	-	
3-	केन्द्रीय उपभोक्ता भण्डारों के मूल्य उतार चढाव निधि हेतु सीमान्त धन	150-00	50-00	50-00	-	50-00	-	50-00	-	50-00	
4-	सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सीमान्त धन	382-50	35-00	75-00	-	75-00	-	~~5~~	-	-	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
5	निर्बल वर्गअनु0जातिकोऋण क्रय हेतू ब्याजरहितऋण/ अनुदान	-	-	120-00	-	120-00	-	120-00	-	120	
6	-पैक्स को अतिरिक्त व्यवसाय हेतू सीमान्त धान	-	-	64-00	-	64-00	-	64-00	-	64-00	
7	-जिला सहकारी सघ को उर्वरक व्यवसाय हेतू सीमान्त धान-		-	100-00	-	100-00	-	-	-	-	
8	-केन्द्रीय उपभोक्ता व्यवसाय हेतू सीमान्त धान	-	-	150-00	-	150-00	-	-	-	--	
	चालू योजनाओ का योग	15	18-50	584-00	733-00	-	733-00	-	258-00	-	258-00

जी0एस0-2 क्षेत्रीय विकास

जिला योजना वर्ष 1990.91
योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

उप विकास मद:-ग्राम्य विकास

मुख्य विकास मद:-ग्राम्य विकास के विशेष कार्यक्रम

(हजार रुपये में)

क्र0सं0	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988.89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमादित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990.91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनाएं										
	-एकीकृत ग्राम्य विकास योजना	18713.00	8928.00	8987.00	---	8987.00	---	9475.00	--	9475.00	--
	-सुखा मुख	---	---	---	---	---	---	---	--	---	--
	-जवाहर रोजगार कार्यक्रम (राष्ट्रीय रोजगार कार्यक्रम)	15917.00	13225.00	11225.00	11227.00	11227.00	11227.00	--	12351.00	12351.00	--

72

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990.91
योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद
उप विकास मद ग्राम्य विकास

मुख्य विकासमद:-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम (हजार रुपये में)

क्र0स0	योजना	1985-89 वास्तविक व्यय	1988.89 वास्तवीक व्यय	1989.90 अनुमादित परिव्यय कुल	1989.90 अनुमादित परिव्यय पूँजीगत	1989.90 का अनुमानित व्यय कुल	1989.90 का अनुमानित व्यय पूँजीगत	1990.91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1990.91 का प्रस्तावित परिव्यय पूँजीगत	1990.91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनाएं											
10-पंचायत विभाग											
1-	पंचायत उद्योगों को तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सहायता	26-55	5.00	10.00	--	10.00	---	----	----	----x	----
2-	ग्राम सभाओं की आय में वृद्धि हेतु प्रोत्साहन पुरुस्कार	18.00	6.00	6.00	--	6.00	--	13.00	--	13.00	--
3-	ग्रामों के पर्यावरण में स्वच्छता हेतु खडन्जा नाली निर्माण	2831.42	125000	1490.00	1490.00	1490.00	1490.00	---	150000	1500.00	--
4-	ग्रामीण स्तरीय पंचायत भवनों का निर्माण	200.00	25.00	45.00	45.00	45.00	45.00	--	144.00	144.00	--
5-	पंचायत उद्योगों की कार्यशाला भवन निर्माण	75.00	25.00	--	--	---	--	--	---	---	---
	चालू योजनाओं का योग	3150.97	1311.00	1551.00	153500	1551.00	1535.00	13.00	1644.00	1657.00	---

1
2
3
1

जी0एन0-2

जिला वार्षिक योजना

जनपद-गाजियाबाद

उप विकास मद- ग्राम्य विकास

मुख्य विकास मद- अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम

सामुदायिक विकास

योजनावार व्यय/ ॥हजार रूपये॥

क्रसं.	योजना	1985-88 वास्तविक	1988-89 वास्तविक	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय							
		व्यय	व्यय	कुल	पूँजीगत	कुल	पूँजीगत	राजस्व	पूँजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	सामुदायिक विकास										
1-	जिला विकासकार्यालय निर्माण	-	-	4525-00	4525-00	4525-00	4525-00	-	1000-00	1000-0	
2-	विकास खण्डो भवनों का निर्माण	5072-00	3069-30	-	-	-	-	-	-	-	
	योग	5072-00	3069-30	4525-00	4525-00	4525-00	4525-00	-	1000-00	1000-00	

जी0 एन0-2
जिला योजना वर्ष 1990-91

जनपद गाजियाबाद

1उप विकास मद- लघु सिंचाई
2मुख्य विकास मद- निजी लघु सिंचाई

योजनावार व्यय/परिव्यय

(हजार रुपये)

क्रम सं0	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	निजी लघु सिंचाई										
1	योजना अनुदान	1020-00	512-00	-	-	-	-	-	-	-	
2	अन्य व्यय	70-60	37-50	40-00	-	40-00	-	50-00	-	50-00	
3	संयन्त्र एवं उपकरण	261-00	45-00	100-00	100-00	100-00	100-00	-	150-00	150-00	
4	बोरिंग गोदाम	207-00	236-00	-	-	-	-	-	110-00	110-00	
	योग=	1558-60	830-50	140-00	100-00	140-00	100-00	50-00	260-00	310-00	-

जी0 एन0-2 राजकीय लघु सिंचाई

जिला योजना वर्ष 1990-91

जनपद गाजियाबाद
1.उप विकास मद राजकीय लघु सिंचाई
2.मुख्य विकास मद राजकीय लघु सिंचाई

योजनावार व्यय/परिव्यय ₹ हजार रुपये ₹

क्रम	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	राजकीय लघु सिंचाई										
	अन्य नलकूप	10365-00	2265-00	4015-00	4015-00	3213-00	3213-00	870-00	3010-00	3880-00	
	योग:-	10365-00	2265-00	4015-00	4015-00	3213-00	3213-00	870-00	3010-00	3880-00	

-76-

जी0 एन0 0-2 विद्युत विभाग

जिला योजना वर्ष 1990-91

जनपद गाजियाबाद

1.उप विकास मद विद्युत

2.मुख्य विकास मद विद्युत योजनावार व्यय / परिव्यय (हजार रुपये में)

क्रम सं0	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	विद्युत विभाग										
1	ग्रामीण विद्युतीकरण	3518-00	1453-00	2500-00	2500-00	2500-00	2500-00	-	2800-00	2800-00	-
	योग-	3518-00	1453-00	2500-00	2500-00	2500-00	2500-00	-	2800-00	2800-00 2500-00	-

-77-

जी0एन0-2

उद्योग विभाग

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

§1§ उप विकास मद-विद्युत एवं ग्रामीण लघु उद्योग

§2§ मुख्य विकास मद-

क्र. सं. योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 अनुमानित व्यय कुल	1989-90 अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनायें										
5-ग्रामीण लघु उद्योग										
1. प्रयोगशाला गाजियाबाद	586.00	200.00	220.00	-	220.00	-	275.00	-	275.00	
2. मेला एवं प्रदर्शनी	62.00	25.00	25.00	-	25.00	-	25.00	-	25.00	
3. जिला उद्योग केन्द्र मार्जिन मनी ऋण	290.00	75.00	100.00	-	100.00	-	100.00	-	100.00	
4. एकीकृत मार्जिन मनी ऋण	3614.50	2464.00	3000.00	-	300.00	-	2000.00	-	2000.00	
5. उद्यमिता विकास कार्यक्रम	106.00	50.00	45.00	-	45.00	-	150.00	-	150.00	
6. हथकरघा सहकारी समितियों को अंश पूंजी ऋण	92.95	-	50.00	-	50.00	-	-	-	-	
7. हथकरघाओं का आधुनिकरण	65.00	-	25.00	-	25.00	-	-	-	-	
योग नई योजना	4887.25	2814.00	3465.00	-	3465.00	-	2550.00	-	2550.00	
माडल कीट योजना	-	-	-	-	-	-	895.0	-	895.00	
चालू एवं नई योजनाओं का योग	4887.25	2814.00	3465.00	-	3465.00	-	3445.00	-	3445.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- सडक एवं पुल

(2) मुख्य विकास मद- सडक एवं पुल

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनाऐं											
सडक एवं पुल											
	ग्रामीण मार्ग	32243.00	11120.00	14174.0	14174.0	12760.0	12760.0	3200.0	16800.0	20000.0	
		32243.00	11120.00	14174.0	14174.0	12760.0	12760.0	3200.0	16800.0	20000.0	

जी0 एन0-2

अर्थ एवं संख्या।

जिला योजना वर्ष 1990-91.

जनपद गाजियाबाद,

उप विकास मद आर्थिक सेवायें

मुख्य विकास मद सर्वेक्षण एवं सांख्यिकीय

योजनावार व्यय/परिव्यय

(हजार रू0)

क्रम	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अर्थ एवं संख्या											
अर्थ अधिकारी / सांख्याधिकारी में साज सज्जा /उपकरणों की पूर्ति		-	150-00	30-00	30-00	30-00	30-00	-	86-00	86-00	
		-	150-00	30-00	30-00	30-00	30-00	-	86-00	86-00	

- 80 -

जी०एन०-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

शिक्षा विभाग
(सामान्य)

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- सामान्य शिक्षा

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
	चालू योजनाएं										
	18-बेसिक शिक्षा										
1.	असहायक मान्यता प्राप्त अशा. बेसिक स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान	2469.85	1070.00	1483.00	-	1483.00	-	1000.00	-	1000.00	
2.	ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में भवन रहित स्कूलों में भवन निर्माण हेतु अनुदान	1049.70	638.00	100.00	100.00	100.00	100.00	-	3700.00	3700.00	
3.	ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित जूनि. स्कूलों को खोलने हेतु अनुदान	110.00	-	60.00	-	60.00	-	200.00	-	200.00	
4.	ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/बालिकाओं के सी. बे. स्कूल खोलने हेतु अनुदान	800.00	-	197.00	-	197.00	-	197.00	-	197.00	
5.	नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में वर्ग 6-14 वर्ष के बच्चों के अंशकालीन कक्षाएं खोलने हेतु अनुदान	691.00	80.00	800.00	-	800.00	-	1000.00	-	1000.00	
6.	प्रत्येक जिले में बेसिक शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण एवं संस्थाओं के बिजली व पंखों की व्यवस्था	23.00	9.00	25.00	-	25.00	-	-	25.00	25.00	
7.	प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6 से 8 तक 15/-माह की दर से 3 वर्ष के लिए योग्यता छात्रवृत्ति	50.00	50.00	55.00	-	55.00	-	68.00	-	68.00	

जी०एन०-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

शिक्षा विभाग

योजनावार व्यय/परिव्यय

(सामान्य)

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- सामान्य शिक्षा

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
2		3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
.	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाहर प्रशिक्षित कार्यक्रम तथा युवकों के कल्याण हेतु प्रावधान	8.00	3.50	3.50	-	3.50	-	8.00	-	8.00	
.	बेसिक स्कूलों के अध्यापकों को दक्षता पुरूस्कार	6.00	2.00	-	-	-	-	-	-	-	
0.	निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सी. बे. स्कूलों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान	26.00	6.00	-	-	-	-	-	-	-	
1.	ग्रामीण क्षेत्रों में सी. बे. स्कूलों के लिये साज सज्जा हेतु अनुदान	59.00	30.00	-	-	-	-	-	-	-	
2.	ज. बेसिक स्कूलों में शिक्षण सामग्री हेतु अनुदान	50.00	50.00	-	-	-	-	-	-	-	
चालू योजनाओं का योग		5350.55	1938.50	2723.50	100.00	2823.50	100.00	2333.00	3725.00	6058.00	

1821

जी०एन०-2

जिला योजना वर्ष 1990-91 — शिक्षा विभाग

योजनावार व्यय/परिव्यय — (माध्यमिक)

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- सामान्य शिक्षा

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
	चालू योजनाऐं										
	19-माध्यमिक शिक्षा										
1.	सहायता प्राप्त उ. मा. में पुस्तकालय सम्वर्धन अनुदान	32.00	50.00	20.00	-	20.00	-	30.00	-	30.00	
2.	जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	-	35.00	-	-	-	-	-	-	-	
3.	प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6 से 8 तक 30/-रु० प्रतिमाह की दर से 3 वर्ष के लिए योग्यता छात्रवृत्ति	-	49.00	55.00	-	55.00	-	110.00	-	110.00	
4.	खेलकूद तथा अन्य विद्यालय के बाहर शैक्षिक कार्यक्रम तथा युवकों के कल्याण हेतु प्राविधान	10.50	3.50	10.00	-	10.00	-	5.50	-	5.50	
5.	सहायता प्राप्त उ. मा. विद्यालयों में छात्रवृत्ति तथा सैनेटरी सुविधा हेतु अनुदान	-	45.00	59.00	-	59.00	-	26.60	47.50	74.10	
6.	वर्तमान जिला पुस्तकालयों का विकास एवं नये जिला पुस्तकालय की स्थापना	425.00	50.00	50.00	-	50.00	-	50.00	-	50.00	

जी०एन०-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

शिक्षा विभाग
(माध्यमिक)

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- सामान्य शिक्षा

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 अनुमानित व्यय कुल	1989-90 अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
7.	ग्रामीण क्षेत्रों के बालकों को माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ रही बालिकाओं के लिए सुविधा	-	48.00	33.00	-	33.00	-	120.00	-	120.00	
8.	उ. मा. विद्यालयों में बालचर योजना	12.00	4.00	4.00	-	4.00	-	4.00	-	4.00	
9.	सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान	-	10.00	4.00	-	4.00	-	-	-	-	
	चालू योजनाओं का योग	479.50	335.30	235.00	-	235.00	-	345.60	47.50	393.10	
	नई योजना										
(1)	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (बालिका) का भवन निर्माण	-	-	-	-	-	-	-	800.00	800.00	
	चालू व नई योजना का योग	479.50	335.30	235.00	-	235.00	-	345.60	847.50	1193.10	

जिला योजना वर्ष 1990-91

प्राविधिक शिक्षा

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद - शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- प्राविधिक शिक्षा

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
	20-प्राविधिक शिक्षा										
	पोलीटेकनिक का सुदृढीकरण										
	(क) साज सज्जा का नवीनीकरण	-	700.00	-	-	-	-	-	-	-	
	(ख) पोलिटेकनीक की स्थापना, भवन निर्माण (कर्मशाला) एवं क्वार्टर्स	-	-	3465.00	3465.00	3465.00	3465.00	-	2500.00	2500.00	
	(ग) पोलिटेकनीक के विस्तार की योजना										
	(1) पुस्तकालयों का सुदृढीकरण	-	-	15.00	-	15.00	-	20.00	-	20.00	
	(2) गुणात्मक सुधार कार्यक्रम	-	-	120.00	-	120.00	-	175.00	-	175.00	
	(3) आवर्तक व्यय	-	-	95.00	-	95.00	-	100.00	-	100.00	
	(4) अनुरक्षण स्टाफ	-	-	5.00	-	5.00	-	5.00	-	5.00	
	योग चालू योजना	-	700.00	3700.00	3465.00	3700.00	3465.00	300.00	2500.00	2800.00	

जी0एन0-2

खेलकूद

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(हजार रुपये)

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद- खेलकूद

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
21-	खेलकूद										
1.	ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद केन्द्रों की स्थापना	8.53	3.20	3.20	2.00	3.20	2.00	-	-	-	
2.	विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन	50.05	30.00	30.00	-	30.00	-	35.00	-	35.00	
3.	क्रीडा उपकरणों/सामग्री की सम्पूर्ति	79.90	30.00	30.00	-	30.00	-	35.00	-	35.00	
	योग चालू योजनायें	138.48	63.20	63.20	2.00	63.20	2.00	70.00	-	70.00	

-98-

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

प्रादेशिक विकास दल

जनपद-गाजियाबाद

योजनावार व्यय/परिव्यय

(1) उप विकास मद- शिक्षा

(2) मुख्य विकास मद-युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
	22-युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल										
1.	स्वयं सेवकों का सुदृढीकरण	767.80	225.00	382.00	-	382.00	-	100.00	-	100.00	
2.	युवक/महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन	794.19	132.00	147.00	-	147.00	-	107.00	-	107.20	
3.	ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता	95.20	35.00	35.00	-	35.00	-	41.00	=	41.00	
4.	युवक मंगल दल सेमिनार	12.00	8.00	8.00	-	8.00	-	12.00	-	12.00	
5.	समाज सेवा सुदृढीकरण	90.00	97.61	110.00	-	110.00	-	603.34	-	1	
6.	प्रकीर्ण व्यय	326.50	229.60	60.00	-	60.00	-	50.00	-	50.00	
7.	ग्रामीण क्षेत्रों में व्यायामशाला	1097.20	42.00	160.00	120.00	160.00	-	142.40	-	142.40	
8	धर्मदान कार्य	70.00	15.00	15.00	-	15.00	-	5.00	-	5.00	
9.	सर्वश्रेष्ठ मंगल दल को विवेकानन्द यूथ एवार्ड	-	6.00	6.00	-	6.00	-	12.00	-	12.00	
10.	साहसिक कार्यक्रम	-	5.00	20.00	-	20.00	-	10.00	-	10.00	
11.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	-	5.00	5.00	-	5.00	-	10.00	-	10.00	
12.	स्काउट एवं गाइड	-	-	9.00	"	9.00	-	19.40	-	19.40	
	योग चालू योजनायें	3252.89	800.21	957.00	120.00	957.00	-	1112.34	-	1112.34	

-87-

जी०एन०-2

जिला योजना वर्ष 1990-91 चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

1. उप विकास मद- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

2. मुख्य विकास मद- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
	23-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें										
1.	उपकेन्द्रो का भवन निर्माण	600.00	200.00	700.00	700.00	700.00	700.00	-	800.00	800.00	
2.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो के भवन निर्माण	2192.00	200.00	1300.00	1300.00	1300.00	1300.00	-	1600.00	1600.00	
.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना एवं भवन निर्माण	11779.00	800.00	2400.0	2400.0	2400.0	2400.0	-	2215.00	2215.00	
.	नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना	1550.00	1917.00	1445.0	-	1445.0	-	250.00	-	250.00	
.	उपचारिका सेवाओं का प्रसार	-	-	50.00	-	50.00	-	100.00	-	100.00	
.	पुरुष तथा महिला चिकित्सालयो की स्थापना	240.00	70.00	120.00	-	120.00	-	-	-	-	
	अस्पतालों में साज-सज्जा एवं अन्य आवश्यक सामग्री										
	1. डीजल जनरेटर की स्थापना	275.00	100.00	50.00	-	50.00	-	-	-	-	

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

(2) मुख्य विकास मद- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें (हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2.	एम्बुलेंस (ड्राईवर का क्वाटर एवं 2पद ड्राईवर एवं क्लीनर)	130.00	130.00	27.00	-	27.00	-	31.00	120.00	151.00	
3.	चीरघर का निर्माण	-	-	50.00	-	50.00	-	-	-	45.00	
4.	आवश्यक साज सज्जा एवं उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	150.00	150.00	
	-शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में होम्योपैथिक औषधालयों की स्थापना	1000.0	250.0	250.00	-	250.00	-	-	200.00	200.00	
	चालू योजनाओं का योग	17526.0	3597.0	6392.0	4400.0	6392.0	4400.0	381.00	5085.00	5466.00	
	नई योजनायें										
	-अस्पतालों का (जिला अस्पताल) नवीनीकरण, विस्तार बिजली एवं पानी की व्यवस्था	-	-	-	-	-	-	18.00	1000.00	1018.00	एक पम्प आपरेटर की नियुक्ति
	नई व चालू योजनाओं का योग	17526.0	3597.0	6392.0	4400.0	6392.0	4400.0	399.00	6085.00	6484.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

आयुर्वेदिक एवं यूनानी

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य

(2) मुख्य विकास मद- आयुर्वेदिक एवं यूनानी

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनाऐं											
23-(ख)	आयुर्वेदिक एवं यूनानी										
1.	प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 25/15 शैय्याओं युक्त आयु0/यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	145.10	268.00	400.00	-	400.00	-	250.00	-	250.00	
2.	ग्रामीण क्षेत्रों में आयु./यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	134.02	194.00	344.00	-	344.00	-	300.00	-	300.00	
3.	वर्तमान आयु./यूनानी औषधालयों का पुरोन्नयन	-	-	30.00	-	30.00	-	-	-	-	
4.	आयु./यूनानी अधिकारियों के कार्यालयों की स्थापना तथा प्रसार	115.00	22.00	15.00	-	15.00	-	-	-	-	
	योग चालू योजनाऐं	394.12	484.00	789.00	-	789.00	-	550.00	-	550.00	
	महा योग चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य	17920.12	4081.00	7181.00	44.00	7181.00	44.00	945.00	6085.00	7034.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जल निगम

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- पेयजल एवं जनोत्सरण

(2) मुख्य विकास मद-ग्रामीण पेयजल(जल निगम)

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
24-	**जल निगम**										
	1. ग्रामीण जल सम्पूर्ति (न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम)	2000.00	2500.00	2750.00	2750.0	2750.0	2750.0	-	2400.00	2400.00	
	2. खोड जल समूह योजना	-	-	1000.00	1000.0	1000.0	1000.0	-	760.00	760.00	
	3. साकीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (विस्तार)	-	-	-	-	-	-	-	665.00	665.00	
	योग चालू योजनायें	2000.00	2500.00	3750.00	3750.0	3750.0	3750.0	-	3825.00	3825.00	

(पेयजल (ग्राम्य विकास))

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद-पेयजल एवं जलोत्सारण

(2) मुख्य विकास मद- पेयजल (ग्राम्य विकास)

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनाएं										
	25-पेयजल (ग्राम्य विकास)										
	हरिजन पेयजल योजना	1241.00	1000.00	1000.0	1000.0	1000.0	1000.0	-	1100.00	1100.00	
	योग चालू योजनाएं	1241.00	1000.00	1000.0	1000.0	1000.0	1000.0	-	1100.00	1100.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

आवास एवं नगर विकास

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- आवास एवं नगर विकास

(2) मुख्य विकास मद- आवास

(हजार रुपये)

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	आवास										
	नई योजना										
(1)	पूल्ड आवास	-	-	-	-	-	-	-	650.00	650.00	
	योगनई योजना	-	-	-	-	-	-	-	650.00	650.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

(आवास/राजस्व विभाग)

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- आवास एवं नगर विकास

(2) मुख्य विकास मद - आवास

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय			
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजना										
	ग्रामीण आवास										
	राजस्व विभाग	-	-	400.00	400.00	400.00	400.00	-	-	-	-
	योग चालू योजना	-	-	400.00	400.00	400 .00	400.00	-	-	-	-

96-

जा0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

ग्रामीण आवास

जनपद-गाजियाबाद

योजनावार व्यय/परिव्यय

(ग्राम्य विकास)

(1) उप विकास मद-आवास एवं नगर प्रत्यावास

(2) मुख्य विकास मद-ग्रामीण आवास

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक परिव्यय		1989-90 का अनुमोदित परिव्यय		1989-90 का अनुमानित व्यय परिव्यय		वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय		
			पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनायें										
26-	ग्रामीण आवास										
	ग्रामीण आवास	1166.61	100.00	3420.00	3420.00	3420.00	3420.00	-	1000.00	1000.00	-
	योग चालू योजनायें	1166.61	100.00	3420.00	3420.00	3420.00	3420.00	-	1000.00	1000.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

सूचना विभाग

जनपद-गाजियाबाद

योजनावार व्यय/परिव्यय

(1)उप विकास मद-सूचना एवं प्रसार

(2)मुख्य विकास मद-सूचना विभाग

(हजार रूपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजना											
27-	सूचना विभाग										
	तहसील स्थित सूचना कार्यालय की स्थापना	-	50.00	50.00	-	50.00	-	50.00	-	50.00	
	योग चालू योजनायें	-	50.00	50.00	-	-50.00	-	50.00	-	50.00	

-76-

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91
योजनावार व्यय/परिव्यय

अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछडी जाति कल्याण

जनपद-गाजियाबाद

§1§ उप विकास मद-अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछडी जाति कल्याण

§2§ मुख्य विकास मद- अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछडी जाति कल्याण

§हजार रुपये§

क्रं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनाऐं										
	28-अनुसूचित जाति कल्याण										
	छात्रवृत्ति										
1.	§अ§ जूनियर हाई स्कूल स्तर§कक्षा-6-8तक§	720.00	341.00	341.70	-	341.70	-	600.00	-	600.00	
	§ब§ प्राइमरी स्तर पर §कक्षा 1-5तक§	526.00	779.00	779.00	-	779.00	-	1100.00	-	1100.00	
2.	विभाग द्वारा सहायता प्राप्त प्राइमरी पाठशालों पुस्तकालय एवं छात्रावास को अनुदान, सुधार विस्तार	80.00	105.00	180.00	-	180.00		500.00	-	500.00	
3.	**अन्य पिछडी जातियों का विवरण**										
	शिक्षा छात्रवृत्ति										
	§अ§ जूनियर हाई स्कूल§6-8तक§	209.00	20.00	200.00	-	200.00	-	400.00	-	400.00	
	§ब§ प्राईमरी स्तर §1-5तक§	203.30	200.00	367.20	-	367.20	-	596.00	-	596.00	
	योग चालू योजनाऐं	1738.30	1445.00	1867.90	-	1867.90	-	3196.00	-	3196.00	

-97-

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

शिल्पकार प्रशिक्षण

जनपद-गाजियाबाद

1. उप विकास मद- श्रम एवं श्रम कल्याण

2. मुख्य विकास मद- श्रम एवं श्रम कल्याण

(हजार रुपये)

सं. योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	विवरण
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनाऐं										
-आई0टी0आई0गाजियाबाद										
वर्तमान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण										
1. साज सज्जा एवं उपकरणों का क्रय 2. दो अनुदेशकों का वेतन 3. कार ड्राईविंग प्रशिक्षण पर व्यय 4. नये व्यवसायों का खोला जाना 5. एक इलैक्ट्रोनिक्स अनुदेशकों का वेतन	672.11	650.00	200.00	-	200.00	-	200.00	-	200.00	
व्यवसायों का खोला जाना										
1. औद्यो. प्रशि. संस्थान दुहाई में एक-एक यूनिट										
. विद्युत व्यवसाय एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	15.00	190.00	205.00	
2. औद्यो. प्रशि. संस्थान भवन का निर्माण	-	-	-	-	-	-	-	800.00	800.00	
1. औ. प्र. संस्थान (महिला) में एक यूनिट										
. इलैक्ट्रोनिक्स व्यवसाय (द्वितीय यूनिट) एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	16.00	9.00	25.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

शिल्पकार प्रशिक्षण

जनपद-गाजियाबाद

(1) उप विकास मद- श्रम एवं श्रम कल्याण

(2) मुख्य विकास मद- श्रम एवं श्रम कल्याण

(हजार रुपये)

क्रम.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 का अनुमानित व्यय कुल	1989-90 का अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	2. 7चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन	-	-	-	-	=	=	60.00	-	60.00	वर्कशाप अटे.-2 चौकीदार-2 चपरासी-1 माली/स्वीपर-2
	(स) औ.प्र. संस्थान, नौएडा में एक-1 यूनिट										
	1. इलैक्ट्रोनिक व्यवसाय (द्वितीय यूनिट)	-	-	-	-	-	-	16-00	9.00	25.00	नौएडा क्षेत्र में
	2. मोटर मैकेनिक (एक यूनिट) एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	15.00	785.00	800.00	नये 2 अधिष्ठान खुले है जिनमें मोटर मैकेनिक
	3. विद्युत व्यवसाय (एक यूनिट) एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-,	-	15.00	190.00	205.00	की काफी मांग है
	(द) नौएडा में आई. टी. आई. महिला ब्रांच की स्थापना										
	1. इलैक्ट्रोनिक्स व्यवसाय एक यूनिट एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	16.00	446.00	462.00	
	2. कटाई एवं सिलाई व्यवसाय एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	16.00	33.00	49.00	
	3. डाटा कम्प्यूटर कोर्स प्रोसेसिंग असि. एवं अनुदेशक का वेतन	-	-	-	-	-	-	16.00	500.00	516.00	
	4. 7चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन	-	-	--	-	-	-	59.00	-	59.00	
	चालू एवं नई योजनाओं का योग	672.11	650.00	200.00	-	200.00	-	1244.00	2162.00	3406.00	

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

समाज कल्याण

योजनावार व्यय/परिव्यय

जनपद-गाजियाबाद

§1§उप विकास मद- सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

§2§मुख्य विकास मद-सामाजिकसुरक्षा तथा कल्याण

§ हजार रुपये §

क्र. सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90का अनुमोदित परिव्यय कुल	पूंजीगत	1989-90का अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	वर्ष 1990-91का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	वितरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
चालू योजनायें											
30-समाज कल्याण											
1.	नेत्रहीन, मूक, बधिर एवं शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम विकलांगों को अनुदान	327.00	182.00	138.00	-	138.00	-	138.00	-	138.00	
2.	विभिन्न श्रेणी के विकलांग छात्रों तथा विभिन्न श्रेणी के विकलांग व्यक्तियों के बच्चों को शिक्षा व प्रशिक्षण हेतु अनुदान	65.00	25.00	20.00	-	20.00	-	22.00	-	22.00	
3.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग/सामान आदि खरीदने हेतु अनुदान	15.00	5.00	5.00	-	5.00	-	5.00	-	5.00	
4.	निराश्रित विधवाओं को सहायक अनुदान	3618.60	1331.00	1343.40	-	1343.40	-	2704.21	-	2704.21	
5.	अंकियनों के दाह/कफन संस्कार हेतु अनुदान	2.00	5.00	5.00	-	5.00	-	5.00	-	5.00	
	योग चालू योजनायें	4027.60	1548.00	1511.40	-	1511.40	-	2874.21	-	2874.21	

191

जी0एन0-2

जिला योजना वर्ष 1990-91

योजनावार व्यय/परिव्यय

पुष्ठाहार

(समाज कल्याण)

जनपद-गाजियाबाद

(1)उप विकास खंड- सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

(2)मुख्य विकास खंड- पुष्टाहार

(हजार रुपये)

क्र.सं.	योजना	1985-88 वास्तविक व्यय	1988-89 वास्तविक व्यय	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय कुल	1989-90 का अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1989-90 अनुमानित व्यय कुल	1989-90 अनुमानित व्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय कुल	वर्ष 1990-91 का प्रस्तावित परिव्यय विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजना										
	पूरक पुष्ठाहार										
	(समाज कल्याण)	5148.00	3888.00	400.00	-	400.00	-	4000.0	-	400.00	
	योग चालू योजना	5140.00	3888.00	400.00	-	400.00	-	4000.0	-	400.00	

101

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

जी0एन0-3

जी0एन0-3

<u>जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91</u>

कृषि विभाग

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं. योजना का नाम	इकाई	सातवी योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 89-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 लक्ष्य	अभ्युक्ति
1 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5										
चालू योजनाऐं										
1-प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों के गुणात्मक बीजो के संग्रहण एवं वितरण की योजना										
1. राजकीय कृषि प्रक्षेत्र तलहेटा की स्थापना	सं.	1	1	1	-	-	-	1	1	
2. प्रक्षेत्र पर बीज उत्पादन	कुं.	-	-	52.60	249.92	435.62	-7.	627.00	775.00	
प्रक्षेत्र पर निर्माण कार्य/बीज भंडार निर्माण										
1. बीज गोदाम निर्माण भवन	सं.	-	4	3	-	-	-	-	-	
2. श्रमिक आवास क्वाटर	सं.	5	5	-	-	-	-	-	-	
3. प्रक्षेत्र अधीक्षक आवास गृह	सं.	-	1	-	-	-	-	-	-	
4. ग्रेन गोदाम भवन										
5. सिंचाई नाली निर्माण	मी.	1	1	-	-	-	-	-	-	
6. गेस्ट हाउस निर्माण	सं.	500	500	-	-	500	-	-	-	
7. नलकूप पम्प हाउस	सं.	-	-	-	-	2	-	-	-	
8. फार्म की घेराबंदी	मी.	-	-	-	280	1000	-	-	-	
9. भूसा गोडाउन कम कृषि यंत्र शाला	सं.	-	-	-	-	-	-	1	-	
10. ट्रैक्टर गेरिज	सं.	-	-	-	-	-	-	1	-	
11. थ्रेसिंग फ्लोर	सं.	-	-	-	-	-	-	-	1	
12. रास्ते पर खड़ंजा	सं.	-	-	-	-	-	-	-	400	

-162-

[illegible]0एम0-5

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

उद्यान विभाग

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर-	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
उद्यान विभाग										
1. औद्योगिक फसलों के गुणात्मक उत्पादन बीज सम्बर्द्धन एवं आधुनिकरण की योजना										
1. फलदार एवं शोभाकार पौधों का उत्पादन	स	130837	52003	63715	69750	140100	150000	150000	150000	
2. निर्माण कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-एकएकड में ड्रिपइरीगेशन 1. ग्रीन हाउस 2. ग्लास हाउस 3. प्रोपेगेशन चेम्बर		
2. प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विपणन की योजना										
1. सामुदायिक फसल संरक्षण कार्य	कि.पी.	12000	13045	12352	15762	15058-5	16000	17000	18000	
2. फल संरक्षण प्रशिक्षण कार्य	सं.	500	455	532	587	589	1000	1050	1200	
3. पौध एवं बल्ब उत्पादन सम्बर्द्धन एवं प्रसार की योजना										
1. प्रदर्शन (नवीन उद्यान रोपण)	सं.	-	-	-	-	-	-	-	2	
1. प्रदर्शन (अनुत्पादक उद्यानों का जीर्णोद्धार)	सं.	-	-	-	-	-	-	-	2	

जी०एन०-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91 — गन्ना विभाग

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्रसं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	वर्ष 85-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-78 वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 87-88 वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 88-89 वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 89-90 का लक्ष्य	वर्ष 89-90 वास्तविक उपलब्धि	वर्ष 90-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	चालू योजनाऐं										
1.	सस्ते दर पर फसल रक्षा यंत्र उपलब्धि कराना ।	सं.	500	32	79	110	85	119	119	125	
2.	गन्ना बीज यातायात पर अनुदान	कुं.	22500	412	330	207	4250	4252	4375		
3.	आधारिक गन्ना बीज उत्पादन	हेक्टे.	1800	225	350	307-50	305.40	350.0	360	370	
4.	16 कि.मी. परिधि क्षेत्र में सघनीकरण की योजना	"	100000	20334	19046.66	11652	10568.52	1500	18500	20000	
5.	उ.प्र. में गन्ना विकास (प्रदर्शन)	"	300	60	60	69	63-98	70	60	60	
6.	उर्वरक सघनीकरण (स्टोर निमार्ण)	सं.	1	-	-	1	-	-	-	-	

जी0एन0-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

लघु सीमान्त कृषकों को सहायता

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
5											
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनाऐं											
लघु/सीमान्त कृषकों को सहायता सं.											
1	निशुल्क बोरिंग		-	412	510	773	773	2900	955	1200	-

जी0एन0-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

पशुपालन विभाग

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनायें										
पशुपालन विभाग										
1. पशु चिकित्सक एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार एवं विस्तार										
1. नये पशु चिकित्सालयों की स्थापना	सं0	15	16	16	2	4	8	8	3	
2. नया पशु सेवा केन्द्रो की स्थापना	"	-	-	-	-	-	7	7	-	
3. डी श्रेणी पशु चिकित्सालयों की स्थापना	"	-	-	-	-	-	4	4	4	
2. अस्पताल भवनों का निर्माण	सं.	-	-	1	-	2	-	-	2	
3. खुरपका, मुंहपका रोग की रोकथाक	"	55	2	2	-	-	-	-	10000	
4. पशु प्रजनन केन्द्रो पर सांडो के उत्पादन की योजना										
1. आयातित कुल	सं.	-	2	2	3	3	1	1	1	
2. वर्णशंकर जाति के कुल	सं.	-	-	-	-	-	2	2	2	
5. कृत्रिम ढाचे के सुदृढीकरण की योजना, केन्द्रो की	सं.	-	-	18	18	10	62	62	-	

जी०एन०-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

पशुपालन विभाग

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
6- लघु/सीमान्त कृषकों एवं भूमिहीन मजदूरों को वर्णसंकर बछियों के भरण पोषण हेतु बछिया एवं कुक्कुट एवं सुअर इकाई की स्थापना										
1. वर्णसंकर बछियों की	सं.	-	-	-	-	-	250	250	150	
2. कुक्कुट इकाईयों की सं.	सं.	-	230	58	320	269	150	150	100	
3. सुअर इकाईयों की	सं.	-	-	-	-	-	50	50	15	
7. संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय बाल आपात निधि के सहयोग से व्यवहारिक पुष्टाहार कुक्कुट पालन की योजना	सं.	200	200	200	200	200	200	200	-	
8. राज्यों बकरी, प्रजनन सुविधाओं के प्रसार की योजना	सं.	-	2	2	2	2	2	2	20	
9. शूकर प्रजनन सुविधाओं का प्रसार एवं सुदृढ़ीकरण (सुअरों का क्रय)	सं.	-	2	2	2	2	2	2	2	
10. छुट्टा एवं जंगली पशुओं के उत्पाद रोकने तथा उनको पकड़ने हेतु सुविधाओं की योजना	सं.	-	64	80	80	80	80	80	-	
11. एक दिवसीय पशु प्रदर्शनी	सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	
12. पशुधन विकास सम्बंधी कार्यक्रमों के प्रचारों की योजना	सं.	-	1	1	1	1	1	1	1	
13. चारा/चारा बीज चारागाहों विकास की योजना	सं.	-	1	1	1	-	1	1	1	

जी0एन0-3

मत्स्य विभाग

जिला वार्षिक योजना 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 प्रारम्भ का स्तर	1985-86 के वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 अभ्युक्ति का लक्ष्य
1	2		3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनाऐं											
	मत्स्य बीज वितरण	लाख में	1000000	1000000	1225000	865000	14.055	15.80	15.40	160000	
	मत्स्य उत्पादन	कुन्तल	30	30	15	15	85.54	15.00	65	15	
	तालाबों का सुधार	हे.	100	51.89	87.71	78.30	81.91	80	50	100	
	मत्स्य पालको को प्रशिक्षण	सं.	1000	100	100	100	100	100	100	100	

जी0एन0-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

वन विभाग

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
•	सामाजिक वानिकी	हे.	940	208	240	92	190	200	229.50	100	
•	वनपालों का विकास										
	चेतना केन्द्र का विस्तार निर्माण		1	1	1	1	1	2	1	1	
	शहरी क्षेत्र में सामाजिक वानिकी	सं.	-	-	-	10000	10000	7000	7000	15000	

601

प्रारूप-3

सहकारिता

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 के लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजना										
	सहकारिता विभाग										
.	अधिकोषण योजना	सं0	87	8	8	4	3	90	87	87	
.	क्रय विक्रय एवं भण्डारन योजना	"	91	28	28	37	25	10	11	-	
.	उपभोक्ता योजना	"	87	23	23	30	20	13	12	2	

-110-

जी0एन0=3

क्षेत्रीय विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभियुक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजना											
क्षेत्रीय विकास											
1.	आई. आर. डी. पी.	संख्या	31175 (प्रथम डोज)	2654	3017	2116	5806	7189	5789	7114	
2.	जवाहर रोजगार योजना/ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना	लाख मानव दिवस	15-75	4-90	7-40	7-07	10-18	15-24	9-51	17-15	

जी0एन0-3

पंचायत विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजना										
1. पंचायत उद्योगों के तकनीकी पंचायत उद्योग एवं प्रबन्धकीय सहायता	सं.	2	1	1	1	1	2	-	-	
2. पंचायत राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु उन्हें आय में वृद्धि करने हेतु	सं.	3	3	3	3	3	3	3	3	
3. ग्रामीण पर्यावरण में स्वच्छता हेतु खड़ंजा नाली निर्माण	कि.मी.	68/9	248/10	230/12.5	164	350/13	82/10	115/10	94/15	
4. ग्राम स्तरीय पंचायत भवन का निर्माण	सं.	-	3	5	1	1	1	1	2	ग्राम सभा कादराबाद ग्राम सभा नेकपुर फुलडी
5. पंचायत उद्योगों को कार्यशाला भवन का निर्माण	सं.	-	4	-	2	1	-	2	-	

जी0एन0-3

ग्राम विकास विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ग्राम विकास विभाग											
1-	ग्रामीण हरिजन पेय जल योजना	सं0	10	08	50	64	100	100	100	100	--
2-	जिला विकास कार्यालय भवन का निर्माण	--	--	--	--	--	01	01	01	--	पूर्ण करना
3-	विकास खण्ड भवनों का निर्माण	--	--	--	--	02	09	--	09	27	अवशेष धनराशि से पूर्ण करना ।

जी०एन०-3

लघु सिंचाई विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य /उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
लघु सिंचाई विभाग											
1-	योजना अनुदान	---	400	412	510	773	1270	---	---	---	---
2-	बोरिंग गोदाम	--	4	4	2	2	1	--	--	05	05गोदामों में अतिरिक्त कार्य

जी0एन0-3

राजकीय लघु सिंचाई

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
राजकीय लघु सिंचाई										
1-नवीन नलकूपों का निर्माण	सं0	297 (चलित)	05	7	--	1	1	1	1	--
2-पुनः निर्माण	सं0	58	शून्य	6	3	--	1	1	3	--
3-पक्की गुल/पाइपलाइन	कि0मी0	460	25.34	7.15	--	0.075	4.0	--	6.0	--
4-पी0वी0सी0 पाइपलाइन	" "	---	--	7.950	2.00	9.55	22.4	1.00	10.0	--
5-कच्ची गुल/वराह	" "	452	15.3	53.0	1.5	3.00	8.7	1.00	10.0	--

जी0एन0-3

विद्युत विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विद्युत विभाग										
1-ग्रामों का वि0करण	संख्या	452	47	32	6	9	30	15	20	---
2-हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण सं0	संख्या	452	47	32	15	13	30	15	20	---

जी0एन0-3

उद्योग विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्रम.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
उद्योग विभाग											
	-डीजल इन्जीन प्रशिक्षण	संख्या	16	17	9	12	---	--	16	16	---
	-औद्योगिक प्रदर्शनी	" "	1	1	1	1	1	1	1	1	--
	-जिला उद्योग केन्द्र मार्जिन मनी ऋण में लाभार्थियों की संख्या	सं0	9	7	6	5	5	10	5	5	
	-एकीकृत मार्जिनमनी ऋण में लाभार्थियों की	सं0	16	20	17	20	20	50	--	--	
	-प्रशिक्षण शिविर संख्या	"	8	9	10	10	11	04	15	15	
	-प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थी	"	330	351	331	373	400	1800	750	750	

जी०एन०-3

रेशम विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
नई योजना										
- मॉडल चाकी कीट पालन योजना	--	--	--	--	--	--	--	--	--	
-रेशम कोया उत्पादन	(कि०ग्रा०)	--	--	--	--	--	--	--	750.0	
-शहतूत वृक्षारोपण	एकड	--	--	-	--	--	--	--	10एकड	

जी०एन०-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि सार्वजनिक निर्माण विभाग:-

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(चालू योजनायें)										
सड़क एवं पुल:-										
1- नवनिर्माण(ग्रामीण मार्ग)	(कि.मी.									
(क) मिट्टी स्तर		6.20	6.20	-	-	-	-	-	-	- वर्ष 1990.91 के लक्ष्य केवल चालू कार्यों के दिये जा रहे है वास्तविक लक्ष्य माह अप्रैल 90 में देने सम्भव होंगे नये कार्यों का चयन जिला योजना अनुश्रवण समिति द्वारा किया जायेगा
(ख) खडन्जा स्तर	(कि.मी.	69.80	25.0	28.60	+0.20	6.0	1.0	7.0	4.0	
(ग) लेपन स्तर	(कि.मी.	129.55	11.0	36.05	37.50	38.0	49.0	15.0	12.0	
2- पुनर्निर्माण	(कि.मी.					7.0				
3- सेतु निर्माण	संख्या-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4- पुल/पुलिया	,,									
(क) मध्य सतह	,,	-	-	-	-	-	1	-	-	-
(ख) उपरी सतह	,, -	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5- अन्य विभागों के मार्गों का का पुनर्निर्माण	कि.मी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6- छोटी कड़ियों का निर्माण		-	-	-	-	-	-	-	-	-
7- उप-मार्गों का निर्माण	कि.मी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8- लघु सेतुओं का पुनर्निर्माण	संख्या	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9- सेतुओं के पहुंच मार्ग	कि.मी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-

-119-

जी०एन०-3

अर्थ एवं संख्या प्रभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद- गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	अर्थ एवं संख्या अधिकारी कार्यालय में साज सज्जा एवं उपकरणों की पूर्ति										
1.	स्टील आलमारी	सं.	-	-	-	-	-	6	6	10	
2.	स्टील आलमारी (विधि लाइब्रेरी हेतु)	सं.	-	-	-	-	-	-	-	1	
3.	कूलर	सं.	-	-	-	-	-	2	2	6	
4.	रिकार्ड रैक बड़े (लोहे की)	सं.	-	-	-	-	-	-	-	6	
5.	बिजली का डुप्लीकेटर	सं.	-	-	-	-	-	1	1	1	
6.	वाटर कूलर	सं.	-	-	-	-	-	-	-	1	
7.	साइड रैक	सं.	-	-	-	-	-	-	-	5	
8.	अमोनिया प्रिन्ट	सं.	-	-	-	-	1	-	-	-	
9.	इलैक्ट्रोस्टेट	सं.	-	-	-	-	1	-	-	-	
10.	ट्रेसिंग टेबिल	सं.	-	-	-	-	-	1	1	-	

जी०एस०-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र. सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
वेसिक शिक्षा										
1-असहायिक मान्यता अशा० स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान	संख्या	09	20	10	5	5	5	9	9	
2-ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में भवन रहित स्कूलों में भवन निर्माण हेतु अनुदान	संख्या	15	--	--	15	10	--	9	20	
3-ग्रामीण क्षेत्रों में विशिष्ट जू०वे० स्कूलों को खोलने हेतु	संख्या	14	--		01	01	02	03	10	
4-ग्रामीण क्षेत्र में छात्र संख्या वृद्धि तथा स्थिरता हेतु बालिकाओं तथा निर्बल वर्ग के बालकों को पाठ्य पुस्तकों वितरणार्थ प्रोत्साहन अनुदान	संख्या	90	--	--	25	30	--	35	--	

जी0एन0-3

बेसिक शिक्षा

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5- ग्रामीण क्षेत्रों में बालक बालिकाओं के जू0बे0 स्कूलों को खोलने हेतु अनुदान	संख्या	31	8	4	9	--	3	--	--	
6-नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में आयु वर्ग 6-14 वर्ष के बच्चों के लिये अंशकालीन कक्षाएं खोलने हेतु अनुदान	सं0	1700	--	--	200	200	--	625	700	
7-बेसिक शिक्षा कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	सं0	--	--	--	--	01	--	01	--	
8-प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6 से 8तक 10/-प्रति माह की दर से 3वर्ष के लिये छात्रवृत्ति	सं0	674	--	80	80	350	118	350	90	
9-बेसिक स्कूलों के अध्यापकों को क्षमता पुरस्कार	सं0	21	4	4	4	4	--	5	100	

जी0एन0-3

बेसिक शिक्षा

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
10-निशुल्क पाठ्य पुस्तक को उपलब्ध कराने हेतु सी0नि0 स्कूलों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान	सं0	195	--	--	15	20	--	20	10	
11-ग्रामीण क्षेत्रों में सी0बे0 स्कूलों के लिये साज सज्जा हेतु अनुदान	सं0	60	10	10	10	20	--	20	--	
12-जू0बेसिक स्कूलों में शिक्षण सामग्री हेतु अनुदान	सं0	60	10	10	10	10	--	20	--	
13-खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाहर शैक्षिक कार्यक्रमों तथा युवकों के कल्याणार्थ प्राविधान	सं0	2	--	-	--	1	--	1	300	

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनाएं										
माध्यमिक शिक्षा										
1. सहायता प्राप्त उ. मा. विद्यालयों में पुस्तकालय सम्वर्द्धन	सं.	9	-	-	-	5	4	4	10	
2. जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	सं.	-	-	-	-	1	-	-	-	
3. प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6-8तक 15/-रु प्रतिमाह की दर से 3वर्षों के लिये योग्यता छात्रवृत्ति	सं.	85	85	85	85	85	124	85	87	
4. खोलकूद तथा अन्य विद्यालय के बाहर शैक्षिक कार्यक्रम तथा युवकों के कल्याणार्थ	सं.	1	1	1	1	1	-	1	1	
5. सहायता प्राप्त उ. मा. विद्यालयों में छात्रवृत्ति तथा सैनेटी सुविधा अनुदान	सं.	9	-	-	-	2	-	7	6	
6. वर्तमान जिला पुस्तकालयों का विकास एवं नये जिला पुस्तकालय की स्थापना	सं.	1	-	-	1	1	-	1	1	
7. ग्रामीण क्षेत्रों के बालकों के मा. विद्या.	सं.	-	-	-	-	2	1	2	2	
8. उ. मा. विद्यालयों में बालचर योजना	सं.	10	10	10	10	10	10	10	10	
9. सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान	सं.	1	-	-	-	1	1	1	-	
10. राजकीय उ. मा. विद्यालय (बालिका) का भवन निर्माण	"	-	-	-	-	-	-	-	1	

-124-

जी०ए न०-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि विभाग- राजकीय पोलीटेक्नीक:

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
I प्राविधिक शिक्षा (चालू योजनायें):-										
1• पोलीटेक्नीक की स्थापना एवं भवन निर्माण	संख्या	1	-	-	-	-	1	1	1	राजकीय पोलीटेक्नीक में चल रहे कार्यों को पूर्ण करने हेतु
2• कर्मशाला निर्माण	,,	1	-	-	-	-	1	1	-	
3• आवासीय क्वार्टर्स एवं बाउंड्रीवाल	,,	80	-	-	-		80	80	-	
4• पोलीटेक्नीक की स्थिति	,,	1	-	-	-		1	1	-	
5• पोलीटेक्नीक की क्षमता	,,	120	-	-	-	-	120	120	-	
6• साज सज्जा का नवीनीकरण	,,	-	-	-	-	1	1	1	-	

125

जी0एन0-3

खेलकूद

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनाऐं										
खेलकूद										
1. ग्रामीण खेलकूद केन्द्रों की स्थापना	सं.	19	7	8	2	2	2	-	-	
2. खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजना	सं.	20	7	10	5	2	15	6	6	
3. प्रशिक्षण शिविर	सं.	6	6	8	-	6	10	40	40	

प्रादेशिक विकास दल

प्रारूप-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1 2	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
प्रादेशिक विकास दल	-									
1. स्वयं सेवकों का सुदृढीकरण		460	460	560	405	301	270	270	100	
2. युवक/महिला मंगल दल प्रोत्साहन		395	395	130	137	129	140	140	100	
3. ग्रामीण खेलकूद		4000	4000	2000	4100	1400	1200	1200	1800	
4. व्यायाम शाला की स्थापना		6	6	2	1	1	-	-	2 व्यायाम शालाओं की चार दिवारी	
5. समाज सेवा कार्य		350	350	200	271	11	11	11	100+13+100=213	
6. सेमिनार		5000	5000	1500	2900	1090	5500	5500	1150	
7. प्रकीर्ण व्यय		-	-	-	-	-	-	-	-	
8. विवेकानन्द यूथ एवार्ड		-	-	1	1	1	1	1	2	
9. साहसिक कार्यक्रम		-	-	-	-	1	1	1	1 शिविर	
10. सांस्कृतिक कार्यक्रम		-	-	-	-	1	1	1	10 विकासखण्ड पर	
11. एकाउट एंड माइक प्रशिक्षण		-	-	-	-	-	1	1	1 शिविर	
12. श्रमदान		5000	5000	1500	4000	-	1000	1000	1 शिविर 35 स्वयंसेवक कार्य 10 दिन तक करेंगे।	

जी०एन०-3

चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनायें										
चिकित्सा तथा जनस्वास्थ्य										
1. उपकेन्द्रों का भवन निर्माण	सं.	3	2	2	8	-	8	8	10	भूमि उपलब्ध है
2. प्रा. स्वा. केन्द्र का भवन निर्माण	सं.	2	-	1	1	2	-	-	2	भूमि उपलब्ध है 1. झड़ीना, 2. मंडोला
3. सा.मु. स्वा. केन्द्रों का भवन निर्माण	सं.	2	-	1	1	-	-	-	2	भूमि उपलब्ध है 1. सपुनावृत 2. गढ़
4. प्रा. स्वा. केन्द्रों की स्थापना	सं.	-	6	12	2	6	2	2	5	1. दौताई. 2. रेवड़ी रेवड़ा 3. बम्हेटा 4. भगोडा 5. बड़ोली
5. उपचारिका सेवाओं का प्रसार	सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	
6. चीरघर का निर्माण	सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	
7. पुरुष तथा महिला चिकित्सालय की स्थापना	सं.	2	-	-	-	-	-	-	-	
8. डीजल जनरेटर	सं.	-	-	-	1	-	-	-	-	
9. एम्बुलेंस की स्थापना	सं.	-	-	-	1	-	-	-	-	
10. होम्योपैथिक औष. की स्थापना	सं.	5	-	-	2	2	-	-	-	

जी०एन०-3

आयुर्वैदिक एवं यूनानी

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद गाजियाबाद

क्र. सं. योजना	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनायें										
आयुर्वैदिक एवं यूनानी										
1. ग्रामीण क्षेत्रों में चार शैय्यायुक्त नये आयु./यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	सं.	10	2	-	3	-	5	5	5	
2. शहरी क्षेत्रों में 25 शैय्यायुक्त नये आयु./यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	सं.	5	-	1	-	-	1	1	2	
3. राजकीय आयु./यूनानी चिकित्सालयों के भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण	सं.	-	-	-	-	-	-	-	1	

जी0एन0-3

जल निगम

जिला वार्षिक योजना कार्य 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि का लक्ष्य	1990-91	अभ्युक्ति
2		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजनायें										
	जल निगम										
	ग्रामीण जल सम्पूर्ति	सं.	730	-	156	230	244	100	100	130	

जी०एन०-3 | पुलिस हाउसिंग (राजस्व)

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	पुलिस आवासीय भवन										
	(राजस्व विभाग)										
	नई योजना										
	आवासीय भवन	संख्या	-	-	-	-	-	-	-	2	

-131-

जी0एन0-3

ग्रामीण आवास

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

(ग्राम्य विकास विभाग)

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र. सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ग्राम्य विकास विभाग											
ग्रामीण आवास											
	आवासों का निर्माण	सं.	1026	346	127	107	45	3420	1976	1000	

जी०एन०-3

सूचना विभाग

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजनाऐं										
सूचना विभाग										
तहसील सूचना कार्यालय की स्थापना	सं.	1	-	-	1	1	1	1	1	

जी0एन-3   अनुसूचित कल्याण

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91
भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र0सं0	योजना का नाम	ईकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि		1989-90 का लक्ष्य	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8		9	10	11
	अनुसूचित कल्याण(चालू योजनाएं)										
	1-छात्रवृत्ति पाठ्य पुस्तकोंय तथा उपकरणों हेतु अनावर्तक सहायता (ज0हा0स्कूल(6-8 तक)										
	1-निर्धनता के आधार पर	सं0	10236	1562	1750	3500	2000	2424	1424	1562	
	2-योग्यता के आधार पर	सं0	1000	1000	750	1500	1000		1000		
	2-प्राइमरी स्तर(1-5तक)										
	1-निर्धनता के आधार पर	सं0	15163	1666	3000	2499	2499	7499	5499	5895	
	2-योग्यता के आधार पर	सं0	14500	3500	3500	3500	2000		2000		
	2-दशम एवं दशमोत्तर कक्षा की अन्तिम परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्रों को विशेष पुरस्कार	सं0	232	85	37	50	60	---	--	--	
	3-सहायता प्राप्त अ0पाठशाला पुस्तकालयों एवं छात्रावासों को अनुदान	सं0	3	2	2	2	2	3	3	8	

जी०एन०-3

अनुसूचित कल्याण

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्रम. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अन्य पिछड़ी जातियों का विकास										
छात्रवृत्ति पाठ्य पुस्तकीय तथा उपकरणों हेतु अनावर्तक सहायता										
जूनियर हाई स्कूल (6-8)तक										
1. निर्धनता के आधार पर	सं.	500	350	1100	750	500	500	500	500	
2. योग्यता के आधार पर	सं.	333	-	177	250	250	333	333	416	
प्राइमरी स्कूल (1-5)तक										
1. निर्धनता के आधार पर	सं.	1400	-	488	173	700	1400	1400	1600	
2. योग्यता के आधार पर	सं.	1150	583	666	694	300	1150	1150	1204	

जी0एन0-3

शिल्पकार प्रशिक्षण

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जनपद-गाजियाबाद

क्र.सं.	योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1		2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजनायें										
1.	वर्तमान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार एवं सुदृढीकरण	सं.	2	2	2	2	2	2	2		क-साजसज्जा एवं उपकरणों पर व्यय ख-2अनुदेशकों का वेतन ग-कार ड्राइविंग प्रशिक्षण पर व्यय (घ)नये व्यवसायों का खोला जाना ड-एक इलैक्ट्रोनिक्स अनुदेशक का वेतन
2.	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुहाई एवं नौएडा में व्यवसायों का खोला जाना										
	क-औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुहाई	सं.	-	-	-	-	-	-	1		क-1यूनिट विद्युत व्यवसाय की खोला जाना। ख-1अनुदेशक का वेतन
	ख-औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दुहाई का निर्माण	सं.	-	-	-	-	-	-	1		दुहाई संस्थान का भवन निर्माण
	ग-औद्योगिक प्रशिक्षण (महिला) में एक यूनिट इलैक्ट्रोनिक्स व्यवसाय (द्वितीय यूनिट) की स्थापना	सं.	-	-	-	-	-	-	1		क-1अनुदेशक का वेतन ख-7चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन

प्रपत्र-5

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्रमं. योजना का नाम	इकाई	सातवीं योजना 85-90के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
घ-औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नौएडा में एक यूनिट										
1. इलैक्ट्रोनिक्स व्यवसाय (द्वितीय यूनिट)	सं.	-	-	-	-	-	-	1	एक अनुदेशक का वेतन	
2. मोटर मैकेनिक(एक यूनिट) की स्थापना	सं.	-	-	-	-	-	-	1	एक अनुदेशक का वेतन	
3. विद्युत व्यवसाय(एक यूनिट) की स्थापना	सं.	-	-	-	-	-	-	1		
ङ-नौएडा आई.टी.आई. में महिला ब्रांच की स्थापना										
1. इलैक्ट्रोनिक व्यवसाय	सं.	-	-	-	-	-	-	1	एक यूनिट एवं एक अनुदेशक का वेतन	
2. कटाई एवं सिलाई व्यवसाय	सं.	-	-	-	-	-	-	1	एक यूनिट एवं एक अनुदेशक का वेतन	
3. डाटा कम्प्यूटर कोर्स	सं.	-	-	-	-	-	-	1	प्रोसेसिंग आसि्ट. एवं अनुदेशक का वेतन (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का वेतन	

जी0एन0-3

जिला वार्षिक योजना वर्ष 1990-91

जनपद-गाजियाबाद

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

क्र.सं. योजना का नाम	इकाई	सातवी योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	1985-86 वास्तविक उपलब्धि	1986-87 वास्तविक उपलब्धि	1987-88 वास्तविक उपलब्धि	1988-89 वास्तविक उपलब्धि	1989-90 का लक्ष्य	1989-90 अनुमानित उपलब्धि	1990-91 का लक्ष्य	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
समाज कल्याण (चालू योजनाएं)										
1. नेत्रहीन, मूक बधिर एवं शारीरिक रूप से अक्षम तीया व्यक्तियों को विकलांग अनुदान	सं.	155	149	154	154	155	155	155	643	
2. शारीरिक रूप से अक्षम तथा हड्डी के रोग से ग्रस्त विद्यार्थियों को शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षण प्राप्त करने हेतु छात्रवृत्ति एवं विभिन्न रूप से ग्रसित व्यक्तियों को छात्रवृत्ति	सं.	350	350	40	40	100	100	100	104	
3. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग आदि खरीदने हेतु अनुदान	सं.	2	2	2	2	2	2	2	10	
4. निराश्रित विधवाओं को सहायक अनुदान	सं.	1777	1666	1684	1684	1227	3577	3577	3577	
5. अंकिचनो का दाह/संस्कार हेतु अनुदान	सं.	-	-	-	-	-	-	-	-	
6. पूरक पुष्टाहार	सं.	8080	8080	8080	1227	1227	1227	1227	1100	

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

परिशिष्ट - 4

परिशिष्ट-4

विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम- वर्ष 1990-91

जनपद- गाजियाबाद (हजार रुपयों में)

क्र.सं.	विभाग/सेक्टर योजना का नाम	कुल आवश्यकता	विभिन्न स्रोत: जिला योजना के माध्यम	आई.आर.डी.पी.	जे.आर.वाई.	स्व-रोजगार वित्त	अन्य स्रोत: केन्द्रांश	विश्व बैंक अंश	ग्राम सभा का अंश	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	ग्राम्य विकास विभाग									
	लघु/सीमान्त कृषकों की उत्पादन बढ़ाने हेतु योजना	4200.00	2100.00	-	-	-	2100.00	-		
2	पशुपालन विभाग									
	(1) खुरपका/मुँहपका रोग के रोकथाम की योजना	20.00	10.00	-	-	-	10.00	-		
	(2) लघु/सीमान्त कृषकों व भूमिहीन श्रमिकों के लाभार्थी वर्णसंकर गायों के गर्भ रक्षा हेतु संतुलित आहार, कुक्कुट, भेड़ व शूकर इकाइयों की स्थापना।	730.00	365.00	-	-	-	365.00	-		
3.	मत्स्य विभाग									
	मत्स्य पालक विकास अभिकरण	312.00	196.00	-	-	-	116.00	-		
4	वन विभाग									
	(1) सामाजिक वानिकी कार्यक्रम	13670.00	6835.00	-	-	-	-	6835.00		

	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	क्षेत्रीय विकास									
	(1) ग्राम्य विकास विभाग एकीकृत ग्राम्य विकास	18950.00	9475.00	9475.00	—	—	—	—	—	—
	(2) जवाहर रोजगार योजना/ राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम	61755.00	12351.00	—	49404.00	—	—	—	—	—
	अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम									
	पंचायत विभाग									
	(1) ग्रामों के पर्यावरण के स्वच्छता हेतु रपटा नाली निर्माण।	1650.00	1500.00	—	—	—	—	—	150.00	-
	(2) ग्राम स्तरीय पंचायत भवनों का निर्माण	158.00	144.00	—	—	—	—	—	14.00	—
7.	ग्रामीण एवं लघु उद्योग									
	(1) महिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से मार्जिन मनी [illegible]	200.00	100.00	—	—	—	100.00	—	—	—
	शिक्षा विभाग									
	(1) नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 6-14 वर्ष के बच्चों को अंशकालीन कक्षाएं खोलने हेतु अनुदान।	2000.00	1000.00			—	1000.00	—	—	—

-140-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
9.	जल सम्पूर्ति एवं स्वच्छता जल निकास (i) ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम	9825.00	3825.00	—	—	—	6000.00	—	—	—
10.	आवास [illegible] (i) ग्रामीण आवास	7000.00	1000.00	—	—	—	3000.00	—	—	3000.00 ग्रामीण आवास वाईज [illegible]
	कुल योग	120470-00	38901-00	9475.00	49404.00	—	12691-00	6835.00	164.00	3000.00

-14-

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

परिशिष्ट - 5

1	2	3	4	5	6	7		8	9	10	11
						कांक्री	पक्का				
8.	काकड़ा से सलेमाबाद रेवरी रेवरा मार्ग	2.00	4.00	4.40	8/87	-	0.75	3.40	1.00	1.20 पक्का	
9.	रेवरी रेवरा मार्ग का शेष भाग	1.00	2.40	2.64	2/89	-	-	1.84	0.80	1.00 "	
10.	माधोपुर औरंगाबाद मांडरा का शेष भाग	2.00	4.00	4.40	8/87	-	-	2.80	1.60	2.00 "	
11.	दांतीमाता सिमावली	1.00	2.00	2.20	2/89	-	-	1.40	0.80	1.00 "	
12.	पल्टवाड़ा - बदरा बुजाद	3.00	10.50	11.55	2/89	-	-	9.15	2.40	3.00 "	

नोट :- नये कार्य अलग से प्रेषित किये जायेंगे।

-143-

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

जनपद के आधार भूत आंकडे

-X-

जनपद के आधारभूत आंकड़े

जनपद- -गाजियाबाद

क्र0सं0	मद	सर्वेक्षण काल	आंकड़े
1-	कुल ग्रामों की संख्या	1988-89	780
2-	कुल आबाद ग्रामों की संख्या	,,	704
3-	विकास खण्डों की संख्या (नाम सहित)	,,	10
	1- गढ़ 2- सिम्भावली 3- हापुड 4- भोजपुर 5- धौलाना 6- रजापुर 7- लोनी 8- मुरादनगर 9- बिसरख 10- दादरी		
4-	तहसीलों की संख्या (नाम सहित)	,,	45
	(1- गाजियाबाद 2- दादरी 3- हापुड 4- गढ)		
5-	कुल भौगोलिक क्षेत्र (हजार है0)	1985-86	259.00
6-	भूमि उपयोगिता के लिये प्रतिवेदित क्षेत्रफल (हजार है0)	,,	259.46
7-	बनों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार है0)	,,	2.56
8-	उसर व खोती के योग्य भूमि (हजार है0)	,,	9.07
9-	कृषि के अतिरिक्त उपयोग में लाई गई भूमि (हजार हैक्टर से)	,,	35.65
10-	बंजर भूमि का क्षेत्रफल (हजार हैक्टर)	,,	7.25
11-	कृषि योग्य बंजर भूमि का क्षेत्रफल	,,	
12-	स्थाई चरागाह (हजार है0)	,,	0.50
13-	अन्य उद्यानों/वृक्षों की फसलों का क्षेत्रफल (हजार है0)	,,	1.46
14-	वर्तमान परती भूमि (हजार हैक्टर)	,,	9.24
15-	अन्य परती भूमि (हजार है0)	,,	8.80
16-	शुद्ध बोया गया क्षेत्र (हजार है0)	,,	184.94
17	सकल बोया गया क्षेत्रफल (हजार है0)	,,	308.75

18- मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार है0)	1987-88	क्षेत्र हजार हैक्टेयर में	उत्पादन हजार टन
1- धान	1987-88	8000	12.88
2- गेहूँ	,,	108.20	245.097
3- ज्वार	,,	1.232	0.47
4- बाजरा	,,	8.91	2.63
5- मक्का	,,	36.63	38.44
6- चना	,,	1.34	1.50
7- जौ	,,	3.13	7.19
8- उर्द	,,	0.52	0.24
9- मूंग	,,	1.04	0.37
10- अरहर	,,	1.26	1.04
11- मटर	,,	4.59	4.92
12- मसूर	,,	0.967	0.43
13- मूंगफली	,,	-	-
14- लाही/सरसों	,,	3.38	2.26
19- खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार है0)		142.78	-
20- रबी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र	,,	135.93	-
21- जायद फसलों के अन्तर्गत (हजार है0)		11.14	-
22- जोतों की संख्या तथा उन के अन्तर्गत क्षेत्र		1982 के अनुसार संख्या	क्षेत्र है0
1- एक हैक्टेयर तक कम		102509	39-24
2- 1 से 3 हैक्टेयर के बीच	,,	43509	77.23
3- 3 से 5 हैक्टेयर के बीच	,,	10138	41.01
4- 3 से 5 हैक्टेयर तथा उस से अधिक		4825	27-14

23- जनसंख्या (000)	1981	नगर	ग्रामीण	योग
1- पुरुष	,,	345.82	661.64	1007.46
2- स्त्रियाँ	,,	283.26	552.41	835.67
कुल 1981	,,	629.08	1214.05-	1843.13

24- पिछड़े समुदायों की जनसंख्या (000में)				
1- अनुसूचित जाति	1971	51-81	200-94	252-75
	1981	104-20	258-84	363.04
2- अनुसूचित जनजाति	,,	37	28	65

1	2	3	4	5
25-स्थायी प्रवाहशील नदियाँ (मानदेय)		38·39	गंगा (38) जमुना (35) हिन्डन (काली नदी (30))	
26-मौसमी नदियाँ/नाले (कि०मी०)		" "	शून्य	
27-सामान्य वर्षा (मि०मि०)			776	
28-वास्तविक महत्व औद्योगिक उत्पादन		" "	1-सिंचाई मशीनरी 2-लोहे का सामान 3-कपड़ा 4-चीनी-शराब 4-बिजली का सामान	
29-पुलों के नाम		हिन्डन नदी		
क-गाजियाबाद		हिन्डन नदी		
ख-कुलेसरा		हिन्डन नदी		
ग.-अनेडा		" "		
घ-बृजघाट		गंगा नदी		
ङ-हापुड		काली नदी		
च-लोनी		हिन्डन		
30-सड़कों की लम्बाई (कि०मी०)				
क-राष्ट्रीय मार्ग			84-00	
ख-राजकीय मार्ग			94-00	
ग-असमतल			---	
31-विद्युत				
हाईअन्टेंशन लाइन				
क-किoवाo (कि०मि०) 11000			3521·478	
ग-33किoवाo (मि०मि०)			523·52	
32-नगरों की संख्या जिनमें बिजली है।		1-गाजियाबाद 2-हापुड 3-मोदीनगर 4-मुरादनगर 5-दादरी 6-पिलखुवा 7-लोनी 8-पतला 9-निवाड़ी 10-गढ़ 11-फरीदनगर 12-बाबूगढ़ 13-डासना		
2-जिनमें बिजली नहीं है।		शून्य		
33-ग्रामों की संख्या जिनमें बिजली है				
अ-केन्द्रीय परिभाषा के अनुसार			682	
ब-जिनमें एल०टी०लाइन्स लगी है।			468	
2-जिनमें बिजली नहीं है (आबाद)			22	

2	3	4
34-जल सम्पूर्ति	1988•89	
क-नगरों की संख्या व नाम	" " 11	1-गाजियाबाद 2-मोदीनगर 3-हापुड 4-पिलखुवा 5-मुरादनगर 6-लोनी 7-गढ 8-दादरी 9-निवाडी 10-बाबूगढ 11-डासना 1-फरूखनगर 2-करोबनगर
ग-नगरों की संख्या व नाम जिनमें पाइप द्वारा जल सम्पूर्ति होता है।	19	मोदनगर समूह पेयजल योजनाग्राम-6
ग-ग्रामों की संख्या व नाम जिनमें पाइप द्वारा जल सम्पूर्ति होता है।		साकी ग्राम समूह ----ग्राम 6 सुल्तानपुर ----- " 5
घ-ग्रामों की संख्या जिनमें पाइप द्वारा जल सम्पूर्ति नहीं होता है।	685	कुलेसरा ----- " 2
35-शिक्षा		
क-बेसिक जूनियर स्कूल संख्या		नगरों क्षेत्रों में 96, ग्राम क्षेत्रों में 776
ख-हायर सेकेन्डरी स्कूल संख्या		नगरों क्षेत्रों में 46, ग्राम क्षेत्रों में 76
ग-कालेज संख्या	11	2
ड-प्राविधिक प्रशिक्षण संस्थायें सं0		1-आई0टी0आई0 दुहाई गा0बाद 2-नोएडा लाजपत कालेज साहिबाबाद 3-पोलीटेक्नीक गा0बाद 4-शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान
अ-ग्रामों की संख्या जिनमें प्राइमरी/ जूनियर बेसिक स्कूल नहीं है।		1-गा0बाद 2-मोदीनगर 3-हापुड 115/135
ब-प्राईमरी/जूनियर बेसिक स्कूलों की संख्या जिनके लिये भवन निर्मित नहीं है		28/20
36-अनुसूचित बैंकों की शाखाओं की संख्या नगर ग्रामवार नाम दें।		
क-नगर क्षेत्र		101
ग-ग्रामीण क्षेत्र में		89

1	2	3	4
37-सहकारी बैंकों के नाम व संख्या (नगर व पृथक्वार)			1988-89
1-नगर क्षेत्र में	" "		15
2-ग्रामीण क्षेत्र में	" "		3
38-गोदामों की संख्या	संख्या		क्षमता (ह0मै0टन)
(क) नगर क्षेत्रों में (एफ0सी0आई0)	" "	101	148.310
(ख) ग्रामीण क्षेत्रों में	" "	---	---
(ग) शीत गृहों की संख्या	" "	29	1472.80
(नगर व पृथक्वार)	" "	28/1	1471.10/1.70
39-उर्वरक डिपो	" "		
(क) कृषि विभाग द्वारा	" "	33	4.67
(ख) सहकारी विभाग	" "	130	48-90
40-भूमि विकास बैंकों की शाखाओं की सं0			
(क) नगर क्षेत्र में	" "	4	
(ख) ग्रामीण क्षेत्र में	" "	---	
41-राजकीय पशु चिकित्सालयों/औषधालयों की संख्या		नगर क्षेत्र में	ग्रामीण क्षेत्र
		10	7
42-राजकीय पशु पालन केन्द्रों की सं0	" "	---	59
43-राजकीय एलोपैथिक अस्पताल औषधालय की संख्या	" "	22	10
44-राज्य कर्मचारी बीमा निगम के	" "	12	---
45-राजकीय एलोपैथिक अस्पताल/ औषधालयों में शैय्या की संख्या	" "	375	186
46-राज्य कर्मचारी जीवन बीमा निगम	" "	225	---
47-राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल/ औषधालयों की सं0	" "	2	11
48-राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल/ औषधालय की संख्या	" "	---	---
49"कृषि		1987-88	हजार हे0
1-शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल			1[illegible]4.94
2-एक बार से अधिक बोया गया	" "		123.[illegible]2
3-सकल बोया गया क्षेत्रफल			30[illegible].7[illegible]
4-कुल खाद्यान्न फसलों	" "		175.84
5-खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र (हजार हे0में)	" "		142.78

1	2	3	4
19-	7-रबी फसलों के अन्तर्गत	1987•88	135•93
	8-जायद फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र	" "	11•14
	9-फसलों सघनता (प्रतिशत)	" "	166•95
	10-खरीफ के अन्तर्गत (सिंचित क्षेत्र)	" "	160•94
	11-रबी के अन्तर्गत सिंचित क्षेत्र	" "	135•93
	12-जायद के अन्तर्गत सिंचित क्षेत्र	" "	13•24
	13-सकल सिंचित क्षेत्र	" "	289•85
	14-शुद्ध सिंचित क्षेत्र	" "	163•37
	15-सिंचाई की सघनता		
	(क)शुद्ध सिंचित क्षेत्र में शुद्ध बोये गये क्षेत्र से प्रतिशत	" "	88.34
	(ख)कुल असिंचित क्षेत्र में कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशत	" "	93•88
	16-कृषि योग्य भूमि का कुल भोगोलिक क्षेत्र से प्रतिशत	" "	78•93
	17-शुद्ध बोये गये क्षेत्र का भोगोलिक क्षेत्र से प्रतिशत	" "	71•28
	18-विभिन्न स्रोतों के द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्र		
	(क)नहर	" "	51•74
	(ख)नलकूप	" "	9•67
	(ग)कूप	" "	12•90
	(घ)अन्य	" "	2•06
	19-उन्नतिशील एक्जोटिक किस्मों के बीज का वितरण		
	(क)कृषि विभाग द्वारा	" "	1333•60
	(ख)सहकारिता विभाग द्वारा	" "	
	20-मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र/उत्पादन	क्षेत्र हजार में	उत्पादन हजार मी०टन में
	क-खरीफ		
	1-धान	8•00	12•88
	2-ज्वार	1•23	0•47
	3-बाजरा	8•91	2•63
	4-मक्का	36•31	38•16
	5-खरीफ दालें	0•22	0•06
	अन्य	---	--

1	2	3	4	
49-20- खाद्यान्न		1987-88		
ख- रबी		,,	108.20	245.10
	1- गेहूँ	,,	3.13	7.19
	2- जौ	,,	1,34	1.50
	3- चना	,,	4.59	4.92
	4- मटर	,,	1.26	1.04
	5- अरहर	,,	0.97	0.43
	6- मसूर	,,		
	योग रबी खाद्यान्न-		119.49	260.18
ग- जायद:-				
	1- धान	,,	-	-
	2- दाले	,,	1.34	0.54
	3- अन्य खाद्यान्न मक्का	.	0.33	0.29
	योग जायद खाद्यान्न		1.67	0.83
	कुल खाद्यान्न		175.03	315.21
2- वाणिज्य फसलें:-		1987-88		
	1- मूंगफली	,,	-	-
	2- लाही/सरसों	,,	3.38	2.26
	3- सूरजमुखी	,,	-	-
	4- अन्य तिलहन	,,	-	-
	5- सोयाबीन	,,	0.002	0.002
	6- गन्ना	,,	52.873	2961.945
	7- आलू	,,	6.829	138.328
	8- तम्बाकू	,,	0.030	0.082
	9- अन्य कपास	,,	0.487	0.056
	योग-		60.221 -	3100.413
21- उत्पादन फसल वार		1987-88	कि0प्रति है0	
	1- धान	,,	1610	
	2- गेहूँ	,,	2265	

1	2	3	4
49-			
	21- उत्पादन दर	1987-888 .	किलो प्रति है0
	1- ज्वार	-	381
	2- बाजरा	,,	295
	3- मक्का खरीफ	,,	1051
	4- जौ	,,	2297
	5- चना	,,	1118
	6- मटर	,,	1072
	7- मसूर	,,	449
	8- अरहर	,,	826
	9- गन्ना	,,	56020
	10- मूंगफली	,,	320
	22- रसायनिक उर्वरक का वितरण		
	क- कृषि विभाग द्वारा	1987-888	हजार मी0टन
	1- नत्रजन	,,	0. 15
	2- फास्फैटिक	,,	0. 21
	3- पोटाश	,,	0. 034
	ख- सहकारिता विभाग द्वारा		
	1- नत्रजन	,,	4. 69
	2- फास्फैटिक	,,	2. 34
	3- पोटाश	,,	0. 71
	ग- कृषि औद्योगिक वेकल्प निगम द्वारा		
	1- नत्रजन	,,	0. 082
	2- फास्फैटिक	,,	0. 064
	3- पोटाश	,,	0. 083
	घ- गन्ना विभाग द्वारा		
	1- नत्रजन	,,	3. 92
	2- फास्फैटिक	,,	0. 58
	3- पोटाश	,,	0. 059

1	2	3	4
ड-अन्य			
1-नत्रजन		1988-89	20•263
2-फास्फेट		" "	6•617
3-पोटाश		" "	1•028
9-उर्वरक डिपो		1988 89	संख्या
1-कृषि विकास द्वारा		" "	33
2-सहकारिता विभाग द्वारा		" "	130
3-कृषि औद्योगिक विकास निगम द्वारा		" "	6
4-गन्ना विभाग द्वारा		" "	16
24-शीत गृह(2)	संख्या/क्षमता	हे0मी0टन	
1-कृषि विभाग द्वारा		" "	--
2-कृषि औद्योगिक विकास निगम द्वारा			---
3-सहकारिता विभाग		2	3•8
4-गन्ना विभाग द्वारा		--	---
5-अन्य		2	1138•73
25-कम्पोस्ट खाद का उत्पादन		--	1215•30
26-हरी खाद के अन्तर्गत(हजार हे0)		--	20•300
27-गोबर गैस संयत्रों की स्थापना		1988•89	3296
2-भूमि संरक्षण			---
क-कृषि (हे0)विभाग द्वारा		" "	---
1-कृषि भूमि से(ह0हे0)		" "	---
2-रेवाइन्स में		"	---
3-कास्तिय भूमि का सुधार हे0		" "	---
ख-बन विभाग द्वारा			
1-कृषि भूमि0 हे0			--
2-रेवाइन्स में ह0हे0			--
3-फलोपयोग एवं ओद्योगिकी			
1-फसलों/उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्र ह0हे0		" "	8•14
2-शाक सब्जी के अन्तर्गत		" "	17•70
3-फलों का उत्पादन ह0मी0टन			81•37
4-फलो का मूल्य ह0रूपये में			243•11

1	2	3	4
5-आलू का उत्पादन (हे0मी0टन)		1988·89	161-42
6-पोध सुरक्षा कार्य		"	3·32
7-पुराने उद्यानों का जीर्णोधार			1·61
4-गन्ना विकास			
1-गन्ना का क्षेत्रफल		1987·88	52·87
2-गन्ने का उत्पादन ह0मी0टन		" "	2961·95
3-गन्ने का मूल्य लाख रूपये में		" "	1036·68
4-वाणिजियक फसलों के अन्तर्गत गन्ने का उत्पादन गुड के रूप में		" "	296·2
5-अधिक उपज देने वाली प्रजातियों का बीज वितरण			
(क) गन्ना विभाग द्वारा		" "	6·85
(ख) सहकारिता विभाग द्वारा		--	---
(ग) कृषि विभाग द्वारा		--	—
5-सिंचाई			
1-पक्के कुए		4480	
2-कूप बोरिंग/पि बोरिंग		36788	
3-रहट		1188	
4-नलकूप		14605	
5-पम्प सैअ		22063	
6-पहाडी क्षेत्रों में होज द्वारा		---	
7-कुल सिंचित क्षेत्र ह0हजार में		289·85	
8-सकल बोय गये क्षेत्रफल से सकल सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत		क्षेत्र 93·88	
9-शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल शुद्धसिंचित क्षेत्र का प्रति0		88·34	
2-वृहत एवं मध्यम सिंचाई			
1-राजकीय लघु सिंचाई		303	
क-नलकूपों की संख्या		--	
ख3- नलकूप द्वारा सिंचन क्षमता का सृजन ह0हे0		183·34	
2-कुल उपलब्ध शुद्ध सिंचन क्षमता राजकीय लघु सिंचाई द्वारा		163·37	
3-वृहत एवं मध्यम सिंचाई द्वारा क्षमता		276·60	
4-सिंचन क्षमता वास्तविक उपयोग			
1-राजकीय लघु सिंचाई द्वारा ह0हे0		176·60	

1	2	3	4
50-बन			
1-बन विभाग के प्रबन्ध के अन्तर्गत कुल क्षेत्र	हे0	1987·88	2555·28
2-आर्थिक महत्व के वृक्षों का क्षेत्र	"	"	105·
3-जल्दी उगने वाले वृक्षों का क्षेत्र	"	"	405
4-सामाजिक वानिकी के अन्तर्गत क्षेत्र	"	"	--
5-सड़कों की लम्बाई	"	"	--
6-क-सरफेस्ड	कि0मी0	"	--
ग-अनसरफेस्ड	कि0मी0	"	--
6-वन द्वारा उत्पादित लकड़ी	000 कु0 जलौनी	"	2·742
अ-उत्पादित लकड़ी का मूल्य	000 रू0	"	198·00
ब-विक्रय की गई लकड़ी का मूल्य	000 रू0	"	198·00
7-पशुपालन सभी सूचना ब्लाकवार संकलित की जाती है।			
1-पशु चिकित्सालय /औषधालय		संख्या	17
2-स्टाकमैन सेटर पशु सेवा केन्द्र		"	59
3-कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र		"	3
4-कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र			
5-भेड एवं ऊन विस्तार केन्द्र		"	73
6-राजकीय कुक्कुट फार्म		"	--
7-सहकारी कुक्कुट फार्म		"	1
8-चारे की फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र	हजार हे0		5926
9-विभिन्न प्रकार के जानवरों की संख्या		1982	707769
8-दुग्ध एवं दुग्ध सम्पूर्ति	अनन्तिम	1987-88	
1-नगर क्षेत्र में दुग्ध उजाजन	लो0		
2-ग्रामीण क्षेत्र में दुग्धालन		"	
3-नगर क्षेत्र में समितियों की संख्या		"	---
4-ग्रामीण क्षेत्र में समितियों की संख्या ब्लाकवार		"	310
5-नगर क्षेत्र में समितियों की सदस्यता सं0		"	---
6-ग्रामीण क्षेत्र में समितियों में सदस्यता संख्या		"	
7-दुग्ध एकत्र करने के केन्द्र नगर में संख्या		"	---

1	2	3	4
8-नगर क्षेत्र में प्लान्टस की संख्या		1988.89	----
9-नगर में लगे हुये प्लाटस की क्षमता		"	---
9-मत्स्य			
1-श्रोमिक सहुआ सहकारी समितियों की संख्या		1988.89	3
2-अगुलिकाओं का वितरण(लाख में)		" "	2.00
3-मत्स्य बीज फार्म संख्या		" "	-
4-राजकीय जलाशय मत्स्यपालन(कु0)		" "	55
10-भंडारण राज्य भंडारगार नियम द्वारा संचालित			
1-वेयरहाउसेज में क्षमता(मी0टन)		1986.87	--
2-वेयर आउसेज में क्षमता नगर(मी0टन)		" "	--
3-गोदामों की संख्या नगर में(एफ0सी0आई0)		" "	101
4-गोदामों की क्षमता लाख मी0टन नगरों में		" "	148.31
5-खंडवार वेयर आउसेज की संख्या		" "	---
6-खंडवारवेयर आउसेज की संख्या		" "	---
7-खंडवार गोदामों की संख्या(राज्य सरकार		" "	15
8-खंडवार गोदामों की क्षमता(लाख मी0टन)		" "	0.06323
11-सहकारिता(अनिन्तिम)			
1-जिला सहकारी बैंक	संख्या		18
2-क-शाखायें	संख्या		18
ख-जमा धनराशि(हजार रूपये में)			201625
ग-ऋण वितरण			
1-अल्पकालीन	ह0रूपये।		54254
2-मध्यकालीन	ह0रूपये		4080
घ-भूमि विकास बैंक शाखायें	संख्या		5
दीर्घकालीन ऋण	(000)		7075
1-समितियां	1987.88		75
2-सदस्यता	" "		147174
3-अंशपूंजि हजार रूपये	" "		13103
4-जमा धनराशि " "	" "		5710
5-अल्पकालीन ऋण वितरण""	" "		54859
6-मध्यकालीन ऋण वितरण ""	" "		2320

1	2	3	4
	3-कृषि विक्रय समितियाँ		
	1-समितियों की संख्या	1987·88	4
	2-सदस्यता संख्या	" "	15419
	3-अंशपूँजी हजार रूपये में	" "	1559
	विपणन की गयी वस्तुओं का मूल्य		
	क-उर्वरक हजार रूपयों में		
	ख-बीज " "		19329
	ग-खाद्यान्न		
	4-सहकारी विपणन समितियाँ		
	1-समितियाँ संख्या	1987·88	---
	2-सदस्यता " "	" "	---
	3-अंशपूँजी " "	" "	---
	4-विपणन की गई वस्तुओं का मूल्य हजार रूपयों में	" "	---
	5-उपभोक्ता सहकारी समितियाँ		
	1-समितियां संख्या	1987·88	29
	2-सदस्यता " "	" "	1222
	3-अंश पूँजी हजार रू0में	" "	3·29
	4-विकृत वस्तुओं का मूल्य हजार रू0में	" "	754
	12-विद्युत विकास		
	1-विद्युत का उपभोग(किलोवाट)	" "	--
	2-विभिन्न कार्यों में विद्युत का उपभोग "		
	क-घरेलू एवं वाणिज्य(कि0वा0घंटे	1988·89	15569I000
	ख-औद्योगिक(कि0वा0घंटे	" "	786·763000
	ग-कृषि सिंचाई कार्यों "	" "	279·555000
	घ-अन्य	" "	5554000
	3-उपरोक्त मदों (क से घ में) प्रति व्यक्ति उपभोग	" "	793·000

1	2	3	4
	4-वितरण लाइनों की लम्बाई		
	1-हाईटेन्शन लाईन		
	क-11केoवीo किoमीo	1988-89	3521.478
	ख-33केoवी " "	" "	523.52
	ग-अन्य 66केoवी " "	" "	58.00
	2-लोटेन्शन 044केवी किoमीo	" "	5711.538
	5-विद्युतीकरण ग्राम		
	1-ग्रामों की संख्या संख्या	1988-89	
	केन्द्रीय विद्युत परिभाषा " अनुसार आबाद	" "	780
	2-कुल ग्रामों का प्रतिशत	" "	100
	6-हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण संख्या	" "	382
	7-औद्योगिक कनेक्शन		
	1-ग्रामीण संख्या	1988-89	1581
	2-नगरीय "	" "	15408
	8-विद्युतीकृत ट्यूबेलों/पम्पसेटों को "	" "	
	1-राजकीय "	" "	374
	2-निजी नलकूप/पम्पसेट(वार्गील)"	" "	16783
	13-उद्योग विकास		
	1-ग्रामीण एवं लघु इकाईयों की सं0	31.3.89	6344
	2-उपभोक्ता लघु इकाईयों में लगे व्यक्तियों की संख्या	" "	38900
	3-असंगठित क्षेत्र में लघु उद्योग इकाईयों की संख्या	6 6	4069
	4-औद्योगिक आस्थान (नोयडा)		
	क-अधिगृहित भूमि का विकास हजार हेक्टेयर	31.3.89	--
	ख-शेडों का निर्माण संख्या	" "	1193
	ग-कार्यरत इकाईयों की संख्या	" "	1154

1	2	3	4
2-हथ करघा एवं वस्त्र उद्योग:- 1988·89			
1-सहकारिता क्षेत्र में लाये गये हथ करघा सं0		1988·89	2150
2-बुनकर सहकारी समितियों का गठन सं0		" "	36
3-हथ करघा वस्त्र का उत्पादन ला0मी0		" "	46·94
4-रेशम कोया का उत्पादन कि0ग्रा0		" "	-
5-टसर कोया का उत्पादन कि0ग्रा0		" "	-
3-वृहद एवं मध्यम उद्योग			
क-उद्योगों की संख्या	संख्या	" "	205
ख-उपरोक्त उद्योगों में लगे लोगों की संख्या	" "	" "	52000
4-सड़क:-			
1-नई सड़क का निर्माण	कि0मी0	" "	38
2-पुरानी सड़कों का निर्माण /मरम्मत:-		" "	743
3-पक्की सड़कों के निर्माण स्थित:-		" "	743
4-कच्ची सड़कों का निर्माण		" "	25
5-जिला परिषदों के द्वारा सड़कों का निर्माण		" "	29
6-समस्त ऋतुओं में प्रयोग आने वाली सड़के कि0मी0		" "	743
5-शिक्षा:-			
1-विद्यालय	संख्या	" "	872
2-प्राइमरी स्कूलों की सं0	" "	" "	180
3-सीनियर बेसिक स्कूलों की संख्या	" "	" "	123
4-हायर सेकेन्ड्री स्कूलों की संख्या	" "	" "	---
5-डिग्री कालेजों की संख्या:-		" "	13
6-विश्व विद्यालयों की संख्या		" "	--
2-भर्ती:-			
1-प्राइमरी स्कूल में	संख्या	1987·88	182066
2-बेसिक स्कूल में	" "	" "	77198

1	2		3	4
	4-विभिन्न बीमारियों से सम्बन्धित अस्पताल डिस्पेन्सरी में शैय्याए ।			
	1-टी0वी0 हेतु	संख्या	1988-89	20,
	2-फाइलेरिया	"	"	-
	3-छूत की बिमारी	"	"	-
	4-कुष्ट बीमारी	"	"	-
	5-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	"	"	186
	6-परिवार कल्याण			
	क-परिवार कल्याण केन्द्र	"	"	22
	ख-बन्ध्याकरण			
	अ- पुरूष	"	"	2412
	ब-स्त्री	"	"	9009
	स-आई0यू0सी0	"	"	28015
	17- पर्यटन विकास			
	1-पर्यटन आवास का निर्माण	"	"	1
	2-शौचालय	"	"	2
	18-प्राविधिक शिक्षा			
	1-डिग्री स्तर की संस्थाये			
	1-संख्या	"	"	1
	2-प्रवेश क्षमता	"	"	135
	3-वास्तविक भर्ती	"	"	150
	2-डिप्लोमा स्तर की संस्थाये			
	क-संख्या	"	"	1
	ख-प्रवेश क्षमता	"	"	120
	ग-वास्तविक भर्ती	"	"	113
	19-जल सम्पूर्ति एवं जल निस्तारण			
	1-नगरीय जल सम्पूर्ति जल निस्तारण		नगर की संख्या	नगर का नाम गा0बाद, हापुड, लोनी मोदीनगर, मुरादनगर, पिलखुवा फरीदनगर निवाडी गढ, बाबूगढ दासौ डासना । ब

1	2	3	4
3-हायर सैकेन्ड्री स्कूल में	संख्या	1987-88	61059
4- डिग्री कालेज में	,,		15620
5-विश्व विद्यालय में	,,	:	-
3- ग्रामों की संख्या			
1-जिसमें प्राइमरी स्कूल नही है	,,	115	115
2- जिसमें बेसिक स्कूल भवन नहीं	,,	,,	135
4- ग्रामों की संख्या:-			
1- प्राइमरी स्कूल भवन नही है	,,	,,	28
2-जिसमें बेसिक स्कूल भवन नही है	,,	,,	20
5- अनुसूचित जाति/ज0जा0 विद्यार्थियों की संख्या:-			
1- प्राइमरी स्कूल में	,,	,,	41734
2-बेसिक स्कूल में	,,	,,	16677
3-हायर सैकेन्ड्री स्कूल में	,,	,,	6995
4- डिग्री कालेज में:	,,	,,	1085
5-विश्व विद्यालय में:	"	,,	--
6-चिकित्सा एवं स्वास्थकीय सेवा::-			
1-चिकित्सा एवं स्वास्थकीय सुविधायें			32
(क) एलोपैथिक अस्पताल की एलोपैथिक डिस्पैंसरी	,,	,,	--
(ख) होम्योपैथिक अस्पताल/ डिस्पैंसरी	,,	,,	13
(ग) आयुर्वेद एवं यूनानी अस्पताल व डिस्पैंसरी की संख्या	,,	,,	17
2- सुविधायें:			
1-एलोपैथिक अस्पताल/ डिस्पैंसरी की संख्या	,,	,,	786
2-होम्योपैथिक अस्पताल/ डिस्पैंसरी संख्या:	,,,	,,	-
3- आयुर्वेदिक अस्पताल/ डिस्पैंसरी की संख्या:	,,,	,,	72

2	3	4
2-ख-हैण्ड पम्प द्वारा जल निस्तारण	---	5
घ-शुष्क शौचालयों की स्वच्छ शौचालयों में परिवर्तित	---	---
2-ग्रामों में जल सम्पूर्ति	ब्लाक का नाम	ग्रामों की संख्या जनसंख्या लाभान्वित है ।
क-हैण्ड पम्प द्वारा	---	--- ----
ख-कुऐं	---	--- ---
ग-डिग्गी	--	--- ---
घ-प्राकृतिक झीले।पर्वतीय क्षेत्र।	--	--- ----
3-मजरों की संख्या जिसमें पाईप द्वारा सम्पूर्ति नहीं है ।	1988.89	नगर का नाम 1-पतला
4-ग्रामों की संख्या जिसमें पीने का पानी की सुविधा नहीं है ब्लाक नाम ग्रामों की सं0	" "	---
5-ग्रामों की सं0 जिसमें पिछडी /अनु0जाति तथा अ0जनज0के लिये पानी की सुविधा है ।	" "	704
6-ग्रामों की जिसमें पिछडी /अनु0जाति तथा अ0ज0ज0के लियेपानी की सुविधा नहीं है ।	" "	---
20-पिछडी अनु0जा0तथा अनु0अ0जा0का कल्याण।हैरिजन कार्य।		
1-पोस्ट मैट्रिक छात्रवृतियां	संख्या	---
क-सामान्य कोर्स	संख्या	---
ख-पिछडी जातियां	" "	--
ग-अनु0सूचित जातियां	" "	1463
घं-अनुसूचित जन जातियां	" "	---
ब-अप्राविधिक एवं पेशेवर कोर्स		
क-पिछडी जातियां	" "	---
ख-अनुसूचित जातियां		---
21-आवास विकास		
1-आवास विकास परिषद परिषद द्वारा	है0में	68-685
2-क-भूमि अर्जन	" "	68-685
ख-भूमि विकास	" "	27-81
ग-उच्च आय वर्ग ग्रह निर्माण	संख्या	---
घ-मध्यम आय वर्ग ग्रह निर्माण	संख्या	440
ड-अल्प आय वर्ग ग्रहणनिर्माण	" " "	---
च-दुर्बल आय वर्ग निर्माण	" "	54

1	2	3	4
2-जनपद में विकास प्राधिकरणों द्वारा		1987.88	---
	1-भूमि अर्जन	है0 " "	1840
	2-भूमि विकास	" " "	1300
	3-उच्च आय वर्ग ग्रह निर्माण	" " "	
	4-मध्यम आय वर्ग ग्रह निर्माण	" " "	769
	5-अल्प आय वर्ग ग्रह निर्माण	" " "	5303
	6-दुर्बल आय वर्ग ग्रह निर्माण	" " "	8987
3-अन्य श्रेणी द्वारा			
	1-भूमि अर्जन	है0	---
	2-भूमि विकास	"	---
	3-उच्च आय वर्ग ग्रह निर्माण	"	--
	4-मध्यम आय वर्ग ग्रह निर्माण	"	--
	5-अल्प आय वर्ग ग्रह निर्माण	"	--
	6-दुर्बल आय वर्ग ग्रह निर्माण	"	---

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

विकास खंडवार आधार भूत आंकडे

विकास खण्डवार सूचना 1988-89

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	सहकारी [illegible] के [illegible]	शीत गृह [illegible]: शीत गृह की संख्या	[illegible]
1	2	3	4	5
1-	गढ़मुक्तेश्वर	--	--	--
2-	सिम्भावली	2	1	1·70
3-	हापुड़	1	--	--
4-	भोजपुर	--	--	--
5-	धौलाना	--	--	--
6-	मुरादनगर	--	--	--
7-	रजापुर	--	--	--
8-	लोनी	--	--	--
9-	बिसरख	--	--	--
10-	दादरी	--	--	--
	नगरीय	15	28	1471.10
	योग जनपद	18	29	1472.80

5- सिंचाई विधि / स्रोत सिंचाई वर्ष 1988-89

क्र0सं0	नाम विकास खण्ड	[illegible]	[illegible]	[illegible]	नलकूप संख्या	पम्पसेट संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1	गढ़मुक्तेश्वर	288	-	44	1335	3105
2	सिम्भावली	4[illegible]3	-	86	1910	3403
3	हापुड़	1114	-	53	3988	2111
4	भोजपुर	173	-	108	1531	2163
5	धौलाना	221	-	154	648	2658
6	मुरादनगर	651	-	122	1543	1788
7	रजापुर	1180	-	6	1334	1434
8	लोनी	495	-	37	1035	1170
9	पिलखुवा	517	-	292	7,39	2517
10	दादरी	409	-	286	541	1704
	नगरीय	-	-	-	-	-
	योग जनपद	4480	-	1188	14605	22063

पशुपालन वर्ष 1988-89

क्र0सं0	नाम विकास खण्ड	पशु चिकि0 औषधालय	पशु सेवा केन्द्र सं0	कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	राजकीय कुक्कुट विस्तार फार्म उप केन्द्र	सरकारी कुक्कुट फार्म	कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	गढमुक्तेश्वर	--	8	8	--	--	--
2-	सिम्भावली	1	6	6	--	--	1
3-	हापुड	--	15	15	1	--	--
4-	भोजपुर	1	6	6	--	--	1
5-	धौलाना	2	4	4	--	--	2
6-	मुरादनगर	--	5	5	--	--	--
7-	रजापुर	--	4	4	--	--	--
8-	लोनी	1	5	5	--	--	1
9-	बिसरख	2	3	3	--	--	--
10-	दादरी	--	3	3	--	--	2
	नगरीय	10	--	--	--	--	10
	योग जनपद	17	59	59	1	--	17

पशुपालन वर्ष 1987-88

क्रम	विकासखण्ड का नाम	चारे की फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र हे० में	विभिन्न प्रकार, जानवरों की संख्या नाम किस्म	कुल जानवरों की संख्या
1	2	3	4	5
1-	गढ़मुक्तेश्वर	4453	गोवंशीय	177566
2-	सिम्भावली	3049	नर देशी बैल	88094
3-	हापुड़	6803	नर क्रास ब्रीड	712
			मादा देशी	42430
			मादा क्रास ब्रीड	815
4-	भोजपुर	4380	महिष/भैंस जाति	413088
5-	धौलाना	4677	भैंस मादा	212641
			भैंस नर	51192
6-	मुरादनगर	3752	अन्य	148255
7-	रजापुर	3199	3-भेड़	4369
			4-बकरियाँ	38538
8-	लोनी	3495	5-घोड़ा/टट्टू	6855
9-	बिसरख	3741	6-सुअर	28243
10-	दादरी	37622	7-अन्य पशु	39105
	योग:-	413111		35026

दुग्धा एवं दुग्धा सम्पूर्ण

अनन्तिम 1986-87

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	ग्रामीण क्षेत्र में समितियों की संख्या	ग्रामीण क्षेत्र समितियों में सदस्यों की सं0	भण्डारण (राज्य भण्डारागार निगम) द्वारा संचालित वेयर हाउस की संख्या	वेयर हाउस की क्षमता (मी0टनमें)
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर	29	अप्राप्त है	-	-
2-	सिम्भावली	18	-	-	-
3-	हापुड़	12	-	-	-
4-	भोजपुर	18	-	-	-
5-	धौलाना	20	-	-	-
6-	मुरादनगर	26	-	-	-
7-	रजापुर	9	-	-	-
8-	लोनी	3	-	-	-
9-	बिसरख	7	-	-	-
10-	दादरी	26	-	-	-
	नगरीय	-	-	-	-
	योग जनपद	168	14290	-	-

सहकारिता- भूमि विकास बैंक

वर्ष 1987-88

क्र०सं०	नाम विकास खण्ड	अल्पकालीन सहकारी समितियाँ 000 रुपये	000 रु० में	भूमि विकास बैंक शाखायें संख्या	दीर्घकालीन ऋण वितरण 000 रु० में
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर	8466	675	-	1596
2-	सिम्भावली	5449	45	-	1066
3-	हापुड़	11342	39	-	381
4-	भोजपुर	8061	134	-	1073
5-	धौलाना	3530	145	-	804
6-	मुरादनगर	4766	173	-	461
7-	रजापुर	2710	171	-	636
8-	लोनी	1208	125	-	280
9-	बिसरख	4866	319	-	237
10-	दादरी	4461	494	-	542
	नगरीय	-	-	5	-
	योग जनपद	54859	2320	5	7076

सहकारिता

क्रम	नाम विकास खण्ड	11—2 प्रारम्भिक कृषि समितियाँ			
		समितियाँ संख्या	सदस्यता सं0	अंशपूंजी 000	जमाधन 000
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर	13	15710	1735	896
2-	सिम्भावली	5	15413	1503	1130
3-	हापुड़	8	22423	2445	1035
4-	भोजपुर	7	20915	1235	240
5-	धौलाना	11	13219	1005	601
6-	मुरादनगर	10	13617	1035	503
7-	रजापुर	4	8829	1746	430
8-	लोनी	5	8619	854	269
9-	बिसरख	5	12513	1303	267
10-	दादरी	7	15016	1242	339
	योग:- जनपद	75	147174	13103	5710

क्रम	नाम विकास खण्ड	11-(4) सहकारी विपणन समितियाँ			
		समितियों की संख्या	(सदस्यता) सं0	अंशपूंजी रु0	(विपणन की गई वस्तुओं का मूल्य (000 में)
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर				
2-	सिम्भावली				
3-	हापुड़				
4-	भोजपुर				
5-	धौलाना				
6-	मुरादनगर	कोई विपणन समिति नहीं है।			
7-	रजापुर				
8-	लोनी				
9-	बिसरख				
10-	दादरी				
	नगरीय				
	योग:-				

सड़क वर्ष 1987-88

क्र0सं0	नाम विकास खण्ड	नई सड़क का निर्माण कि0मी0	पुरानी सड़कों का निर्माण मरम्मत कि0मी0	पक्की सड़कों का निर्माण कि0मी0	कच्ची सड़कों का निर्माण अरब तथा कच्ची स्थिति	जिला परिषद द्वारा
1	2	14(1)	14(2)	14(3)	14(4)	14(5)
1-	गढमुक्तेश्वर	6	83	83	1	7
2-	सिम्भावली	4	58	58	1	2
3-	हापुड़	5	84	84	4	7
4-	भोजपुर	5	88	88	-	3
5-		5	61	61	6	3
6-	मुरादनगर	5	53	53	52	2
7-	रजापुर		46	46	2	3
8-	लोनी	-	58	58	1	1
9-	बिसरख	6	60	60	6	-
10-	दादरी	2	62	62	2	1
	नगरीय	-	90	90	-	-
योग	जनपद	38	743	743	25	29

शिक्षा वर्ष 1988-89

क्र०सं०	नाम विकास खण्ड	समस्त ऋतुओं में सड़कों से जुड़े ग्रामों की सं०	प्राइमरी स्कूल का सं०	सीनियर बेसिक स्कूल सं०	हायर सेकण्डरी स्कूल का सं०	डिग्री सेकंडरी स्कूल कॉ सं०	विश्व विद्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	गढ़मुक्तेश्वर	60	77	18	5	-	-
2-	सिम्भावली	63	71	9	11	1	-
3-	हापुड़	83	106	17	11	-	-
4-	भोजपुर	43	105	13	2	-	-
5-	धौलाना	49	61	10	6	-	-
6-	मुरादनगर	42	78	16	9	-	-
7-	रजापुर	27	63	14	9	-	-
8-	लोनी	42	69	10	9	-	-
9-	बिसरखा	66	89	14	13	1	-
10-	दादरी	49	57	10	6	-	-
	नगरीय	-	96	49	47	11	-
	योग जनपद	524	872	180	123	13	-

शिक्षा

भर्ती वर्ष 1987-88

क्र०सं०	नाम विकास खण्ड	प्राइमरी स्कूल की भर्ती की सं०	बेसिक स्कूल में भर्ती की सं०	हायर सेकण्डरी स्कूल में भर्ती की सं०	डिग्री कालेज में भर्ती की संख्या	विश्वविद्यालय में भर्ती की सं०
1	2	3	4	5	6	7
1-	गढ़मुक्तेश्वर	13899	6001	2607	-	-
2-	सिम्भावली	13435	5615	2639	627	-
3-	हापुड़	14205	5870	6398	7	-
4-	भोजपुर	13231	5795	1085	-	-
5-	धौलाना	13440	5496	2482	-	-
6-	मुरादनगर	12600	5462	5690	-	-
7-	रजापुर	12263	5615	5496	-	-
8-	लोनी	11355	5815	2409	-	-
9-	बिसरखा	14611	6114	3382	-	-
10-	दादरी	13565	5370	3808	37	-
	नगरीय	47167	20045	24793	11897	-
	योग जनपद	182066	77198	61059	12561	-

शिक्षा- गांवों की संख्या

क्र०सं०	नाम विकास खण्ड	जिस में प्राइमरी स्कूल नहीं है संख्या	जिस में [illegible] स्कूल नहीं है संख्या	जिस में स्कूल भवन नहीं है संख्या	प्राइमरी जिस में स्कूल भवन नहीं है सं०
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर	19	35	2	2
2	सिम्भावली	11	11	-	3
3-	हापुड़	21	14	5	1
4-	भोजपुर	8	9	2	4
5-	धौलाना	5	8	2	1
6-	मुरादनगर	8	8	11	5
7-	रजापुर	8	11	2	2
8-	लोनी	8	12	2	-
9-	बिसरख	17	16	2	2
10-	दादरी	1	11	-	-
	नगरीय	-	-	-	-
	योग जनपद	115	135	28	20

शिक्षा

अनुसूचित जाति/जनजाति विद्यालयों में छात्रों की संख्या

वर्ष 1987-88

क्र0सं0 नाम विकास खण्ड	प्राइमरी स्कूल की सं0	बेसिक स्कूल में सं0	हायर सेकेण्डरी स्कूल में सं0	डिग्री कालेज में सं0	विश्वविद्यालय में संख्या
1 2	3	4	5	6	7
1- गढ़मुक्तेश्वर	3672	1230	415	-	-
2- सिम्भावली	3582	1098	312	53	-
3- हापुड़	6040	1505	763	-	-
4- भोजपुर	4230	1122	113	-	-
5- धौलाना	3363	715	441	-	-
6- मुरादनगर	3134	1409	559	-	-
7- रजापुर	2990	2030	479	-	-
8- लोनी	3021	1630	308	-	-
9- बिसरख	3498	1033	168	-	-
10- दादरी	3076	1291	267	-	-
नगरीय	5123	3614	3170	1032	-
योग जनपद	41734	16677	6995	1085	-

16- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधायें ।

वर्ष 1988-89

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	एलोपैथिक अस्पताल/डिस्पेन्सरी की संख्या (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छोड़ कर)	होम्योपैथिक अस्पताल/डिस्पेन्सरी की संख्या	आयुर्वेदिक/यूनानी अस्पताल/डिस्पेन्सरी की संख्या
1	2	3	4	5
1-	गढ़मुक्तेश्वर	1	2	2
2-	सिम्भावली	1	3	1
3-	हापुड़	1	-	1
4-	भोजपुर	2	-	-
5-	धौलाना	-	-	1
6-	मुरादनगर	-	1	-
7-	रजापुर	-	1	2
8-	लोनी	1	1	4
9-	बिसरख	2	3	2
10-	दादरी	2	-	-
11-	नगरीय	22	2	5
	योग जनपद	32	13	18

16- चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें

16।3। विभिन्न बीमारियों से सम्बधित अस्पताल/डिस्पेन्सरी ।

वर्ष 1988-89

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	टी0बी0 संख्या	पाइलेरिया संख्या	भूत की बीमारी की सं0	कुष्ट रोग
1	2	3	4	5	6
1-	गढ़मुक्तेश्वर	-	-	-	-
2-	सिम्भावली	-	-	-	-
3-	हापुड	-	-	-	-
4-	भीजपुर	-	-	-	-
5-	धौलाना-	-	-	-	-
6-	मुरादनगर	-	-	-	-
7-	रजापुर	-	-	-	-
8-	लोनी-	-	-	-	-
9-	बिसरख	-	-	-	-
10-	दादरी	-	-	-	-
11-	नगरीय	1	-	-	-
योग जनपद :-		1	-	-	-

16- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

16[2] सुविधायें

क्र0सं0	नाम विकास खण्ड	एलोपैथिक अस्पताल/डिस्पेन्सरी की सं0	होम्योपैथिक अस्पताल	आयुर्वे. अस्प../डिस्प0 की सं0
1	2	3	4	5
1-	गढ़मुक्तेश्वर	16	-	8
2-	सिम्भावली	16	-	4
3-	हापुड़	16	-	-
4-	भोजपुर	24	-	-
5-	धौलाना	16	-	4
6-	मुरादनगर	8	-	-
7-	रजापुर	12	-	4
8-	लौनी	16	-	12
9-	बिसरखा	50	-	-
10-	दादरी	12	-	-
11-	नगरीय	600	-	44
योग जनपद-		786	-	76

16- विभिन्न बिमारियों से सम्बन्धित अस्पतालों/डिस्पेन्सरी से शैय्याये

वर्ष 1988-89

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	टी0बी0 संख्या	फाइलेरिया संख्या	छत की बीमारियों की संख्या	कुष्ट रोग संख्या
1	2	3	4	5	6
	गढ़मुक्तेश्वर	-	-	-	-
2-	सिम्भावली	-	-	-	-
3-	हापुड़	-	-	-	-
4-	भोजपुर	-	-	-	-
5-	धौलाना	-	-	-	-
6-	मुरादनगर	-	-	-	-
7-	रजापुर	-	-	-	-
8-	लौनी	-	-	-	-
9-	बिसरखा	-	-	-	-
10-	दादरी	-	-	-	-
11-	नगरीय	20	-	-	-
योग		20	- -	-	-

179 A

16- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये
परिवार कल्याण बन्ध्याकरण

1988-89

क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	चिकित्सालय/ औषधालय की संख्या	पुरूष	स्त्री	आई.ती. डी.	परिवार कल्याण केन्द्र/ उपसंख्या
1	2	3	4	5	6	7
1-	गढ़मुक्तेश्वर	1	323	526	2339	30
2-	सिम्भावली	1	345	498	2091	29
3-	हापुड़	1	53	1032	3011	33
4-	भोजपुर	2	123	906	2481	35
5-	धौलाना	-	119	728	847	24
6-	मुरादनगर	-	79	633	2171	38
7-	रजापुर	-	150	1106	1521	27
8-	लोनी	1	364	1171	2350	25
9-	बिसरखा	2	275	741	2555	26
10-	दादरी	2	526	535	1960	25
	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	नगरीय	22	55	1133	6689	11
	योग जनपद	32	2412	9009	28015	303

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

परिशिष्ट-6

NAME OF THE DISTRICT GHAZIABAD

INDICATOR OF DEVELOPMENT / NAME OF THE BLOCK	(A) ECONOMIC ACTIVITIES										(B) INFRASTRUCTURAL & COMMUNICATION FACILITIES					(C) SOCIAL & OTHER SERVICES							(D) DEMOGRAPHIC FEATURES							
	INTENSITY OF CROPPING (1986-87)	PERCENTAGE OF AREA UNDER COMM. CROPS TO GROSS CROPPED AREA (1986-87)	PER HA. CONSUMPTION OF FERTILIZERS (1986-87)	PERCENTAGE OF NET IRRIGATED AREA TO NET SOWN AREA (1986-87)	PERCENTAGE OF GROSS IRRIGATED AREA TO GROSS CROPPED AREA (86-87)	PERCENTAGE OF NETT AREA SOWN TO TOTAL REPORTING AREA (1986-87)	NET AREA SOWN PER CULTIVATING HOUSE HOLD (1986-87)	PER CAPITA (RURAL) NET AREA SOWN (1986-87)	PERCENTAGE OF AREA UNDER FOREST TO REPORTING AREA (86-87)	PERCENTAGE OF USAR & UNCULTURABLE LAND TO TOTAL REPORTING AREA (86-87)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER 100 Sq. Km. OF AREA (1986-87)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER LAKH OF POPULATION (86-87)	PERCENTAGE OF ELECTRIFIED VILL. TO TOTAL INHABITED VILLAGE (87-88)	No. OF TELEGRAPH OFFICES PER LAKH OF POPULATION (87-88)	No. OF POST OFFICES PER LAKH OF POPULATION (87-88)	No. OF SCHOOLS PER LAKH OF POPULATION (1986-87): J.B.S.	S.B.S.	H.S.S.	No. OF LIVE-STOCK (1982): PER HUNDRED Ha. # REPORTING AREA	PER STOCK-MAN CENTRE	No. OF MILCH CATTLE PER A.I.C./SUB A.I.C.	POPULATION PER BANK BRANCH (1987-88)	DENSITY OF POPULATION PER Sq. Km. (1981)	DECENNIAL GROWTH OF POPULATION (1971-81)	LITERACY PERCENTAGE (1981): MALE	FEMALE	TOTAL	PERCENTAGE OF S.C./S.T. POPULATION TO TOTAL POPULATION (1981)	PERCENTAGE OF MAIN WORKERS (1981): CULTIVATORS	AGRICULTURAL LABOURERS
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
GARHMUKTESWAR	3.1	32.4	142.2	85.7	79.0	71.5	1.2	0.2	2.0	4.6	36.2	66.0	98.7	0.0	22.6	61.2	14.3	4.0	27	11397	3611	15720	429.6	27.5	39.0	11.0	26.0	10.1	79.7	21.0
SIMBHAOLI	2.7	37.9	130.4	99.9	100.5	85.2	0.9	0.1	0.1	0.3	41.4	45.5	98.7	0.8	15.3	55.6	7.1	4.7	149	5438	1580	21266	614.3	20.5	42.0	10.0	27.3	19.8	75.9	21.5
HAPUR	2.3	24.3	213.3	99.6	100.7	84.6	1.2	0.1	0.3	0.8	28.2	42.9	100.0	0.0	33.5	56.9	9.1	5.9	258	5343	1882	26613	577.1	19.3	43.0	13.0	29.3	28.4	70.7	24.9
BHOJPUR	2.5	25.0	181.2	77.7	100.7	44.5	1.2	0.1	2.5	5.6	50.8	72.7	70.3	0.0	10.7	66.7	10.7	1.7	305	11536	3209	30241	574.0	10.5	41.0	13.0	28.3	21.5	55.5	16.1
DHAULANA	2.2	12.3	58.0	99.4	100.6	74.2	0.9	0.1	0.1	7.0	29.7	53.3	92.6	0.0	17.2	53.3	8.7	5.2	308	17569	3979	19086	500.9	23.5	38.0	12.0	26.2	18.2	80.0	21.0
MURADNAGAR	2.6	22.8	133.2	97.6	91.4	77.6	1.1	0.2	0.9	0.7	34.6	48.0	100.0	0.0	15.3	81.3	16.7	9.4	500	19153	4478	13703	448.2	11.9	50.0	22.0	37.2	18.3	59.6	16.5
RAJAPUR	2.4	13.3	108.6	98.8	98.4	77.9	1.2	0.1	0.3	3.6	28.6	40.6	100.0	0.9	17.0	55.6	12.4	7.9	322	13626	4515	8708	622.0	22.0	46.0	17.0	32.8	19.1	49.2	12.8
LONI	3.0	2.5	62.6	98.0	82.4	50.1	1.3	0.1	0.2	2.4	29.8	66.9	100.0	1.1	6.9	79.6	11.5	10.4	259	13061	4372	12376	622.0	4.7	46.0	13.0	31.8	29.4	49.0	9.5
BISRAKH	2.5	1.2	33.8	88.9	68.8	66.1	1.3	0.2	2.3	3.0	20.4	47.8	98.9	2.4	20.1	70.9	11.1	10.4	312	34957	7423	627.9	397.6	20.5	47.0	11.0	30.9	16.5	62.5	9.6
DADRI	2.3	3.9	97.6	99.2	82.7	71.8	1.0	0.1	0.3	8.0	28.1	52.8	93.8	0.0	11.7	48.5	8.5	5.1	246	18542	5795	14688	387.8	53.9	45.0	13.0	30.4	17.6	63.3	15.1
TOTAL DIST. RURAL	2.5	17.5	120.4	96.1	90.3	84.0	1.2	0.1	1.1	4.1	26.7	52.8	99.3	0.5	16633	63.9	10.8	6.1	293	12391	3683	14117	486.1	21.7	43.0	13.0	29.8	21.3	65.6	17.5

NAME OF THE DISTRICT
GHAZIABAD

INDICATOR OF DEVELOPMENT / NAME OF THE BLOCK	(A) ECONOMIC ACTIVITIES										(B) INFRASTRUCTURAL & COMMUNICATION FACILITIES					(C) SOCIAL & OTHER SERVICES							(D) DEMOGRAPHIC FEATURES							
	INTENSITY OF CROPPING (1986-87)	PERCENTAGE OF AREA UNDER COMM. CROPS TO GROSS CROPPED AREA (1986-87)	PER HA. CONSUMPTION OF FERTILIZERS (1986-87)	PERCENTAGE OF NET IRRIGATED AREA TO NET SOWN AREA (1986-87)	PERCENTAGE OF GROSS IRRIGATED AREA TO GROSS CROPPED AREA (1986-87)	PERCENTAGE OF NET AREA SOWN TO TOTAL REPORTING AREA (1986-87)	NET AREA SOWN PER CULTIVATING HOUSE HOLD (1986-87)	PER CAPITA (RURAL) NET AREA SOWN (1986-87)	PERCENTAGE OF AREA UNDER FOREST TO REPORTING AREA OF (1986-87)	PERCENTAGE OF USAR & UNCULTURABLE LAND TO TOTAL REPORTING AREA (1986-87)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER 100 SQ. KM. OF AREA (1986-87)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER LAKH OF POPULATION (1986-87)	PERCENTAGE OF ELECTRIFIED VILLAGE TO TOTAL INHABITED VILLAGES (1986-87)	No. OF TELEGRAPH OFFICES PER LAKH OF POPULATION (1987-88)	No. OF POST OFFICES PER LAKH OF POPULATION (1987-88)	No. OF SCHOOLS PER LAKH OF POPULATION (1986-87)			No. OF LIVE-STOCK (1982)		No. OF MILCH CATTLE PER A.I.C./ SUB A.I.C.	POPULATION PER BANK-BRANCH (1987-88)	DENSITY OF POPULATION PER SQ. KM. (1981)	DECENNIAL GROWTH OF POPULATION (1971-81)	LITERACY PERCENTAGE (1981)			PERCENTAGE OF S.C./ST. POPULATION TO TOTAL POPULATION (1981)	PERCENTAGE OF MAIN WORKERS (1981)	
																J.B.S.	S.B.S.	H.S.S.	PER HUNDRED SQ. KM. REPORTING AREA	PER STOCK-MAN CENTRE						MALE	FEMALE	TOTAL		CULTIVATORS	AGRICULTURAL LABOURERS
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
GARHMUKTESWAR	1	2	2	9	8	8	3	1	2	4	3	3	3	5	2	5	2	8	10	8	8	5	8	2	8	5	10	10	2	3
SIMBHAOLI	3	1	5	1	4	1	6	2	6	10	2	8	3	4	6	7	10	7	9	9	10	3	2	5	6	6	8	4	3	2
HAPUR	7	4	1	2	2	2	3	2	4	8	8	9	1	5	1	6	7	4	7	10	9	2	3	6	5	3	6	2	4	1
BHOJPOR	5	3	3	1	1	5	3	2	1	3	1	1	4	5	8	1	6	9	2	7	7	1	4	7	7	3	7	3	5	5
DHAULANA	8	7	9	3	3	6	6	2	6	2	6	4	6	5	4	8	8	5	5	4	6	4	5	3	9	4	9	7	1	3
MURADNAGAR	4	5	4	7	6	4	4	1	3	9	4	6	1	5	6	2	1	2	1	2	4	7	7	8	1	1	1	6	8	4
RAJAPUR	6	6	6	5	5	3	3	2	4	5	7	10	1	3	5	7	3	3	3	5	3	9	1	4	3	2	2	5	9	7
LONI	2	9	8	6	8	10	1	2	5	7	5	2	1	2	9	3	4	1	6	6	5	8	9	9	3	5	3	1	10	9
BISRAKH	5	10	10	8	9	9	1	1	1	6	10	7	2	1	3	4	5	1	4	1	1	10	10	5	2	3	4	9	7	8
DADRI	7	8	7	4	7	7	5	2	4	1	9	5	5	5	7	8	9	6	8	3	2	6	6	1	4	3	5	8	6	6

1990-91 जिला वार्षिक योजना
जनपद — गाजियाबाद
माप
उ
लोनी
मुरादनगर
भोजपुर
रजापुर
गाजियाबाद
बिसरख
दादरी
धौलाना
हापुड़
सिम्भावली
गढ़
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
बन क्षेत्र
बाढ़ क्षेत्र
पानी की भराव
कटाव ग्रस्त क्षेत्र
भूमि गत जल की उपलब्धता
50'
मिट्टी की प्रधान किस्में
बलुई
बलुई दोमट
दोमट
मिश्रित रूप से
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
वर्षा
मार्च - 132.80
अप्रैल -
मई - 2.00
जून - 47.00
जुलाई - 226.00
अगस्त - 918.50
सितम्बर - 871.30
अक्तूबर -
नवम्बर - 14.00
1989 दिसम्बर 144.00
1990 जनवरी -
फरवरी -
अर्थ अधिकारी गाजियाबाद
B. B. Gurung
(Asst cartographer)

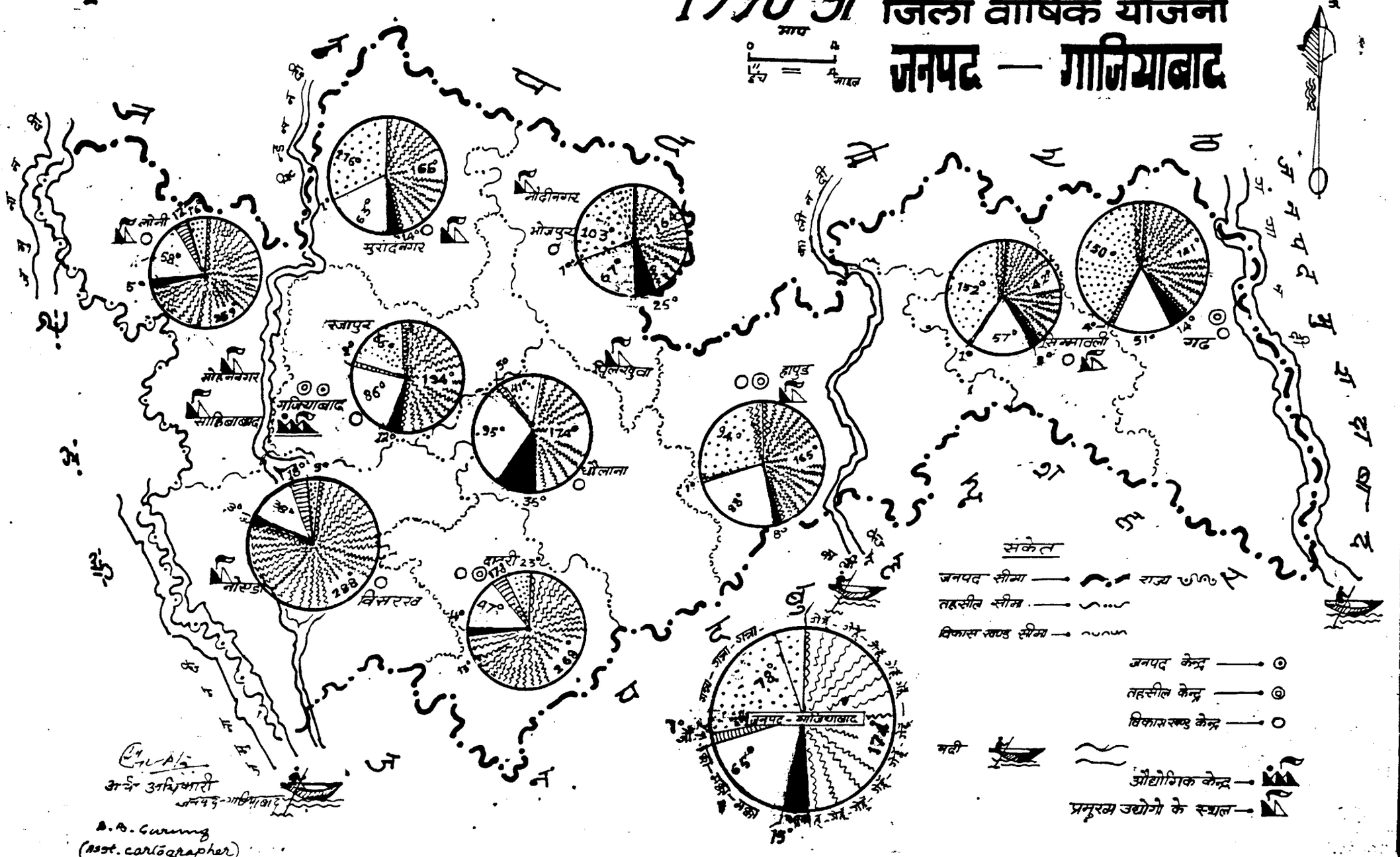

1990-91 जिला वार्षिक योजना
जनपद — गाजियाबाद
मोदीनगर
मुरादनगर
लोनी
भोजपुर
रजापुर
गाजियाबाद
मोहननगर
साहिबाबाद
पिलखुवा
धौलाना
हापुड
सिम्भावली
गढ़
बिसरख
दादरी
जनपद - गाजियाबाद
संकेत
जनपद सीमा
राज्य सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
नदी
औद्योगिक केन्द्र
प्रमुख उद्योगों के स्थल
A.B. Gurung
(Asst. cartographer)

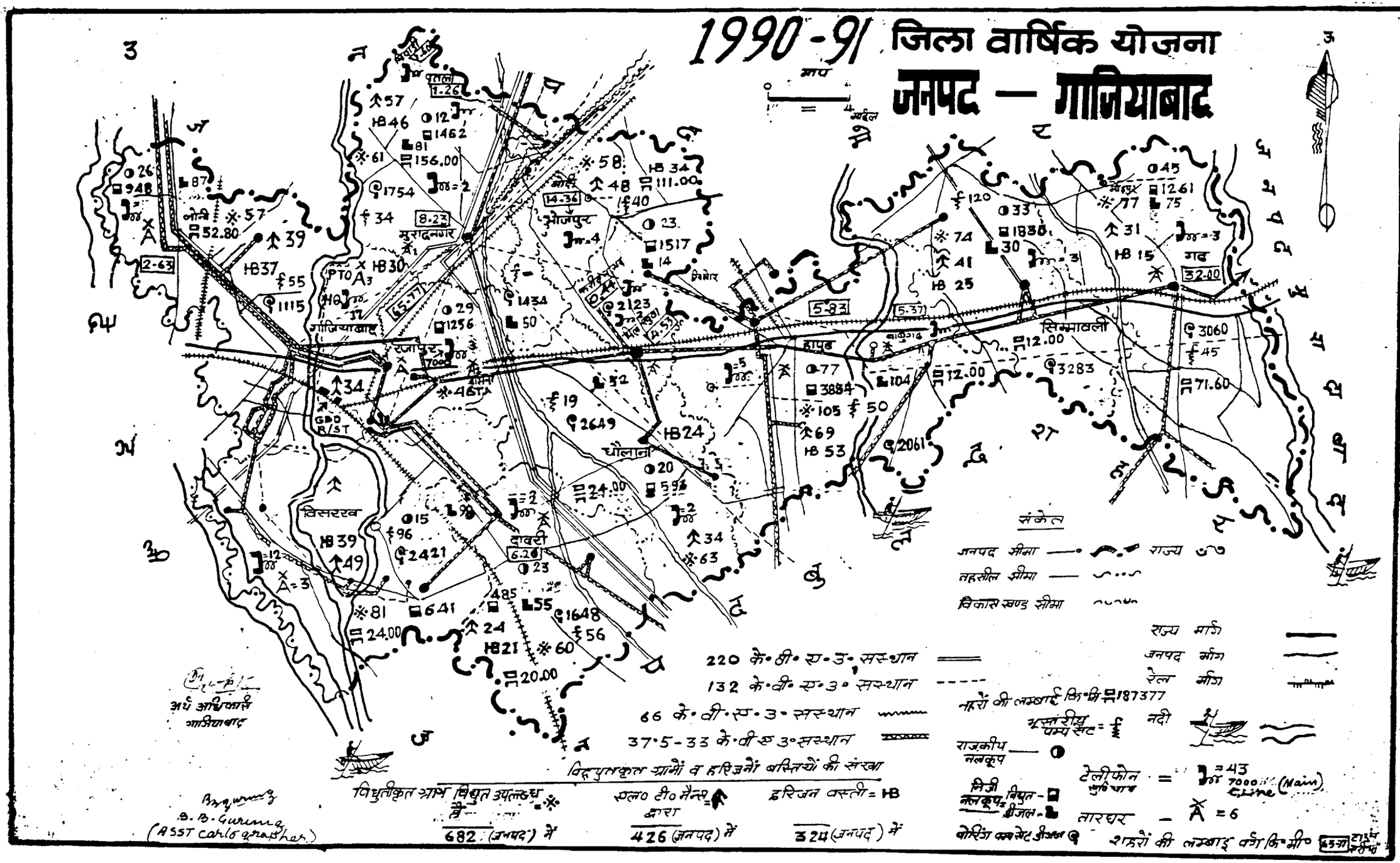

1990-91 जिला वार्षिक योजना
जनपद — गाजियाबाद
माप
मील
मुरादनगर
भोजपुर
गाजियाबाद
राजपुर
बिसरख
दादरी
धौलाना
हापुड़
सिम्भावली
गढ़
संकेत
जनपद सीमा
राज्य
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
राज्य मार्ग
जनपद मार्ग
रेल मार्ग
220 के॰वी॰ ए॰ उ॰ संस्थान
132 के॰वी॰ ए॰ उ॰ संस्थान
66 के॰वी॰ ए॰ उ॰ संस्थान
37·5-33 के॰वी॰ ए॰ उ॰ संस्थान
नहरों की लम्बाई कि॰मी॰ 187377
नदी
राजकीय नलकूप
टेलीफोन = 43
तारघर = 6
हरिजन बस्ती = HB
682 (जनपद) में
426 (जनपद) में
324 (जनपद) में
B. B. Gurung
(ASST Cartographer)
अर्थ अधिकारी गाजियाबाद

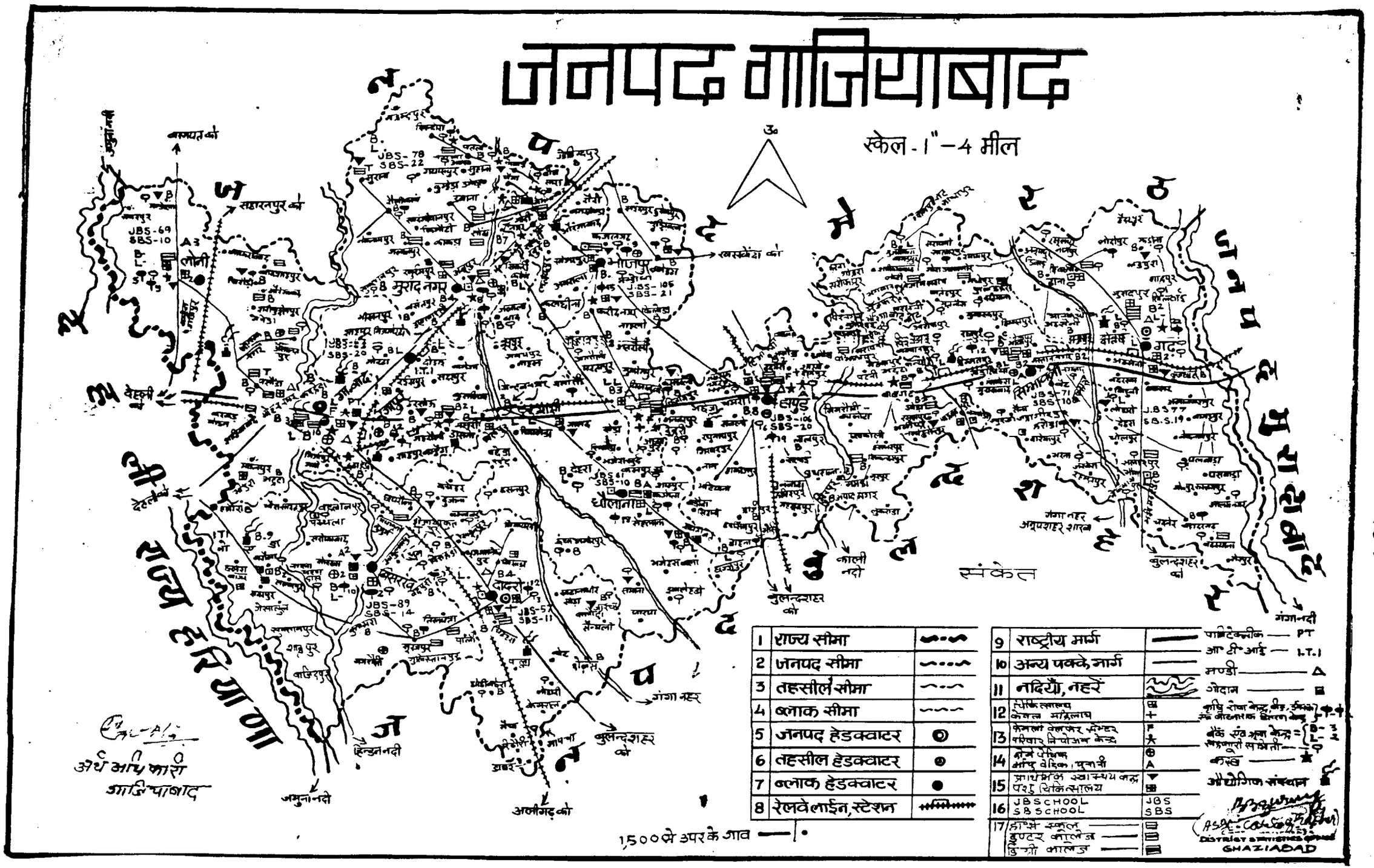

जनपद गाजियाबाद

स्केल - 1" - 4 मील
मुरादनगर
भोजपुर
हापुड़
गढ़
लोनी
धौलाना
दादरी
सहारनपुर को
गंगा नहर
बुलन्दशहर को
अलीगढ़ को
यमुनानदी
गंगानदी
राज्य हरियाणा
संकेत
1 राज्य सीमा
2 जनपद सीमा
3 तहसील सीमा
4 ब्लाक सीमा
5 जनपद हेडक्वाटर
6 तहसील हेडक्वाटर
7 ब्लाक हेडक्वाटर
8 रेलवे लाईन, स्टेशन
9 राष्ट्रीय मार्ग
10 अन्य पक्के मार्ग
11 नदियाँ, नहरें
16 JBSCHOOL SBSCHOOL — JBS SBS
पालिटेक्नीक — PT
आ० टी० आई० — I.T.I
मण्डी
गोदाम
कस्बा
औद्योगिक संस्थान
1,500 से ऊपर के गाव
DISTRICT STATISTICS OFFICE
GHAZIABAD

जनपद — गाजियाबाद ⟶ जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग कि० मी०) 1981

जनपद :- 498
मण्डल :- 578
ग्रा० प्र० :- 377

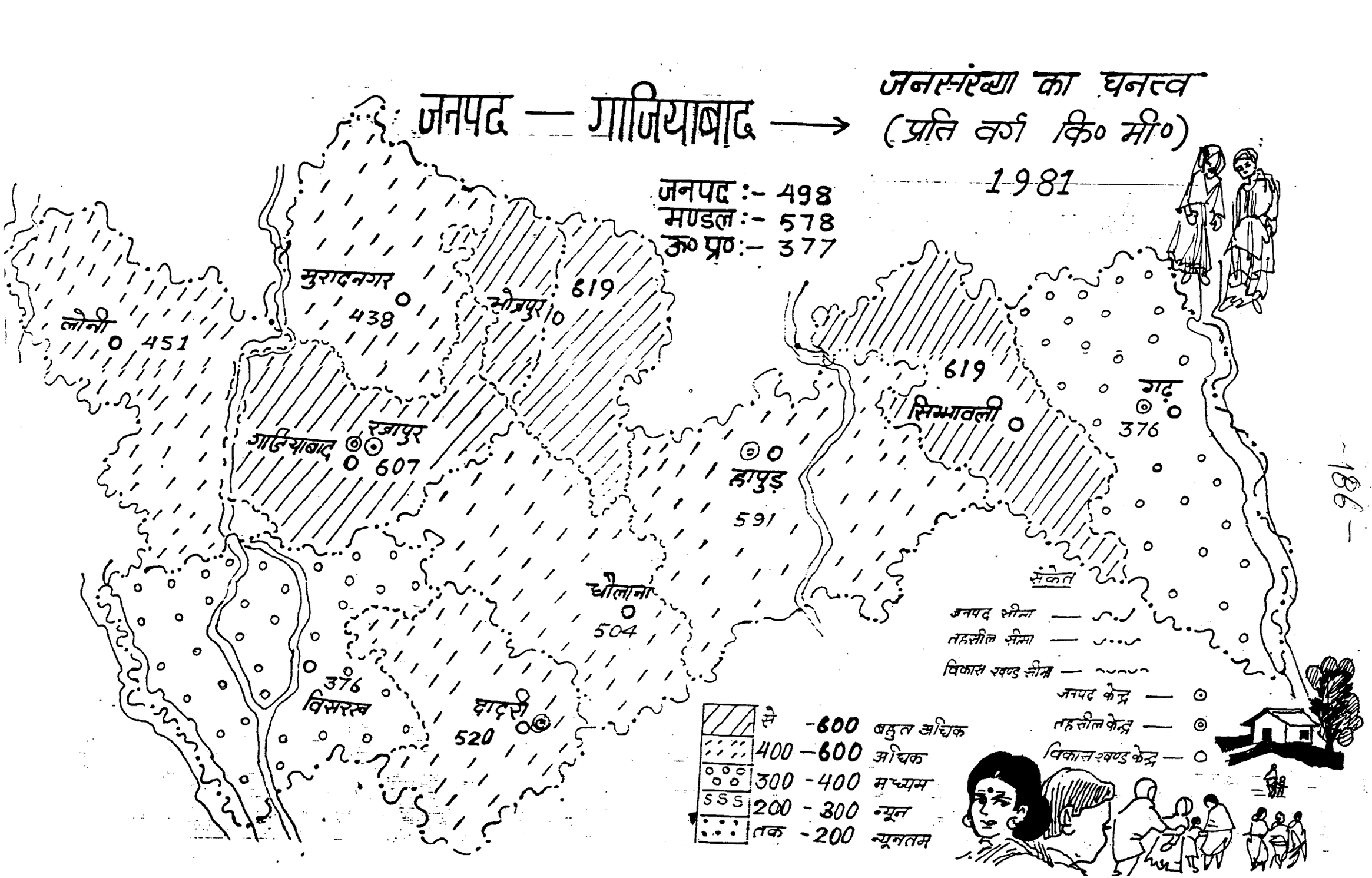

जनपद — गाजियाबाद → प्रति पशु सेवा केन्द्र पर पशु संख्या 1982

जनपद :- 11996
मण्डुल :- NA
उ० प्र० :- 22000

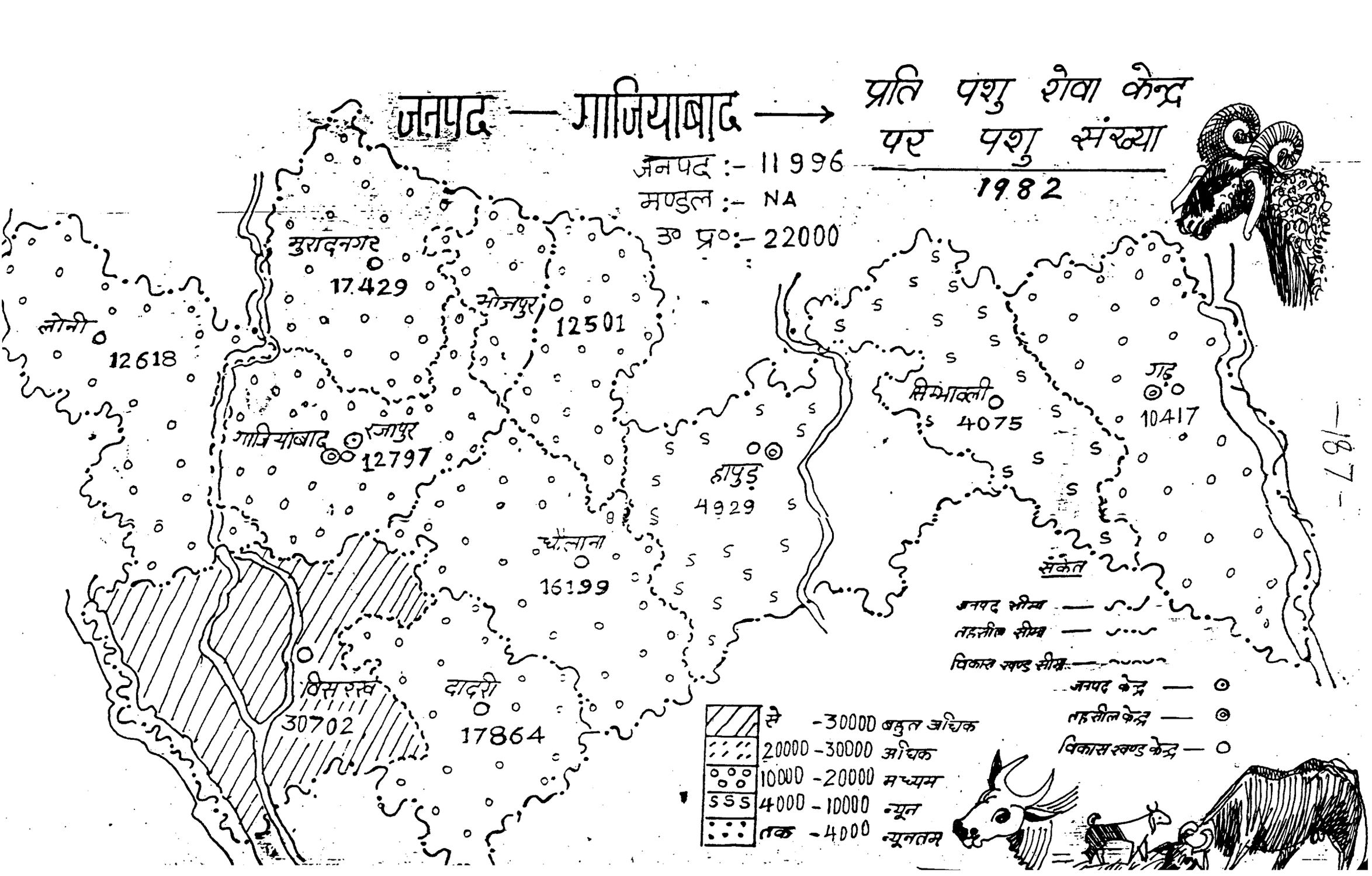

-187-

जनपद — गाजियाबाद → अनुसूचित जाति एवं जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 1981
जनपद :- 21.3
मण्डल :- 19.0
उ॰प्र॰:- 21.16
लोनी
29-4
मुरादनगर
18-3
भोजपुर
24.5
रजापुर
गाजियाबाद
19-1
हापुड़
28.4
सिम्भावली
19-8
गढ़
10-1
धौलाना
18-2
बिसरख
16-5
दादरी
17-5
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
से -28-0 बहुत अधिक
24-0 - 28-0 अधिक
18-0 - 24-0 मध्यम
16-0 - 18-0 न्यून
तक -16.0 न्यूनतम

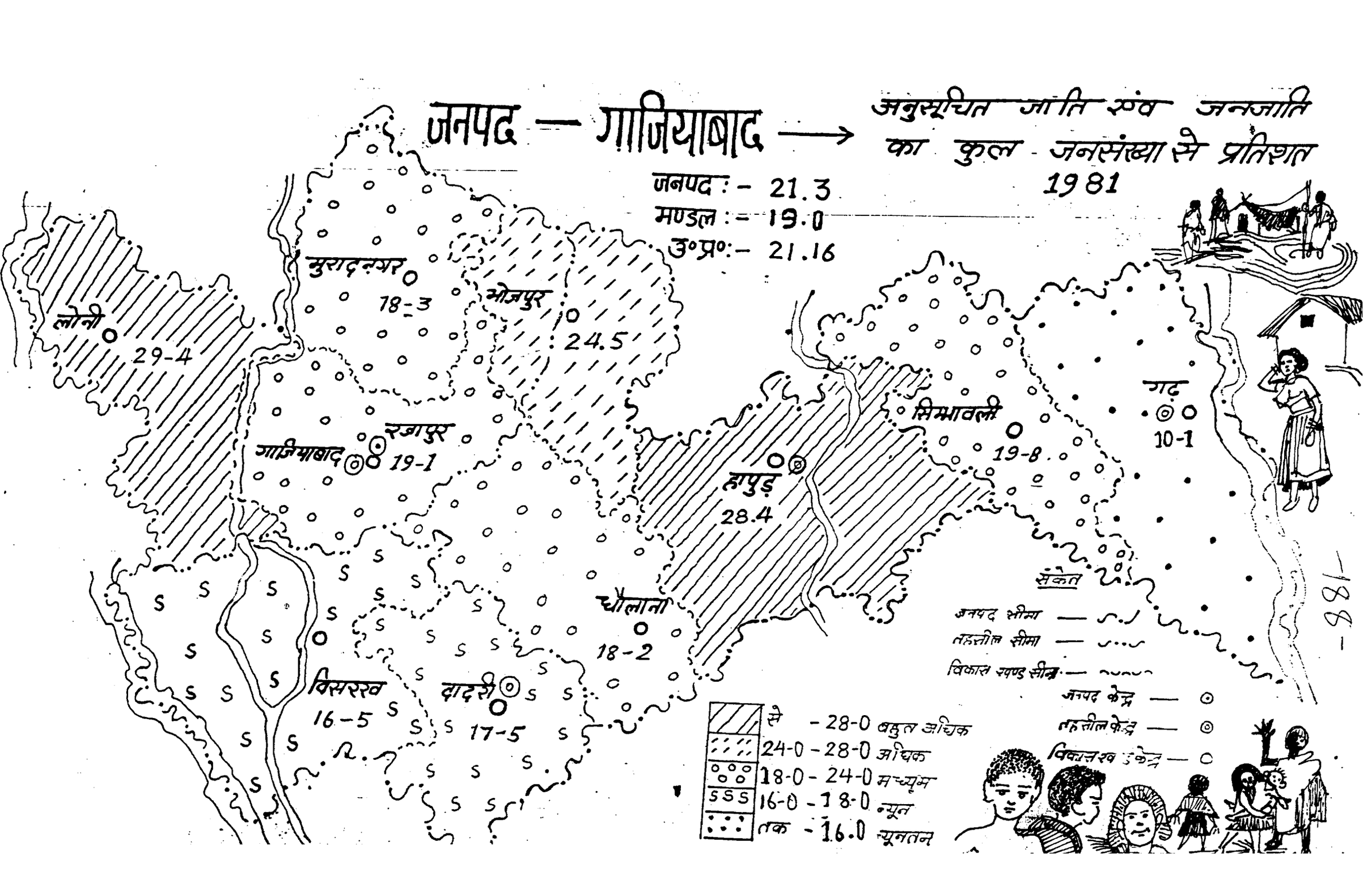

जनपद — गाजियाबाद →
जनपद में विकास खंडवार साक्षरता का प्रतिशत
1981
जनपद :- 36.
मण्डल :- 31.77
उ० प्र० :- 27.16
मुरादनगर
37
लोनी
32
भोजपुर
28
गाजियाबाद
रजापुर
33
धौलाना
26
हापुड़
29
सिम्भावली
27
गढ़
26
बिसरख
31
दादरी
30
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
से - 50 बहुत अधिक
35 - 50 अधिक
30 - 35 मध्यम
25 - 30 न्यून
तक - 25 न्यूनतम
नोट :- समस्त नगरीय = 49

जनपद — गाजियाबाद
प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर बेसिक स्कूलों, संख्या 1988-89
जनपद :- 71.8
मण्डल :- 63.1
उ० प्र० :- 66.99
SCHOOL
मुरादनगर 81-3
भोजपुर 86-7
लोनी 79-6
गाजियाबाद
रजापुर 55-6
धौलाना 53-3
हापुड़ 56-9
सिम्भावली 55.6
गढ़ 61-2
बिसरख 70-9
दादरी 48-5
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
से -95 बहुत अधिक
80 -95 अधिक
70 - 80 मध्यम
50 - 70 न्यून
तक - 50 न्यूनतम

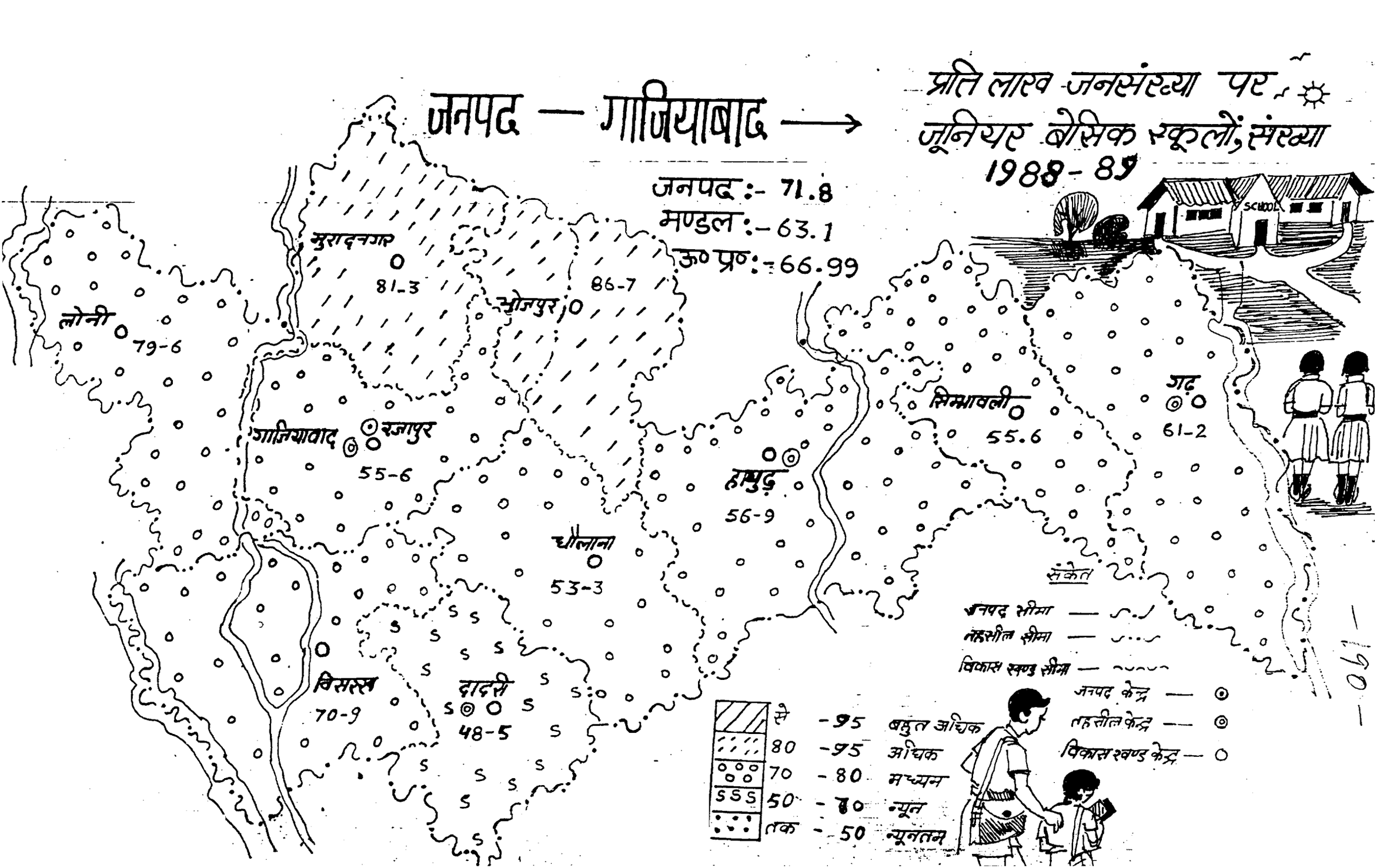

जनपद — गाजियाबाद →
प्रति लाख जनसंख्या पर सीनियर बेसिक स्कूलों की संख्या
1988-89
जनपद :- 10.8
मण्डल :- 11.6
उ० प्र० :- 14.89
मुरादनगर
16-7
लोनी
11-5
भोजपुर
10-7
गाजियाबाद
रजापुर
12-4
हापुड़
4.1
सिम्भावली
7.1
गढ़
14.3
धौलाना
8.7
बिसरख
11.1
दादरी
8-5
SCHOOL
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
से - 16-0 बहुत अधिक
12.0 - 16-0 अधिक
10.0 - 12-0 मध्यम
8.0 - 10-0 न्यून
तक - 8.0 न्यूनतम

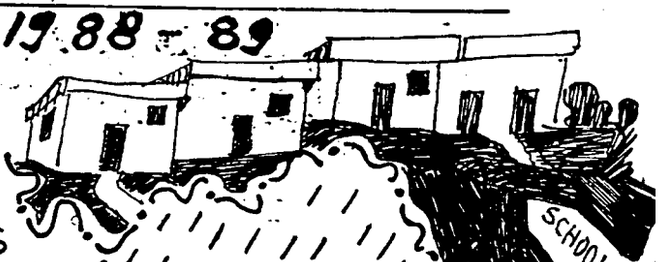

जनपद — गाजियाबाद → प्रति लाख जनसंख्या पर हायर सेकेन्ड्री स्कूलों की संख्या

1988-89

जनपद :- 6.1
मण्डल :- 4.7
उ० प्र० :- 5.13

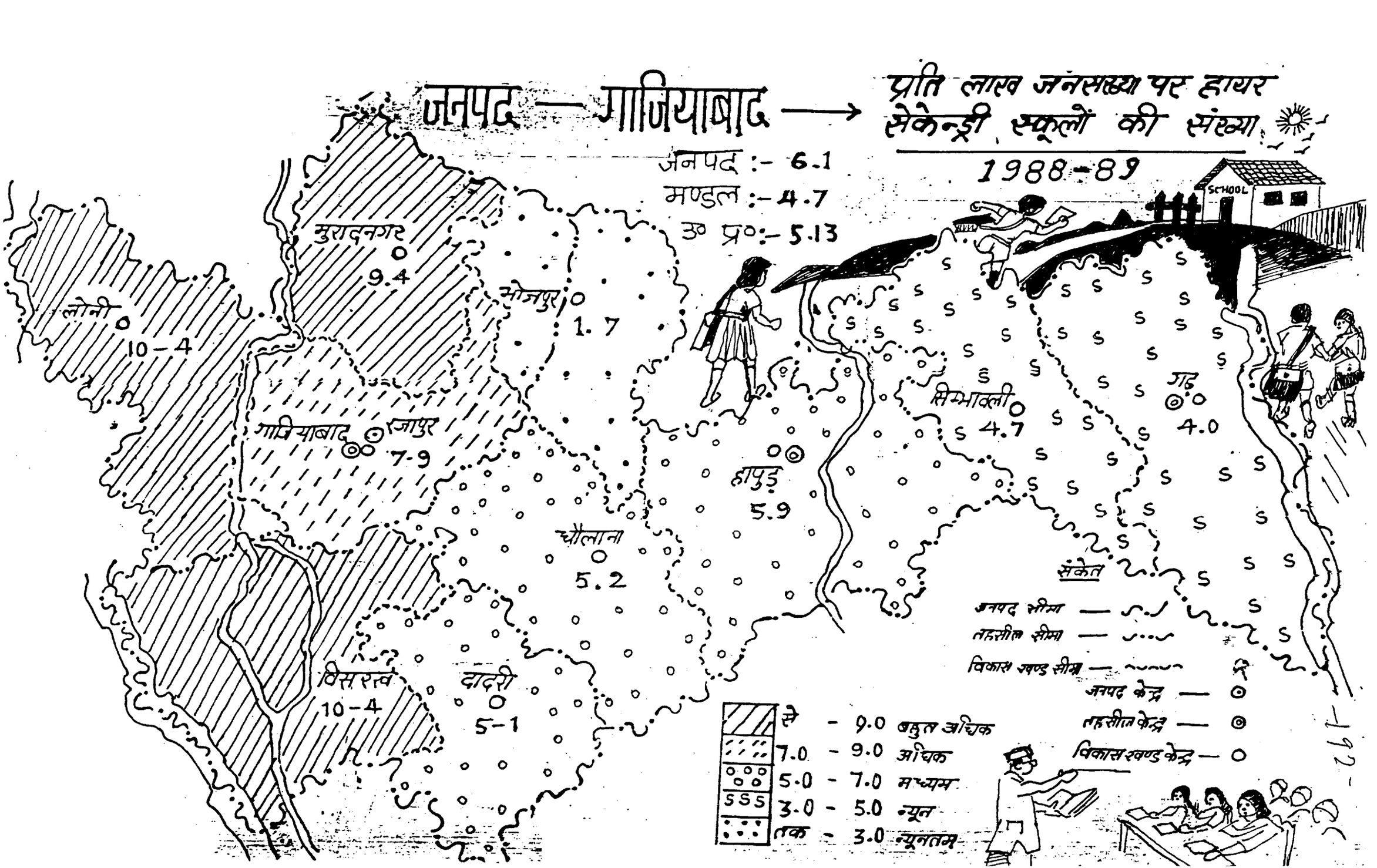

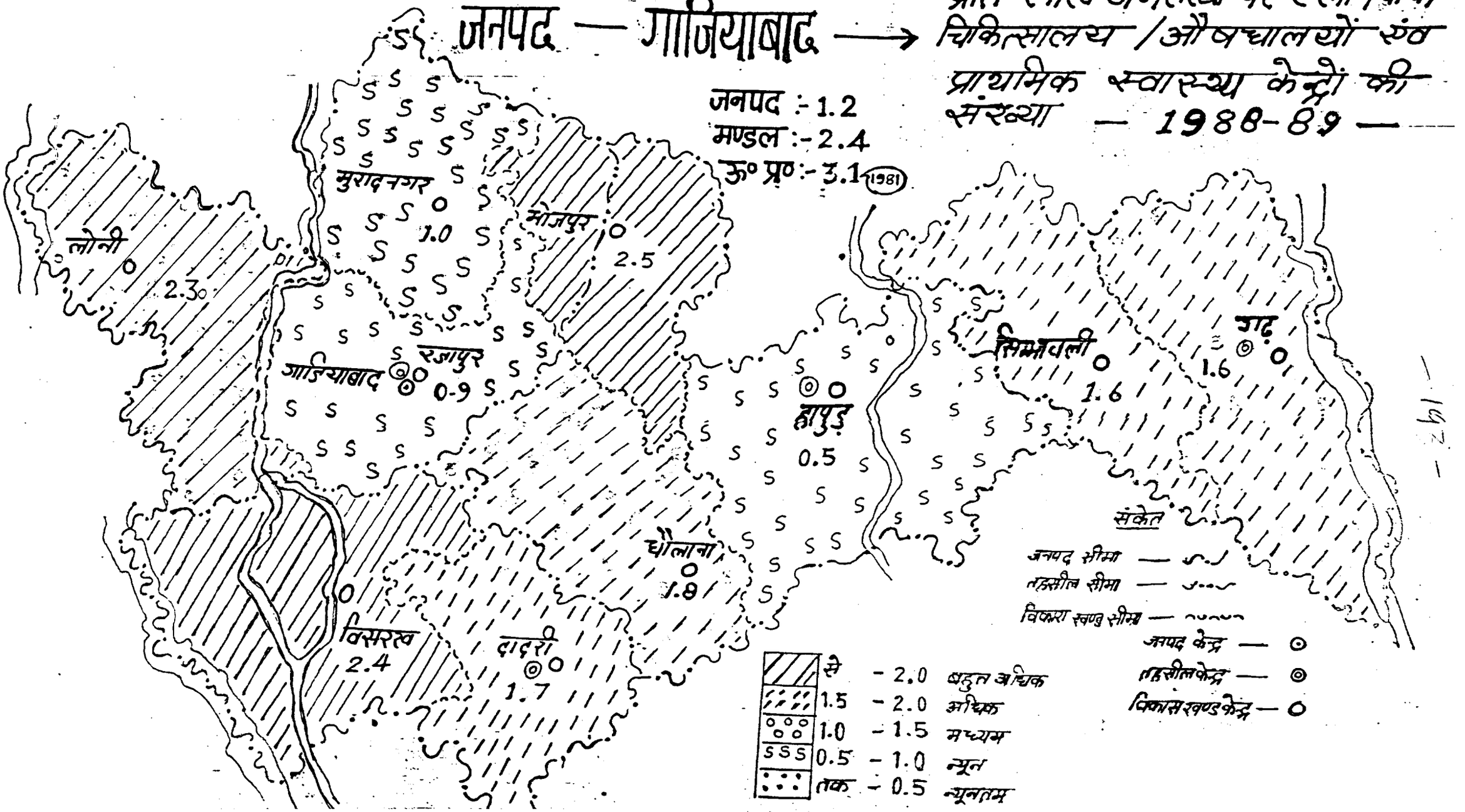

जनपद — गाजियाबाद →
प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपेथीक चिकित्सालय / औषधालयों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या — 1988-89 —
जनपद :- 1.2
मण्डल :- 2.4
उ० प्र० :- 3.1 (1981)
लोनी
2.3
मुरादनगर
1.0
भोजपुर
2.5
रजापुर
गाजियाबाद
0.9
हापुड़
0.5
सिम्भावली
1.6
गढ़
1.6
धौलाना
1.8
बिसरख
2.4
दादरी
1.7
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसीलकेन्द्र
विकासखण्डकेन्द्र
से - 2.0 बहुत अधिक
1.5 - 2.0 अधिक
1.0 - 1.5 मध्यम
0.5 - 1.0 न्यून
तक - 0.5 न्यूनतम

192

जनपद — गाजियाबाद →

प्रति सौ वर्ग कि० मी० पर पक्की सड़कों की लम्बाई 1986-87

जनपद :- 2600
मण्डल :- 2372
उ० प्र० :- 29.70

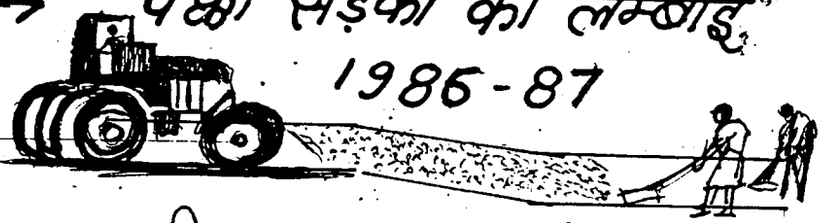

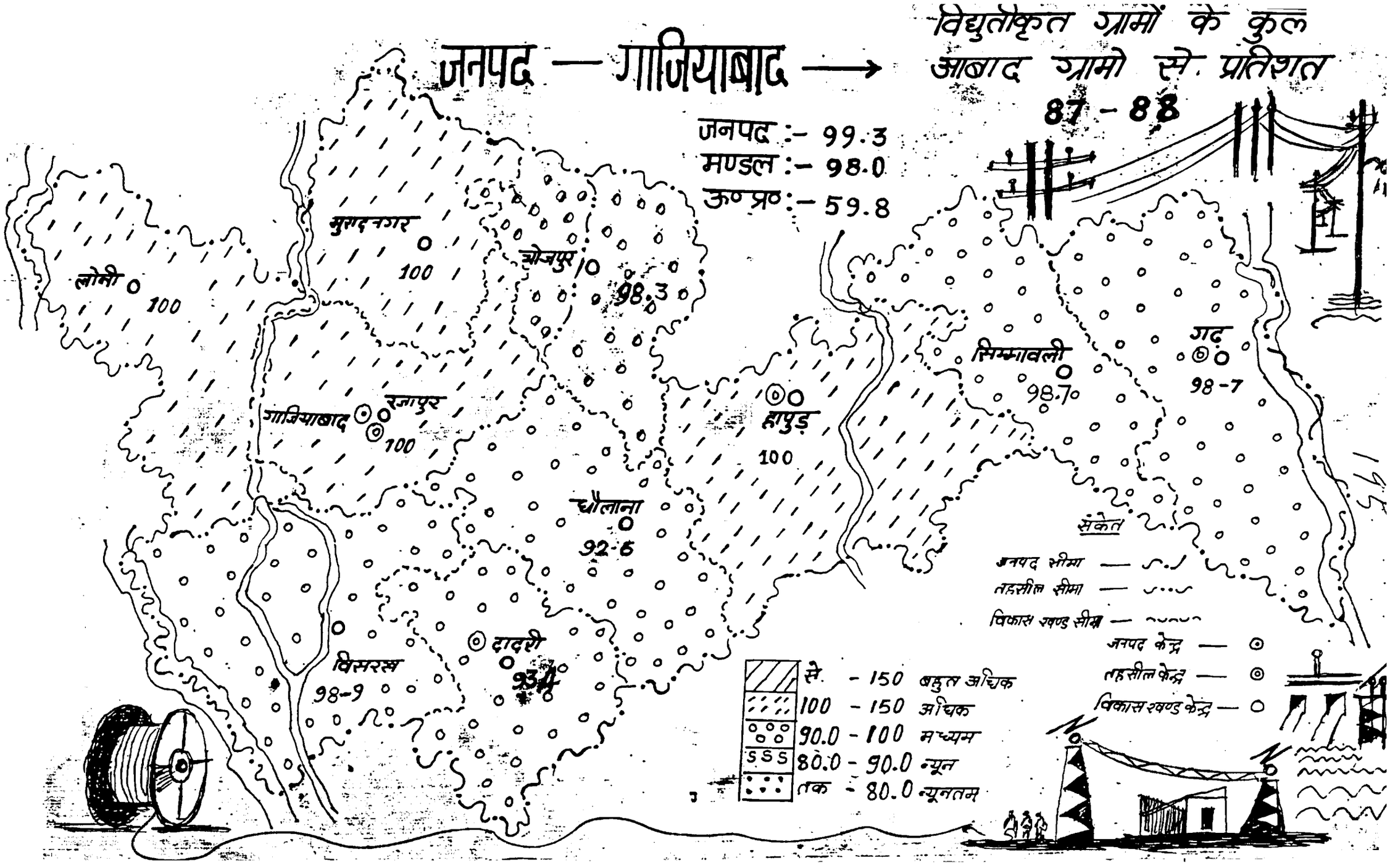

जनपद — गाजियाबाद →
विद्युतीकृत ग्रामों के कुल आबाद ग्रामो से प्रतिशत
87 - 88
जनपद :- 99.3
मण्डल :- 98.0
उ० प्र० :- 59.8
मुरादनगर
100
लोनी
100
भोजपुर
98.3
गाजियाबाद
रजापुर
100
हापुड़
100
सिम्भावली
98.7
गढ़
98-7
धौलाना
92.6
दादरी
93.4
बिसरख
98-9
संकेत
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकास खण्ड सीमा
जनपद केन्द्र
तहसील केन्द्र
विकास खण्ड केन्द्र
से - 150 बहुत अधिक
100 - 150 अधिक
90.0 - 100 मध्यम
80.0 - 90.0 न्यून
तक - 80.0 न्यूनतम

जिला वार्षिक योजना

वर्ष 1990-91

जनपद - गाजियाबाद

परिशिष्ट- 7

NIEPA DC

D05490

परिशिष्ट-7

जनपद गाजियाबाद

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण
केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें शत प्रतिशत / 50 प्रतिशत अंश में

(हजार रु०)

क्र० स	विभाग/परियोजना का नाम	वर्ष 89-90 में स्वीकृत परिव्यय		वर्ष 89-90 में अनुमानित परिव्यय		वर्ष 1990-91 में प्रस्तावित परिव्यय	
		कुल	राज्यांश/जिला सेक्टर	कुल	राज्यांश/जिला सेक्टर	कुल	राज्यांश/जिला सेक्टर
1	2	3	4	5	6	7	8
6-	शिक्षा विभाग						
	नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में वय वर्ग 6-14 वर्ष के बच्चों के अंश कालीन कक्षायें खोलने हेतु अनुदान	1600-0	800-0	1600-0	800-0	2000-0	1000-0
	योग	1600-0	800-0	1600-0	800-0	2000-0	1000-0

परिशिष्ट—९

जिला योजना वर्ष 1990-91 का विवरण

जनपद गाजियाबाद — केन्द्र पुरोनिधानित योजनाये शत प्रतिशत / 50 प्रतिशत अंश मे — (हजार रु० मे)

क्र० सं०	विभाग / परियोजना का नाम	वर्ष 89-90 में स्वीकृत परिव्यय		वर्ष 89-90 में अनुमानित व्यय		वर्ष 1990-91 में प्रस्तावित परिव्यय	
		कुल	राज्यांश / जिला सेक्टर	कुल	राज्यांश / जिला सेक्टर	कुल	राज्यांश / जिला सेक्टर
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	लघु सीमान्त कृषको की उत्पादकता बढाने हेतु सहायता	13800-0	6900-0	13800-0	6900-0	4200-0	2100-0
2.	पशुपालन विभाग						
	(1) खुरपका, मुंहपका रोग के रोक थाम की योजना	20-0	10-0	20-0	10-0	20-0	10-0
	(2) लघु सीमान्त कृषको एवं भूमिहीन श्रमिको के लाभार्थ वर्णशंकर बछियो के भरण पोषण हेतु सन्तुलित आहार, कुक्कुट भेड एवं सूकर पालन ईकाइयो की स्थापना	600-0	300-0	600-0	300-0	730-0	365-0
	योग	620-0	310-0	620-0	310-0	750-0	375-0
3.	मत्स्य विभाग						
	मत्स्य पालक विकास अभिकरण	280-0	140-0	280-0	140-0	312-0	106-0
	योग	280-0	140-0	280-0	140-0	312-0	116-0
4.	क्षेत्रीय विकास						
	(1) एकीकृत ग्राम्य विकास योजना	17974-0	8987-0	17974-0	8987-0	18950-0	9475-0
	(2) जवाहर रोजगार योजना	41892-0	10473-0	44908-0	11227-0	49404-0	12351-0
	योग	59866-0	19460-0	62882-0	20214-0	68354-0	21826-0
5	ग्रामीण लघु उद्योग						
	जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से मार्जिन मनी ऋण	200-0	100-0	200-0	100-0	200-0	100-0
	योग	200-0	100-0	200-0	100-0	200-0	100-0

D.546
Date 11/12/90
... Marg, New Delhi-1100...